हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शुक्रवार ● 19.06.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 322 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

दिल्ली में पूर्व अग्निवीरों को 20 फीसदी आरक्षण देने की तैयारी

नयी दिल्ली : दिल्ली में पूर्व अग्निवीरों को 20 फीसदी आरक्षण मिलेगा। यह आरक्षण दिल्ली पुलिस, अग्निशमन सेवा, जेल और वन विभाग की समूह-ग भर्तियों में लागू होगा।

उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त के साथ समीक्षा बैठक की। भर्ती नियमों में बदलाव की तैयारी तेज है। उपराज्यपाल ने कहा कि सभी योग्य पूर्व-अग्निवीरों के लिए भर्ती खुली रहेगी। इससे उन्हें समान अवसर मिल सकेंगे। यह देश के लिए उनकी सेवा को मान्यता देने का एक तरीका है। यह कदम उनके अनुभव का लाभ उठाने के लिए उठाया गया है। सभी संबंधित विभागों के लिए भर्ती नियमों में बदलाव की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इन जरूरी बदलावों को पूरा करने की समय-सीमा 30 जून तय की गई है। विभागों को इन भर्ती किए गए लोगों की विशेष क्षमताओं का उपयोग करने का अधिकार होगा। यह उपयोग उनकी ऑपरेशनल आवश्यकताओं के अनुसार किया जाएगा।

डेंगू-मलेरिया को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने की तैयारियों की समीक्षा

नयी दिल्ली : मानसून से पहले डेंगू और मलेरिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम को लेकर केंद्र सरकार अलर्ट मोड में है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर देशभर में तैयारियों का जायजा लिया और राज्यों तथा स्वास्थ्य संस्थानों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पतालों को पर्याप्त दवाइयों, जांच सुविधाओं और बेड्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक बैठक में जेपी नड्डा ने निर्देश दिए कि डेंगू और मलेरिया की रोकथाम, जांच और उपचार से जुड़े सभी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाए, ताकि मरीजों को समय पर उपचार मिल सके। नड्डा ने कहा कि बीमारी की समय पर पहचान और त्वरित इलाज से गंभीर मामलों को रोका जा सकता है।

पाकिस्तान में युवा एक्टिविस्ट हसनैन रजा गिरफ्तार

जम्मू : पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान के स्कर्दू क्षेत्र से एक अहम खबर सामने आई है। सामाजिक और युवा अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाले युवा कार्यकर्ता हसनैन रजा को स्थानीय प्रशासन ने गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में मानवाधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार, हसनैन रजा लंबे समय से गिलगित-बाल्टिस्तान में स्थानीय लोगों के अधिकारों, लोकतांत्रिक स्वतंत्रता और कथित सरकारी दमन के खिलाफ खुलकर अपनी राय रखते रहे हैं।

परिमल नथवाणी संग राज्यसभा पहुंचे बैजनाथ राम, कांग्रेस के प्रणव झा हारे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में राज्यसभा की 2 सीटों के लिए हुए चुनाव में झामुमो उम्मीदवार बैजनाथ राम और एनडीए समर्थित प्रत्याशी परिमल नाथवानी जीते हैं। कांग्रेस पार्टी को प्रणव झा की हार के रूप में बड़ा झटका लगा है। चुनाव परिणाम के बाद क्रॉस वोटिंग की आशंका जताई जा रही है। यह भी जानकारी मिली है कि 81 विधायकों में से 3 वोट अमान्य हो गए। बाकी 78 में से 31 वोट झारखंड मुक्ति मोर्चा के उम्मीदवार बैजनाथ राम को मिला, 28 वोट एनडीए समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी को मिला, जबकि प्रणव झा को केवल 19 वोट मिले। चुनाव परिणाम हैरान करने वाला इसलिए भी है क्योंकि सत्ताधारी इंडिया गठबंधन के पास स्वाभाविक रूप से 56 विधायक का समर्थन था और झारखंड मुक्ति मोर्चा ने दावा किया था कि उनके पास 56 नहीं बल्कि 61 विधायक

राम को 31, नाथवानी को 28 और झा को 19 मत मिले

हैं। चुनाव परिणाम आते ही सत्ताधारी दल के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया है। कांग्रेस ने कहा कि उनके विधायकों ने क्रॉस वोटिंग नहीं की। गौरतलब है कि झारखंड में इंडिया गठबंधन में झारखंड मुक्ति मोर्चा के अलावा आरजेडी, कांग्रेस और वामदल शामिल है। कांग्रेस ने दावा किया कि उनके 16 विधायकों में एकजुटता थी। हालांकि, कांग्रेस यह नहीं बता पा रही है कि किस पार्टी के विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की होगी।

वहीं रमा खलखो ने कहा कि हमारे पास 56 विधायकों का आंकड़ा था। सबलोग एकजुट थे और बावजूद इसके विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की है और यदि वे हमारी पार्टी के भी विधायक हैं तो शीर्ष नेतृत्व फैसला लेगा। उन्होंने भाजपा पर क्रॉस वोटिंग को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि उनके पास पर्याप्त संख्याबल नहीं था तो किस आधार पर जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रहा था।

एनडीए का 2, कांग्रेस का 1 वोट अमान्य

बताया जाता है कि एनडीए के 2 वोट अमान्य हो गए, जबकि कांग्रेस का 1 वोट अमान्य हो गया। चुनाव परिणाम से साफ है कि राज्यसभा चुनाव में हॉर्स ट्रेडिंग की जो आशंका जताई जा रही थी. वह सच साबित हुई है। सत्ताधारी दल के कुछ विधायकों ने परिमल नाथवानी के समर्थन में क्रॉस वोटिंग की है।

तीसरी बार परिमल नाथवानी झारखंड से जीते

गौरतलब है कि यह तीसरा मौका है जबकि परिमल नाथवानी झारखंड से राज्यसभा के लिए चुने गए हैं। राज्यसभा सांसद के रूप में यह परिमल नाथवानी का तीसरा कार्यकाल होगा। एनडीए समर्थित प्रत्याशी परिमल नाथवानी को 30 वोट प्राप्त हुए, जिससे उनकी जीत सुनिश्चित हो गई।

कांग्रेस के लिए बड़ा झटका

महागठबंधन की ओर से कांग्रेस ने प्रणव झा को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह परिणाम कांग्रेस और महागठबंधन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने हॉर्स ट्रेडिंग के आरोपों पर कहा कि जब हमने चुनाव में उतरने का फैसला किया था तो कांग्रेस ने कहा कि परिमल नाथवानी कहीं नजर नहीं आएंगे और जबकि हम जीत गए हैं तो धनबल का आरोप लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा पैसों का लेन-देन नहीं करती। कांग्रेस ऐसे कृत्य करती है।

रमा खलखो ने जताई क्रॉस वोटिंग की आशंका

रमा खलखो ने कहा कि यदि कांग्रेस के विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की है तो बात शीर्ष नेतृत्व तक जाएगी। शीर्ष नेतृत्व फैसला लेगा। रमा खलखो ने कहा कि अभी कुछ भी अनुमान लगाना जल्दीबाजी होगी।

आरएसएस कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंकने वाले दो युवक गिरफ्तार

आईएसआई के कहने पर संघ कार्यालय पर किया गया था हमला

एक आरोपी का हाफ एनकाउंटर, पैर में लगी गोली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के चुटिया थाना क्षेत्र स्थित निवारणपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमले के मामले में गिरफ्तार एक आरोपी गुरुवार को पुलिस हिरासत से फरार हो गया। बाद में मांडर टोल प्लाजा के पास पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

पुलिस के अनुसार, सैफ नामक आरोपी को कोतवाली थाना में पूछताछ के लिए रखा गया था। गुरुवार दोपहर उसने बाथरूम जाने की अनुमति ली। बाथरूम के भीतर नल खोलकर उसने प्रहरी को भ्रमित किया और खिड़की के रास्ते झाड़ियों के सहारे थाने से फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही रांची पुलिस में हड़कंप मच गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) से लेकर सिटी नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) और विभिन्न थानों की पुलिस टीमों ने उसकी तलाश शुरू कर दी।

पुलिस ने बताया कि मांडर टोल प्लाजा के पास उसकी लोकेशन मिलने पर घेराबंदी की गई। इस दौरान आरोपी ने पुलिस का हथियार छीनने और फायरिंग करने का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें वह घायल हो गया।

रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि घेराबंदी के दौरान आरोपित द्वारा पुलिस पर हमला करने की कोशिश की गई, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने आत्मरक्षा में गोली चलाई। घायल आरोपी को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कलकत्ता हाई कोर्ट से ममता को नहीं मिली राहत, ऋतब्रत बनर्जी बने रहेंगे नेता प्रतिपक्ष

एजेंसी

कोलकाता : कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष रथींद्र बोस के उस फैसले पर कोई अंतरिम आदेश देने से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया जिसके तहत तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट के विधायक रिताब्रता बनर्जी को विपक्ष का नेता नियुक्त किया गया था। तृणमूल विधायक शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने विपक्ष के नेता पद के लिए उनकी दावेदारी खारिज किए जाने और विधानसभा अध्यक्ष द्वारा बनर्जी को इस पद पर नियुक्त किए जाने को चुनौती

देते हुए अदालत का रुख किया था।

न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने विधानसभा अध्यक्ष के फैसले पर कोई अंतरिम आदेश देने से इनकार करते हुए मामले को अगली सुनवाई के लिए 28 जुलाई को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। अदालत ने याचिका में प्रतिवादियों को तीन सप्ताह के भीतर हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति राव ने कहा कि याचिकाकर्ता को इसके बाद दो सप्ताह के भीतर उन हलफनामों पर जवाब दाखिल करने का अवसर मिलेगा।

बागी गुट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल के कुल 80 विधायकों में से 58 का समर्थन होने का दावा किया है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट से जुड़े चट्टोपाध्याय ने इस आधार पर अंतरिम आदेश दिए जाने का अनुरोध किया था कि 18वीं पश्चिम बंगाल विधानसभा का पहला सत्र बृहस्पतिवार से शुरू होना था।

भारतीय समुद्री बेड़े में शामिल हुआ स्वदेशी एयर कुशन व्हीकल

नयी दिल्ली : भारतीय तटरक्षक की क्षमताओं को मजबूत करने और 'आत्मनिर्भर भारत' के राष्ट्रीय विजन को आगे बढ़ाते हुए गुरुवार को देश के पहले स्वदेशी एयर कुशन व्हीकल (एसीवी) को समुद्री बेड़े में शामिल किया गया। भारतीय तटरक्षक फ्लीट में एसीवी का शामिल होना देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिहाज से अहम है। कमांडेंट अमित उनियाल ने बताया कि भारतीय तटरक्षक के वरिष्ठ अधिकारियों और शिपबिल्डिंग इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में यह समारोह गोवा में हुआ।

शिवसेना (यूबीटी) की बैठक में शामिल नहीं हुए पार्टी के 6 सांसद, अनुशासनात्मक कार्रवाई की तैयारी

एजेंसी

नयी दिल्ली : उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित संसदीय दल की बैठक में अनुपस्थित रहने वाले छह लोकसभा सदस्यों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की है। पार्टी नेताओं का कहना है कि पार्टी व्हिप की अवहेलना को देखते हुए यह कार्रवाई की जा रही है।

पार्टी की ओर से दिए गए व्हिप के बावजूद छह सांसद अनुपस्थिति रहे। इनमें संजय दीना पाटिल, संजय देशमुख, नागेश पाटिल अष्टिकर, संजय जाधव, भाऊसाहेब वाकचौरे

और ओमप्रकाश उर्फ ओम राजे निम्बालकर शामिल हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का दावा है कि शिवसेना (यूबीटी) के अधिकांश सांसद दल बदलने को तैयार हैं।

बैठक में तीन सांसद उपस्थित थे। इनमें अरविंद सावंत , अनिल देसाई और राजभाऊ वाजे शामिल हैं। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में पार्टी से राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने बताया कि संसदीय दल की बैठक लोकसभा के फ्लोर लीडर अरविंद सावंत और मुख्य सचेतक अनिल देसाई ने बुलाई थी। इसमें तीन लोकसभा सांसद अरविंद सावंत, अनिल देसाई और राजभाऊ वाजे मौजूद थे। महत्वपूर्ण बैठक होने की वजह से राज्यसभा सदस्य होने के बावजूद उन्होंने बैठक में भाग लिया। उन्होंने कहा कि छह सांसदों की अनुपस्थिति को पार्टी के निदेशों का उल्लंघन माना जाएगा। उनके खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

सीबीएसई की तीन-भाषा नीति पर अंतरिम रोक लगाने से एससी का इनकार, 14 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

एजेंसी

नयी दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की नई तीन-भाषा नीति के क्रियान्वयन पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। यह नीति शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 9 के विद्यार्थियों के लिए लागू की जानी है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने इस मामले को पहले से लंबित समान याचिकाओं के साथ टैग कर दिया। सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट कहा कि इस मामले पर पहले भी विस्तृत बहस हो चुकी है, इसलिए फिलहाल किसी प्रकार की अंतरिम सुरक्षा या रोक का आदेश नहीं दिया जा सकता।

एनजीओ ने क्रियान्वयन पर उठाए सवाल

यह याचिका Friends of People for Active Democracy नामक गैर-सरकारी संगठन ने दायर की है। संगठन की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि वे तीन-भाषा नीति का विरोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि इसके क्रियान्वयन के तरीके को चुनौती दे रहे हैं। सुनवाई के दौरान पीठ ने संगठन के नाम को लेकर हल्के-फुल्के अंदाज में टिप्पणी करते हुए पूछा कि क्या ऐसा नाम अदालत या लोगों के मन में भय पैदा करने के लिए रखा गया है। इस पर वकील ने कहा कि यह 2013 में स्थापित एक पुराना ट्रस्ट है।

14 जुलाई को होगी अगली सुनवाई पीठ ने मामले को अन्य लंबित याचिकाओं के साथ जोड़ते हुए 14 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। इससे पहले 27 मई को सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई थी और केंद्र सरकार, सीबीएसई तथा एनसीईआरटी को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत जवाब दाखिल करने को कहा था। अदालत ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से यह भी पूछा था कि नई नीति लागू करने के लिए सीबीएसई की तैयारियां किस स्तर पर हैं और इस संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा था।

सीबीएसई द्वारा जारी हालिया सर्कुलर के अनुसार, 1 जुलाई 2026 से कक्षा 9 के विद्यार्थियों के लिए तीन भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य होगा। इनमें कम से कम दो भाषाएं भारतीय मूल की होना जरूरी होंगी। यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 के अनुरूप उठाया गया है। बोर्ड का कहना है कि माध्यमिक स्तर पर भाषा दक्षता और सांस्कृतिक समझ को मजबूत करने के लिए यह बदलाव किया जा रहा है। सीबीएसई के अनुसार, यदि कोई छात्र विदेशी भाषा पढ़ना चाहता है तो वह इसे केवल तीसरी भाषा के रूप में दो भारतीय भाषाओं का अध्ययन करने के बाद चुन सकता है।

टेलीग्राम नया डार्क वेब बनता जा रहा है, दिल्ली हाई कोर्ट में केंद्र का दावा

एजेंसी

नयी दिल्ली : दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को टेलीग्राम की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें मैसेजिंग ऐप ने 21 जून को होने वाली नीट-यूजी री-एग्जाम से पहले केंद्र सरकार द्वारा उस पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति तेजस करिया की अध्यक्षता वाली अवकाशकालीन पीठ ने टेलीग्राम की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ध्रुव मेहता तथा केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया।

सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों को शाम 7 बजे तक अपनी लिखित दलीलें जमा करने का

निर्देश दिया। पीठ केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ टेलीग्राम द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

कोर्ट ने टेलीग्राम के किया सवाल टेलीग्राम पर जारी विवाद के बीच दिल्ली हाई कोर्ट ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म से एक अहम सवाल पूछा है। अदालत जानना चाहती है कि परीक्षा के पेपर लीक जैसे संवेदनशील मामलों में अवैध सामग्री को तुरंत फैलने से रोकने के लिए टेलीग्राम के पास रियल-टाइम मॉनिटरिंग और निगरानी की क्या व्यवस्था है।

एक नजर

खनन विभाग ने बिना चालान के बालू लदा हाइवा किया जब्त

बड़कागांव : खनन विभाग हजारीबाग एवं पुलिस के संयुक्त छापामारी में बिना चालान के परिचालन कर रहे बालू लदा एक हाईवा को जप्त किया गया । खनन विभाग ने हजारीबाग रोड स्थित स्टेट बैंक के आगे कार्रवाई की है। कार्रवाई हेतु जप्त हाईवा को बड़कागांव थाना ले लाया गया है। सूत्रों द्वारा बताई गई की ,कई बालू लदा हाईवा धड़ले से चल रहे हैं जो एक चलान से दो – तीन ट्रिप कर रहे हैं। जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है । सरकार को इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। ताकि सरकार को मिल रही राजस्व चोरी को रोका जा सके । बताते चलें कि इन दिनों 10 जून से लेकर 15 अक्टूबर तक एनजीटी लागू है और किसी भी नदी से बालू का उत्खनन करना गैरकानूनी है।

बज्रपात लगने से पलांडू निवासी किसुन महतो की मौत, गांव में शोक

बड़कागांव : बड़कागांव थाना अंतर्गत तलसवार पंचायत के ग्राम पलांडू निवासी 50 वर्षीय किसुन महतो को बज्रपात (ठनका) लगने से मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी अनुसार मृतक किसुन महतो दोपहर के 3 :45 बजे अपने खेत में काम कर रहे थे। उसी दरमियान अचानक बिजली गर्जन एवं बारिश के साथ बज्रपात व ठनका लगने से किसुन महतो की मौके पर मौत हो गई। तब ग्रामीणों के सहयोग से मृतक को घटना स्थल से घर लाया गया। ग्रामीणों ने पोस्टमार्टम हेतु 108 एम्बुलेंस सेवा को सूचना दी जिसे पोस्टमार्टम हेतु हजारीबाग सदर अस्पताल भेज दिया गया है। किशुन महतो आपने पिछे एक पत्नी दो बेटा तीन बेटी को साथ ही भरा पुरा परिवार छोड़ गए इस परिवार में दु:खो का पहाड टुटा पड़ा ग्रामीण ने अपदा विभाग से मुआज की मांग समाजसेवी ईश्वर कुमार महतो, नारयण प्रसाद, अजय कुमार,विजय महतो कैलाश महतो ,सरजू महतो एंव ग्रामीणों ने मांग किया।

विषपान से एक व्यक्ति गंभीर, रेफर

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत दुलमहा निवासी प्रभु राम उम्र करीब 40 वर्ष पिता ईश्वर राम ने घरेलू विवाद के कारण विषपान कर किया, जिससे उसी स्थिति गंभीर हो गई। जानकारी मिलने पर स्थानीय लोग एवं ग्रामीणों के सहयोग से बरही अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसका इलाज आरोग्म अस्पताल में चल रहा है। हालात सामान्य है खतरे से बाहर है।

उद्योग विभाग एवं मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड की समीक्षा बैठक आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में उद्योग विभाग, मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड, जनजागरण मंच के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उद्योग विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई तथा जिले में संचालित लघु एवं कुटीर उद्योगों की गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की समीक्षा करते हुए योजना के अंतर्गत शामिल विभिन्न ट्रेड, उपलब्ध लाभों तथा ऋण प्राप्ति की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी पात्र कारीगरों का प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत पंजीकरण सुनिश्चित करने तथा आर्टिजंस कार्ड बनाने का निर्देश दिया। साथ ही अगले माह तक विशेष अभियान चलाकर अधिकाधिक पात्र लाभुकों का पंजीकरण एवं बैंक ऋण स्वीकृत कराने की कार्ययोजना पर कार्य करने को कहा। उपायुक्त ने सभी ब्लॉक कोऑर्डिनेटर को एक माह के भीतर न्यूनतम 20 आर्टिजंस कार्ड तैयार कराने का निर्देश दिया। चौपारण में संचालित ऊलेन मार्केट को प्रोत्साहित करने हेतु सहकारी समिति का गठन कर अध्यक्ष एवं सचिव का चयन करने तथा आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की बात कही। जिले के कारीगरों द्वारा निर्मित जूट उत्पाद, सोहराई कला, सिलाई-कढ़ाई, काष्ठ कला, बांस आधारित उत्पाद एवं अन्य हस्तशिल्प सामग्री के विपणन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आर्टिजंस मेले के आयोजन का निर्णय लिया गया। यह मेला 13 से 15 जुलाई 2026 तथा 05 से 07 अगस्त 2026 तक ओपन एम्फीथिएटर, झील परिसर, हजारीबाग में आयोजित किया जाएगा। मेले के माध्यम से कारीगरों को अपने उत्पादों एवं कलाकृतियों के प्रदर्शन तथा विपणन का अवसर प्राप्त होगा। साथ ही उत्पादकों एवं व्यापारियों के बीच समन्वय स्थापित कर हस्तशिल्प उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में उपायुक्त ने विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं को आवश्यकतानुसार सहयोग प्रदान करने की बात कही। उन्होंने कॉमन फैसिलिटी सेंटर की स्थापना हेतु उपयुक्त एवं प्राथमिकता वाले स्थलों का चयन करने तथा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के लंबित आवेदनों के शीघ्र निष्पादन के लिए बैंक प्रतिनिधियों को आवश्यक निर्देश दिए। पीएमएफएमई योजना के लंबित आवेदनों की स्वीकृति प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए जिला स्तर पर प्रशिक्षु आईएएस पूर्वा अग्रवाल को नोडल पदाधिकारी नामित किया गया है। सभी प्रखंड समन्वयकों को निर्देश दिया गया कि पूर्ण दस्तावेज वाले आवेदनों का बैंक से समन्वय स्थापित कर शीघ्र अनुमोदन सुनिश्चित करें।

खेत बचाओ अभियान के तहत चौपारण में किसान जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के तत्वावधान में संचालित खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत संतुलित उर्वरक उपयोग को लेकर प्रखंड की बच्छई पंचायत में गुरुवार को किसान जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पंचायत क्षेत्र के करीब 170 किसानों ने भाग लिया और वैज्ञानिकों से आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का आयोजन निदेशक डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव के संरक्षण एवं परिसर प्रभारी डॉ. एस.के. महंता के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का नेतृत्व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय बहादुर सिंह चौहान ने किया। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को खेत बचाओ अभियान, पोटाश सहित अन्य उर्वरकों के संतुलित प्रयोग, मिट्टी की जांच के आधार पर खाद के उपयोग, जैविक खाद की उपयोगिता, प्राकृतिक खेती और आधुनिक कृषि पद्धतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।वैज्ञानिकों ने किसानों को बताया कि संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करने से मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है और फसल उत्पादन में भी वृद्धि होती है। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ. विजय बहादुर सिंह चौहान, डॉ. आशा कुमारी, डॉ. ओम प्रकाश एवं तकनीशियन अरुण कुमार रजक ने किसानों को कृषि में नई तकनीकों को अपनाने, जैविक उर्वरकों के महत्व और मृदा स्वास्थ्य सुधार के उपायों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बच्छई पंचायत के मुखिया बीरेंद्र रजक, एफपीओ निदेशक दीपक कुमार एवं कैलाश साव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गरीबों की दुकान पर फिर चला नगर निगम का बुलडोजर, अस्पताल के बाहर हटाया गया अतिक्रमण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के मुख्य मार्ग पर एक बार फिर नगर निगम की ओर से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अस्पताल के पहले गेट से लेकर दूसरे गेट तक सड़क किनारे लगी कई अस्थायी दुकानों और ठेलों को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान जेसीबी और नगर निगम की टीम मौके पर मौजूद रही। इस कार्रवाई से उन दर्जनों दुकानदारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है, जो वर्षों से अस्पताल के आसपास छोटी-छोटी दुकानें लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। कई दुकानदारों ने बताया कि वे चाय, नाश्ता, फल, जूस और अन्य आवश्यक सामग्री बेचकर अपने घर का खर्च चलाते थे। अचानक हुई कार्रवाई के बाद उनके सामने आर्थिक परेशानी खड़ी हो गई है। दुकानदारों का कहना है कि अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को उनकी दुकानों से सुविधा मिलती थी। उनका आरोप है कि नगर निगम ने दुकानें हटाने से पहले उनके पुनर्वास या वैकल्पिक व्यवस्था पर कोई ठोस पहल नहीं की। दुकानदारों ने प्रशासन से मांग की है कि उनके लिए निर्धारित स्थान उपलब्ध कराया जाए ताकि वे अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकें। वहीं नगर निगम का कहना है कि अस्पताल के आसपास लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा था। मरीजों, एंबुलेंस और आम नागरिकों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कई बार चेतावनी और नोटिस दिए जाने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार अस्पताल जैसे संवेदनशील क्षेत्र में सड़क और फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त रखना आवश्यक है ताकि आपातकालीन सेवाओं और आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। फिलहाल नगर निगम की कार्रवाई के बाद अस्पताल के आसपास का क्षेत्र अतिक्रमण मुक्त दिखाई दे रहा है, लेकिन प्रभावित दुकानदारों के सामने भविष्य को लेकर चिंता बरकरार है।

एसआईआर को लेकर प्रखंड मुख्यालय में राजनीतिक दलों के साथ की गई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड सभागार भवन में अंचल अधिकारी मनोज कुमार की अध्यक्षता में एसआईआर को लेकर राजनीतिक भारतीय जनता पार्टी ,झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी , कांग्रेस पार्टी एवं राष्ट्रीय जनता दल पार्टी के कार्यकर्ता एवं सुपरवाइजर के साथ विशेष बैठक की गई। बैठक में सभी दलों के उपस्थित कार्यकताओं ने अपने-अपने स्तर से सुझाव दिया एवं उसे धरातल पर उतारने की सुझाव दी गई । वही बैठक में सोनबरसा मध्य विद्यालय में संचालित बूथ नंबर 117, 118 ,119 बूथ स्थल ,कोयला खनन में विद्यालय ध्वस्त हो बूथ बंद हो गया, जो अब यह बूथ एनटीपीसी आईटीआई कॉलेज ढेंगा में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। एसआईआर में छूटे हुए लोगों का नाम जोड़ना, मृतक का नाम हटाना, एवं 2003 मतदाता सूची से मैपिंग कर लोगों के लिए मतदाता सूची में लोगों को जोड़ना तथा अवैध रूप से दो-दो जगह मतदाता सूची में नाम को हटाने का विशेष कार्य होगा। अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि प्रखंड में 81.6% मैपिंग कार्य हो चुका है। 127 बीएलओ लगाए गए हैं, बड़कागांव विधानसभा में 109 से लेकर 235 नंबर बूथ संचालित है। 19 जून को कंप्यूटर ऑपरेटर लोगों की प्रशिक्षण है। वही 20 जून से लेकर 29 जून तक प्रशिक्षण कार्य में सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, बीएलओ एवं अन्य के लिए प्रशिक्षण कार्य कराया जाएगा। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से प्रमुख फुलवा देवी, अंचलाधिकारी मनोज कुमार, मध्य जिप सदस्य सुनीता देवी, पश्चिम यासमीन निशा, झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष सह झारखंड श्रमिक संघ के जिला अध्यक्ष संजय सिंह, सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, पंसस उपेंद्र प्रसाद,भाजपा मंडल अध्यक्ष शिबू कुमार उर्फ शिव शंकर, ज्ञानचंद कुमार, कांग्रेस नेता बाबर हुसैन, राजद प्रखंड अध्यक्ष चुरामन गोप, हेमंत भुईंया, कल्याण पदाधिकारी पंकज कुमार, शशि कुमार, कर्मचारी मनीष पाठक नंदकिशोर राम, मुखिया छक्कन बेदिया, इंदु कुमारी, बेबी कुमारी, किरण कुमारी, राजकुमार साहू, मोहम्मद सफीउल्लाह, मोहम्मद मुजफ्फर ,मोहम्मद मुख्तार, धीरज कुमार सिंह के अलावा कई लोग उपस्थित थे।

सियरकोनी में ऑटो की टक्कर से युवक की मौत

चौपारण : थाना क्षेत्र के सियरकोनी स्थित सीएम होटल के समीप बुधवार को एनएच-19 पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। एक अज्ञात ऑटो की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान चौपारण थाना क्षेत्र के रतवातरी गांव निवासी रविनाथ मुंडा के रूप में हुई है। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने तत्काल इसकी सूचना चौपारण थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पंकज कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बरही भेज दिया। वहीं घायल युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक बाइक से चौपारण की ओर जा रहे थे।

सांसद मनीष जायसवाल का तूफानी दौरा, ग्रामीण चौपालों में सुनीं समस्याएं, कई का मौके पर समाधान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

टाटीझरिया : भाजपा संगठन के शीर्ष नेतृत्व के निदेर्शानुसार हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल इन दिनों अपने क्षेत्र के सघन प्रवास पर हैं। लगातार तीसरे दिन अपने प्रवास कार्यक्रम के तहत सांसद जायसवाल ने मांडू विधानसभा क्षेत्र के टाटीझरिया और विष्णुगढ़ प्रखंड के विभिन्न गांवों का तूफानी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण चौपालों के जरिए प्रबुद्धजनों और स्थानीय जनता से सीधा संवाद स्थापित किया। दौरे की शुरूआत में टाटीझरिया प्रखंड के सत्रह माइल चौक पर पहुंचने पर स्थानीय भाजपा कार्यकताओं ने सांसद मनीष जायसवाल का फूल-मालाओं के साथ आत्मीय और जोरदार स्वागत कर उनका हौसला बढ़ाया । सांसद मनीष जायसवाल ने टाटीझरिया प्रखंड अंतर्गत डहरभंगा पंचायत के विभिन्न गांवों में गोधिया, घुघुलिया, केसडा, बौधा और छोटा डहरभंगा और टाटीझरिया का सघन दौरा किया। गोधिया गांव में श्रीराम मंदिर के समीप ग्रामीणों से बातचीत के दौरान स्थानीय लोगों ने तालाब, सड़क और मंदिर के लिए प्रतिमा से जुड़ी समस्याएं रखीं, जिसपर सांसद ने जल्द समाधान का भरोसा दिया। छोटा डहरभंगा में सांसद मनीष जायसवाल ने विशिष्ट भाजपा नेत्री गोमदी देवी से खास मुलाकात की और क्षेत्र के विकास पर चर्चा की। इसके बाद टाटीझरिया के शिव मंदिर परिसर में भी भारी संख्या में जुटे लोगों के साथ सांसद ने जनसंवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। कई मामलों में सांसद मनीष जायसवाल ने त्वरित पहल करते हुए ऑन द स्पॉट निराकरण किया तो कई समस्याओं के समाधान का भरोसा जताया। दौरे के दौरान डूमर ग्राम पंचायत के निवासी और सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी रामेश्वर पांडेय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और भाजपा के कार्यों से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। टाटीझरिया शिव मंदिर प्रांगण में सांसद मनीष जायसवाल ने उन्हें भाजपा का पट्टा और फूल-माला पहनाकर पार्टी में उनका स्वागत किया और इसे अपना सौभाग्य बताया। सांसद मनीष जायसवाल ने जनता को संबोधित करते हुए कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साल 2014 से 2026 तक के 12 वर्षों का लंबा कार्यकाल देश के लिए अभूतपूर्व बदलाव, विकास और जनकल्याण का काल रहा है। शीर्ष नेतृत्व के निदेर्शानुसार मैं क्षेत्र की जनता के बीच जाकर पीएम मोदी के इस 12 साल के 'विश्वास और विकास' के कार्यों का लेखा-जोखा रख रहा हूँ। जनता का जो स्नेह और आशीर्वाद मिल रहा है, वह यह साफ दशार्ता है कि लोगों का भरोसा भाजपा पर अडिग है। क्षेत्रवासियों की समस्याओं का समाधान मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

हजारीबाग में ईवीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश

हजारीबाग : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त हेमन्त सती ने गुरुवार कोलघट्टी स्थित ईवीएम वेयरहाउस का राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी तथा अभिलेख संधारण की स्थिति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने, सीसीटीवी कैमरों की सतत कार्यशीलता सुनिश्चित करने, रिकॉर्डिंग का नियमित बैकअप लेने तथा निरीक्षण रजिस्टर का अद्यतन संधारण करने का निर्देश दिया। उन्होंने वेयरहाउस में अनाधिकृत प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध एवं सुरक्षा व्यवस्था की नियमित समीक्षा करने पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों में निशार खान, ऋषि शर्मा, सुनील कुमार शर्मा, शुभम कुमार राणा, गणेश कुमार सीटू एवं शशि कुमार सिंह उपस्थित रहे। साथ ही कनीय अभियंता, भवन प्रमंडल तथा निर्वाचन विभाग के अजय कुमार, दीपक दास सहित अन्य संबंधित कर्मी भी मौजूद थे।

विद्युत विभाग कार्यालय में विद्युत विपत्र शिकायतें निवारण शिविर का हुआ आयोजन

बरही : बरही विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से गुरुवार को बरही विद्युत विभाग कार्यालय परिसर में विद्युत विपत्र शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतों, विद्युत विपत्र (बिजली बिल) में विसंगतियों तथा मोबाइल नंबर अपडेट कराने से जुड़े अनुरोधों का निपटारा किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे उपभोक्ताओं ने बढ़े हुए बिजली बिल को लेकर अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। कई उपभोक्ताओं ने बिल में आई अनियमितताओं की जांच कर उचित सुधार की मांग की। विभागीयअधिकारियों ने प्राप्त आवेदनों पर सुनवाई करते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया, वहीं कुछ मामलों का त्वरित निष्पादन भी किया गया। इस अवसर पर बरही विद्युत विभाग के एसडीओ सौरभ लिंडा ने कहा कि ऐसे शिविरों का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान करना है। उन्होंने बताया कि विभाग उपभोक्ताओं की शिकायतों के निवारण के लिए लगातार प्रयासरत है और भविष्य में भी इस प्रकार के शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। शिविर में हजारीबाग के एक्सक्यूटिव क्षेत्रमोहन, बरही जेई अभिषेक आनंद, हरिद्वार मिश्रा, राजेश पांडेय, दिलशाद आलम, रमेश कुमार, दीपक राणा सहित विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

लखना उर्दू विद्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 43 लोगों की हुई स्वास्थ्य जांच

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत लखना उर्दू विद्यालय परिसर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यक परामर्श एवं दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सकों ने लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, नियमित जांच कराने तथा संतुलित आहार अपनाने की सलाह दी।

शिविर के दौरान कुल 43 मरीजों का ओपीडी पंजीकरण किया गया, जिनमें 13 पुरुष एवं 30 महिलाएं शामिल थीं। स्वास्थ्य जांच के तहत 36 लोगों का एक्स–रे किया गया, जबकि एक मरीज का स्पुटम (कफ) सैंपल संग्रह किया गया। वहीं 24 मरीजों को एम–डी (मेडिसिन वितरण) का लाभ दिया गया। चिकित्सकीय टीम द्वारा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण के साथ–साथ विभिन्न बीमारियों की जांच भी की गई। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाते हुए चिकित्सकों से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की। मौके पर डॉ. अंकुर विहान, बिजेंद्र कुमार, श्रेया रंजन, सुमन बिश्वाश, सलेन्द्र कुमार, सूरज कुमार, माया देवी, बबिता देवी, फूल देवी, बिना देवी, सरस्वती देवी एवं मालती देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे। स्वास्थ्य शिविर के सफल आयोजन पर विद्यालय प्रबंधन एवं स्थानीय ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की मांग की।

संजय करमाली को झामुमो का जिला उपाध्यक्ष किया गया मनोनीत

बड़कागांव : झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बेदिया ने युवा नेता संजय करमाली को झारखंड मुक्ति मोर्चा हजारीबाग जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। इस दौरान संजीव कुमार बेदिया,सोनाराम मांझी संजय सिंह यासीन खान ने गुलदस्ता एवं माला पहनकर स्वागत किया। वहीं श्री बेदिया ने कहा संजय करमाली को जिला उपाध्यक्ष बनने से झारखंड मुक्ति मोर्चा का संगठन मजबूत होगा। आगे बढ़ेगा ।सोनाराम राम मांझी ने कहा जिला उपाध्यक्ष मनोनीत करने से बड़कागांव पूर्वी में झारखंड मुक्ति मोर्चा जनाधार एवं संगठन मजबूत होगा। संजय सिंह ने कहा करमाली को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत हेने से बडकागांव प्रखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा का कमेटी मजबूत और सशक्त होगा मौके पर उपस्थित झामुमो केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य सह जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बेदिया झामुमो केंद्रीय सदस्य सोनाराम मांझी झामुमो अध्यक्ष सह झारखंड श्रमिक संघ जिला अध्यक्ष संजय सिंह झामुमो केंद्रीय सदस्य यासीन खान शंकर साव,दीपक महतो, राजू करमाली,अजय करमाली, रंजीत करमाली,संतोष महतो, सूरज बेसरा, राहुल दुबे,मनोज सोरेन,रविंद्र बैठा, उमेश करमाली, प्रीतम करमाली, मोती यादव मिसिर सोरेन , अजीत सोरेन इत्यादि लोग उपस्थित थे।

एक नजर

झारखंड में बारिश नहीं होने से बढ़ा सामान्य से 5.9 डिग्री तापमान

रांची : राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में मानसून की बारिश नहीं होने से तापमान में बढ़ोतरी हुई है। राज्य में सबसे अधिक औसत तापमान चाईबासा में 5.9 डिग्री रिकार्ड किया गया। इसके अलावा डाल्टनगंज में तापमान सामान्य से 5.5 डिग्री और राजधानी रांची में 2.5 डिग्री अधिक तापमान दर्ज किया गया। गर्मी के साथ ही उमस भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान सबसे अधिक उमस बोकारो थर्मल में 79 प्रतिशत दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 42.4 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 20.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से आंशिक बादल छाए रहे लेकिन दोपहर बाद काले घने बादल छाए रहे। वहीं, गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम 25.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 39 डिग्री और न्यूनतम 28.8 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 42.4 और न्यूनतम 28.7 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 40.5 डिग्री और न्यूनतम 28.1 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

एचईसी यूनियन की सभा में मजदूरों की समस्याओं पर हुई चर्चा

रांची : एचईसी में मान्यता प्राप्त यूनियनों हटिया मजदूर यूनियन सीटू और हटिया मजदूर लोक मंच की संयुक्त सभा गुरुवार को आयोजित हुई। इस दौरान एचईसी के मजदूर-कर्मियों की समस्याओं पर चर्चा किया गया। इस अवसर पर सभा की अध्यक्षता करते हुए हरेंद्र प्रसाद यादव ने स्थायी और सप्लाई मजदूरों की समस्याओं, मांगों और कार्यस्थल से जुड़ी परेशानियों को विस्तार से रखा। यूनियन अध्यक्ष भवन सिंह ने कहा कि मजदूरों की राय के आधार पर मांगपत्र तैयार किया जाएगा और आम सहमति के बाद इसे प्रबंधन को सौंपा जाएगा। भवन सिंह ने कहा कि पूर्व के संघर्षों के दौरान सप्लाई मजदूरों को जो सुविधाएं और अधिकार मिले थे, उन्हें पुन: बहाल कराना यूनियन की पहली प्राथमिकता होगी। स्थायी और सप्लाई मजदूरों की पदोन्नति, केंद्रीय वेतनमान सहित अन्य मांगों को भी मांगपत्र में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन मुद्दों को लेकर यूनियन पहले ही प्रबंधन को पत्र दे चुकी है। एचईसी की बंदी की चचाओं पर उन्होंने मजदूरों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और उत्पादन कार्य में जुटे रहने की अपील की। यूनियनों ने मजदूरों से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि एकता के बल पर सभी जायज मांगों को हासिल किया जाएगा। सभा में प्रबंधन से कटौती की गई सुविधाएं बहाल करने की भी मांग की गई।

चंद्रवंशी महासभा का राष्ट्रीय सम्मेलन 18-19 जुलाई को रांची में होगा आयोजित

रांची : अखिल भारतीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा का वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन 18 एवं 19 जुलाई को रांची में आयोजित किया जाएगा। यह दो दिवसीय सम्मेलन हरमू रोड स्थित सहजानंद चौक के समीप स्वागतम बैंक्विट हॉल में होगा, जिसमें देशभर से चंद्रवंशी समाज के प्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल होंगे। यह जानकारी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक आजाद ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में राष्ट्रीय समिति, राष्ट्रीय उपसमिति, विभिन्न प्रांतीय समितियों, जिला समितियों तथा उनकी उपसमितियों के पदाधिकारी एवं सदस्य भाग लेंगे। देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों के रांची पहुंचने की संभावना है।

राजद और भाकपा ने पैसे लेकर की वोटिंग : के राजू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड कांग्रेस प्रभारी के राजू ने कहा है कि राज्यडसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और वामदल ने धोखा दिया है। उन्होंने गुरुवार को झारखंड विधानसभा परसिर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राजद और वामदल के विधायकों ने पैसा लेकर एनडीए समर्थित प्रत्याशी के पक्ष में वोटिंग की है। के राजू ने कहा कि प्रणव झा को कांग्रेस के सभी 16 विधायकों का वोट मिला। इस परिणाम का सरकार की सेहत पर असर को लेकर के राजू ने कहा कि भविष्य में इस विषय को देखा जाएगा। साथ ही कहा कि सरकार में रहने को लेकर समीक्षा की जाएगी।

झामुमो का मिला पर्याप्त सहयोग : दीपिका

वहीं मौके पर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने भी कहा है कि राजद और वामदल के विधायकों के क्रॉस वोटिंग करने की आशंका है। उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश प्रभारी ने ऐसा बयान दिया, तो सही कहा होगा। दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि कांग्रेस के सभी विधायक एकजुट थे। झामुमो का पर्याप्त सहयोग मिला। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 04 मत का वादा किया था और वह हमें मिला है। दीपिका पांडेय सिंह ने दावा किया कि झामुमो के विधायकों के द्वितीय प्राथमिकता का वोट भी कांग्रेस को मिला। दीपिका पांडेय सिंह चुनाव परिणाम का असर सरकार पर पडने के सवाल पर कहा कि यह कहना जल्दीबाजी होगी, लेकिन मंथन तो होगा। उन्होंने कहा कि सारी रिपोर्ट शीर्ष नेतृत्व को सौंपी जाएगी और इसकी समीक्षा होगी। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने भी के राजू के बयान पर कहा कि पार्टी प्रभारी ने अपने स्त्रोत के हिसाब से बयान दिया होगा। उन्होंने कहा कि वे किसी जल्दीबाजी में कोई बात नहीं कहना चाहते। वे पहले आश्वस्त होना चाहेंगे। हालांकि उन्होंने कहा कि सरकार में शामिल रहना है कि नहीं, इसकी समीक्षा जरूर होगी। उल्लेखनीय है कि इंडिया गठबंधन के पास स्वाभाविक रूप से 56 विधायकों का समर्थन था। झारखंड मुक्ति मोर्चा के 34, कांग्रेस के 16, राजद के 04 और वामदल के 02 विधायक थे। झामुमो ने दावा किया था कि उनके पास 61 विधायकों का समर्थन है। कांग्रेस पार्टी भी प्रणव झा की जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रही थी। हालांकि, परिणाम कांग्रेस के लिए चौंकाने वाला रहा।

हार से बौखलाई कांग्रेस दूसरों पर मढ़ रही टीकरा : माले

रांची : झारखंड राज्यसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद महागठबंधन के भीतर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। कांग्रेस प्रभारी के. राजू द्वारा राजद और माले पर धोखा देने के लगाए गए आरोपों पर माले विधायक अरूप चटर्जी ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कांग्रेस के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए कहा कि अपनी हार की जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय कांग्रेस दूसरे दलों पर दोष मढ़ने का प्रयास कर रही है। अरूप चटर्जी ने कहा कि माले के दोनों विधायकों ने कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा के पक्ष में मतदान किया है। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी ने गठबंधन धर्म का पूरी तरह पालन किया और अंत तक महागठबंधन के उम्मीदवार का समर्थन किया। ऐसे में माले पर आरोप लगाना कांग्रेस की हताशा को दर्शाता है उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस की पुरानी आदत रही है। जब भी चुनावी हार मिलती है तो वह आत्ममंथन करने के बजाय सहयोगी दलों को जिम्मेदार ठहराने लगती है। कांग्रेस नेताओं को पहले अपने घर के भीतर झांकना चाहिए। संभव है कि उनके ही कुछ विधायकों ने उम्मीदवार का साथ नहीं दिया हो। माले विधायक ने कांग्रेस संगठन और नेतृत्व पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपने ही विधायकों पर भरोसा नहीं था, इसलिए उन्हें होटल में रखकर निगरानी करनी पड़ी। इसके बावजूद यदि पार्टी उम्मीदवार को अपेक्षित समर्थन नहीं मिला तो इसकी जिम्मेदारी कांग्रेस नेतृत्व को लेनी चाहिए।

चार बच्चों के सिर से उठा मां का साया पत्नी की हत्या के आरोप में पति गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के मोरहाबादी इलाके के सिन्दवार टोली में एक महिला की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतका की पहचान 30 वर्षीय बेली मुंडा के रूप में हुई है। वहीं रांची पुलिस ने हत्या के आरोप में महिला के पति पवन मुंडा को गिरफ्तार कर लिया है। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हत्याकांड की जांच शुरू कर दी है। शुरूआती जांच में महिला की हत्या के पीछे उसके पति की संलिप्तता सामने आने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति पवन मुंडा को बस्ती से ही धर दबोचा। मृतका बेली मुंडा अपने पीछे चार बच्चों को छोड़ गई हैं। उनका सबसे बड़ा बेटा 14 वर्ष का है। मां की मौत के बाद बच्चों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आरोपी पति से पूछताछ कर रही है। लेकिन इस हत्या के पीछे के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस हर एक पहलु को ध्यान में रखकर मामले की जांच में जुट गयी है। इस दर्दनाक घटना के बाद उनके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

झारखंड कृषि व्यापार मेला : कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पदाधिकारी हुए सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड कृषि व्यापार मेला का गुरुवार को समापन हो गया. समारोह में राज्य के कृषि क्षेत्र की उपलब्धियों, नवाचारों और विकास कार्यों को बढ़ावा दिया गया। इस दौरान वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, कृषि विशेषज्ञ, किसान प्रतिनिधि और विभिन्न विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे। समापन समारोह में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव अबूबकर सिद्दीक पी (आईएएस) ने कहा कि कृषि क्षेत्र में हो रहे विकास, आधुनिक तकनीकों के उपयोग के बारे में बारिकी से बताए गए। किसानों को लाभ पहुंचाने वाली विभिन्न योजनाओं पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने पर काम कर रही है। कृषि को अधिक सशक्त बनाने के लिए लगातार कोशिश किए जा रहे है। कार्यक्रम में कृषि, पशुपालन, सहकारिता, मत्स्य पालन, उद्यान एवं डेयरी विकास क्षेत्रों में योगदान देने वाले अधिकारियों और विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने सतत कृषि विकास, संसाधनों के बेहतर उपयोग और किसानों को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया। समेती के निदेशक ने नागपुरी गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को झारखंड की लोक गीतों से सबको आकर्षित किया इसके अलावा मेले के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं और कृषि नवाचार श्रेणियों के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसानों, उद्यमियों और संस्थानों को सम्मानित कर उनके प्रयासों की सराहना की गई।

योग कार्यशाला में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी स्वास्थ्य और संतुलित जीवन पर दिया गया जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व जनजागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को हरमू रोड स्थित डैन्सपिरेशन स्टूडियोज में एक दिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला डैन्सपिरेशन स्टूडियोज और बंका मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बंका मेमोरियल ट्रस्ट के ट्रस्टी दीपक बंका ने कहा कि आज की आधुनिक और भागदौड़ भरी जीवनशैली में बढ़ता मानसिक तनाव योग को अत्यंत आवश्यक बनाता है। उन्होंने कहा कि योग शारीरिक और मानसिक संतुलन बनाए रखने का प्रभावी माध्यम है। नियमित योगाभ्यास से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिलता है। कार्यशाला में प्रतिभागी महिलाओं को पर्वतासन, भुजंगासन, वीरभद्रासन, बालासन और ताड़ासन सहित विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण का संचालन डैन्सपिरेशन स्टूडियोज के निदेशक अभिषेक कुमार, कविता कुमारी तथा मुख्य प्रशिक्षक खुशी कुमारी और अनूप कुमार की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में बंका मेमोरियल ट्रस्ट के ट्रस्टी दीपक बंका, दीप कूट्योर बुटीक की संचालिका दीपा बंका, डैन्सपिरेशन स्टूडियोज के निदेशक अभिषेक कुमार, कविता कुमारी, आशुतोष द्विवेदी, अमित कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

रांची से बेंगलुरु-हैदराबाद के लिए जल्द मिल सकती है नई ट्रेन की सौगात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची से दक्षिण भारत की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए जल्द बड़ी राहत मिलने की संभावना है। रेलवे ने रांची से बेंगलुरु और हैदराबाद के लिए नई ट्रेनों के संचालन का प्रस्ताव तैयार कर रेलवे बोर्ड को भेज दिया है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद अगले एक महीने के भीतर दोनों ट्रेनों का परिचालन शुरू हो सकता है। रांची रेल मंडल की सीनियर डीसीएम श्रेया सिंह ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि दक्षिण भारत जाने वाली ट्रेनों में लगातार बढ़ रही भीड़ और लंबी वेटिंग सूची को देखते हुए यह पहल की गई है। नई ट्रेनों के शुरू होने से यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलने में आसानी होगी और हवाई यात्रा के महंगे विकल्प पर निर्भरता भी कम होगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, बेंगलुरु रेलखंड पर चल रहे आवश्यक विकास कार्यों के पूरा होने के बाद नई ट्रेन चलाने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। प्रस्तावित रांची-बेंगलुरु ट्रेन बरकाकाना, गया, जबलपुर, नागपुर, काजीपेट और धर्मावरम होते हुए बेंगलुरु पहुंचेगी। इससे झारखंड के यात्रियों को दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों तक सीधी और सुविधाजनक रेल सेवा उपलब्ध होगी। इसके अलावा रांची से हैदराबाद के लिए भी नई ट्रेन चलाने की योजना बनाई गई है। दोनों ट्रेनों को सप्ताह में चार-चार दिन संचालित करने का प्रस्ताव है। इससे छात्रों, नौकरीपेशा लोगों, व्यवसायियों और दक्षिण भारत में रहने वाले झारखंड के लोगों को सुविधा होगी।

झारखंड हाई कोर्ट ने पुल-पुलियों के गिरने के मामले में ग्रामीण विकास विभाग के सचिव से मांगा विस्तृत शपथ पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा निर्मित पुल-पुलियों के गिरने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं किए जाने से संबंधित जनहित याचिका पर गुरुवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने की। जनहित याचिका दायर करने वाले पंकज कुमार यादव ने आरोप लगाया है कि ग्रामीण विकास विभाग की ओर से राज्य में निर्मित कई पुल-पुलियां ध्वस्त हो चुकी हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों और एजेंसियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। सुनवाई के दौरान अदालत ने ग्रामीण विकास विभाग के सचिव द्वारा निर्धारित समय पर शपथ पत्र दाखिल नहीं किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई। खंडपीठ ने विभागीय सचिव को अगली सुनवाई तक विस्तृत शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने पूछा है कि राज्य में विभाग की ओर से बनाए गए कितने पुल और पुलियां गिरी हैं, इन मामलों में किन अधिकारियों या एजेंसियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की गई है तथा आरोपितों पर क्या दंडात्मक कदम उठाए गए हैं। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 2 जुलाई को निर्धारित की है। इस दौरान सचिव ग्रामीण विकास विभाग को सभी आवश्यक तथ्यों और कार्रवाई का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करना होगा। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस बात पर भी असंतोष व्यक्त किया कि उसके पूर्व आदेश के बावजूद विभागीय सचिव की ओर से शपथ पत्र दाखिल नहीं किया गया और उनकी जगह मुख्य अभियंता ने शपथ पत्र प्रस्तुत किया। इस पर खंडपीठ ने मौखिक टिप्पणी करते हुए पूछा कि क्या विभागीय सचिव को अदालत के आदेश की जानकारी नहीं थी। अदालत ने कहा कि फरवरी 2026 में पारित आदेश में स्पष्ट रूप से ग्रामीण विकास विभाग के सचिव से जवाब तलब किया गया था। ऐसे में सचिव की बजाय मुख्य अभियंता द्वारा शपथ पत्र दाखिल किया जाना न्यायालय के आदेश की अवहेलना माना जा सकता है। खंडपीठ ने यह भी टिप्पणी की कि यह मामला अवमानना की श्रेणी में भी आ सकता है। उल्लेखनीय है कि राज्य में हाल के वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में पुल-पुलियों के क्षतिग्रस्त होने और निर्माण गुणवत्ता पर सवाल उठते रहे हैं। इसी संदर्भ में दायर जनहित याचिका पर उच्च न्यायालय गंभीरता से सुनवाई कर रहा है। अब सभी की निगाहें 2 जुलाई को होने वाली अगली सुनवाई और ग्रामीण विकास विभाग की ओर से प्रस्तुत किए जाने वाले विस्तृत जवाब पर टिकी हैं।

संक्षिप्त खबरें

सिल्ली में विधिक जागरूकता का महाअभियान 'प्रोजेक्ट तृप्ति' की दी गई जानकारी

सिल्ली : न्यायमूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश पर एवं माननीय सदस्य सचिव झालसा, कुमारी रंजना अस्थाना एवं माननीय न्यायायुक्त, रांची अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में तथा डालसा सचिव राकेश रौशन की मौजुदगी में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन होना सुनिश्चित हुआ है। इसी आलोक में गुरुवार को सिल्ली के राधिका मैदान में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डिप्टी एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा, पीएलवी गणेश कुमार, ब्रजेश कुमार महतो, सुनील कुमार महतो, कौशल्या देवी, शंकर महतो, बंशीधर घटवार, पंकज महतो, राजकुमार, चालक राजा वर्मा समेत अन्य लोग उपस्थित थे। डिप्टी एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा ने उपस्थित लोगों को माननीय झालसा द्वारा संचालित योजना तृप्ति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट तृप्ति मुख्य रूप से झारखंड में भूख को मिटाने, भुखमरी से होने वाली मौतों को रोकने और मानव तस्करी से मुक्त कराए गए पीड़ितों के पुनर्वास के लिए संचालित एक अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण कानूनी कल्याणकारी योजना है। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शुरू की गई इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े असहाय, गरीब, आदिम जनजातियों और तस्करी के पीड़ितों को न्याय व सम्मानजनक जीवन दिलाना है। उन्होंने कहा कि भारत में खाद्य सुरक्षा कानून होने के बावजूद, कई सुदूरवर्ती और आदिवासी क्षेत्रों में जागरूकता की कमी के कारण लोग भुखमरी और कुपोषण का शिकार हो जाते हैं। इसी समस्या को दूर करने के लिए झालसा ने प्रोजेक्ट तृप्ति की यह प्रोजेक्ट विशेष रूप से मानव तस्करी के जाल से छुड़ाए गए बच्चों और महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उनके पुनर्वास के लिए काम करता है। बाल विवाह, बाल श्रम, सड़क दुर्घटना, घरेलू हिंसा, पेशा अधिनियम, लोक अदालत तथा राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। यह भी ज्ञात हो कि डालसा के पीएलवी ने आगामी 12 सितम्बर को आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत पर फोकस किये और कहा कि उक्त तिथि को वादकारी अपने वादों का निस्तारण नि:शुल्क करा सकते हैं।

फ्रांस पहुंचीं झारखंड की साइकिलिस्ट सरिता यूरोपियन सर्किट में दिखाएंगी दम

रांची : झारखंड की उभरती साइकिलिस्ट सरिता कुमारी वर्ल्ड स्पोर्ट्स एक्सपोजर टूर के तहत भारतीय टीम के साथ फ्रांस के हैयेरपहुंच गई हैं। झारखंड साइकलिंग एसोसिएशन ने इसे राज्य के खेल जगत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए संघ के महासचिव शैलेंद्र पाठक ने बताया कि सरिता कुमारी को वर्ल्ड स्पोर्ट्स एक्सपोजर टूर के दौरान उन्हें एक माह तक यूरोपियन सर्किट में आयोजित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय साइकिलिंग प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा। इससे उन्हें विश्वस्तरीय खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और तकनीकी अनुभव हासिल करने का मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि सरिता अपने साथ झारखंड सरकार के खेल विभाग की ओर से उपलब्ध कराई गई साइकिल भी फ्रांस लेकर गई हैं। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि इस दौरे से उनके प्रदर्शन में और निखार आएगा और भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए उनकी तैयारी मजबूत होगी। भारतीय टीम में सरिता के चयन पर झारखंड साइकलिंग एसोसिएशन के पदाधिकारियों, सदस्यों और साथी खिलाड़ियों ने खुशी जताई है। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि सरिता आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रमुख प्रतियोगिताओं में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए देश और झारखंड का नाम रोशन करेंगी।

सीए की फाइनल परीक्षा में रांची केंद्र से दोनों ग्रुप में 14 छात्र सफल, प्रखर आर्यन ने किया टॉप

रांची : दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की ओर से मई-2026 में आयोजित चार्टर्ड अकाउंटेंसी (फाइनल) परीक्षा का परिणाम गुरुवार को घोषित कर दिया गया। देश और विदेश के कुल 544 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस प्रतिष्ठित परीक्षा में प्रथम ग्रुप में 12 प्रतिशत, द्वितीय ग्रुप में 20.49 प्रतिशत और दोनों ग्रुप में सम्मिलित परीक्षार्थियों में से 14.07 प्रतिशत छात्र सफल घोषित हुए हैं। अखिल भारतीय स्तर पर पटियाला के नूर सिंगला ने 600 अंकों में से 499 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं हावड़ा के ऋतिज सर्राफ ने 475 अंक प्राप्त कर द्वितीय और मुंबई के डोम्बिवली (ईस्ट) के सोहन अनिल मांजरेकर ने 473 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया है। घोषित परिणाम के अनुसार रांची परीक्षा केंद्र के विद्यार्थियों का प्रदर्शन भी बेहद सराहनीय रहा। रांची केंद्र से दोनों ग्रुप में सम्मिलित कुल 89 परीक्षार्थियों में से 14 छात्र दोनों ग्रुप में और 10 छात्र द्वितीय ग्रुप में सफल हुए हैं। इसके अलावा केवल प्रथम ग्रुप में सम्मिलित 117 छात्रों में से 07 और केवल द्वितीय ग्रुप में सम्मिलित 60 छात्रों में से 13 छात्रों ने सफलता प्राप्त की है। रांची परीक्षा केंद्र में प्रखर आर्यन ने 389 अंक प्राप्त कर टॉप किया है, जबकि आस्था मिमानी ने 372 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान, कृष जायसवाल ने 370 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान, विशेष गखर ने 342 अंक प्राप्त कर चतुर्थ स्थान और विशेष जैन ने 330 अंक प्राप्त कर पंचम स्थान प्राप्त किया है। इस अवसर पर आईसीएआई रांची शाखा के अध्यक्ष सीए अनीश जैन और रांची शाखा के सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए हरेन्दर भारती ने सफल अभ्यर्थियों को बधाई दी है। उन्होंने संयुक्तय रूप से कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) की परीक्षा देश की सबसे चुनौतीपूर्ण व्यावसायिक परीक्षाओं में से एक है। इस सफलता के पीछे विद्यार्थियों का कठिन परिश्रम, अनुशासन, समर्पण और निरंतर प्रयास निहित है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगी, बल्कि समाज एवं राष्ट्र के आर्थिक विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का आधार भी बनेगी। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को उनके व्यावसायिक जीवन के लिए बधाई दी है। वहीं आईसीएआई के अध्यक्ष सीए प्रसन्ना कुमार डी ने सभी नव-उत्तीर्ण चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को बधाई देते हुए कहा कि सफलता का राज आपके अंदर ही छिपा है। उन्होंने कहा कि छात्रों की कड़ी मेहनत, सफल होने के पक्के इरादे, मुश्किलों का सामना करने की हिम्मत और हमेशा प्रेरित रहने की क्षमता से वे सफल हुए हैं। लगातार सीखते रहने का छात्रों का जज्बा जीवन में और भी बड़ी उपलब्धियों का रास्ता खोलेगा।

पीवीयूएनएल कॉपर वायर चोरी कांड का खुलासा पतरातु पुलिस ने तीन आरोपियों को दबोचा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पतरातु : औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को चुनौती देने वाले अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पतरातु पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। पीवीयूएनएल प्लांट से कॉपर वायर चोरी मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय चोरी गिरोहों के बीच हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, दिनांक 05 फरवरी 2026 को पीवीयूएनएल प्लांट परिसर से कॉपर वायर चोरी किए जाने के आरोप में पतरातु थाना कांड संख्या-33/26 दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। तकनीकी अनुसंधान एवं गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों में रोहेल अंसारी उर्फ टीपू (28 वर्ष), पिता दिलावर हुसैन, निवासी रोचाप, थाना पतरातु, जिला रामगढ़; मेराज अंसारी (24 वर्ष), पिता अख्तर अंसारी, निवासी रोचाप, थाना पतरातु, जिला रामगढ़ तथा अलाउद्दीन अंसारी उर्फ लादेन (30 वर्ष), पिता सलीम अंसारी, निवासी जयनगर मुस्लिम टोला, थाना पतरातु, जिला रामगढ़ शामिल हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार मामले में उपलब्ध साक्ष्यों, तकनीकी तथ्यों और जांच के दौरान प्राप्त जानकारियों के आधार पर तीनों अभियुक्तों की संलिप्तता सामने आई। आवश्यक पूछताछ एवं कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पतरातु पुलिस ने स्पष्ट किया है कि औद्योगिक क्षेत्रों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चोरी, लूट और संगठित अपराध में शामिल तत्वों के खिलाफ आगे भी सघन अभियान जारी रहेगा, ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

गोला पुलिस की बड़ी कामयाबी, दो अलग-अलग मामलों में दो गिरफ्तार

रामगढ़ : अपराध और अपराधियों के खिलाफ लगातार चलाए जा रहे अभियान के तहत गोला थाना पुलिस को दो अलग-अलग मामलों में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस ने चर्चित लूट कांड के मुख्य षड्यंत्रकर्ता सहित मारपीट मामले के एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों के बीच हड़कंप मच गया है। गोला थाना क्षेत्र के ग्राम तोयर स्थित भेड़ा पुल के समीप हथियार के बल पर सोना-चांदी के जेवरात लूटे जाने की घटना में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य षड्यंत्रकर्ता दीपक कुमार स्वर्णकार को गिरफ्तार किया है। आरोपी का स्थायी पता अग्रवाल मोहल्ला, गोला तथा वर्तमान पता मटवारी, इमली चौक, हजारीबाग बताया गया है। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। गोला थाना कांड संख्या 30/26 में दर्ज मारपीट एवं जख्मी करने के मामले में भी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी अभियुक्त शत्रुधन साव को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मगनपुर गांव का निवासी है और उसके विरुद्ध दर्ज मामले में लंबे समय से कार्रवाई की जा रही थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार दोनों आरोपियों से आवश्यक पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। गोला थाना पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। लगातार हो रही गिरफ्तारी और कार्रवाई से आम लोगों में सुरक्षा का विश्वास मजबूत हुआ है।

रामगढ़ में फूड सेफ्टी प्रशिक्षण शिविर, खाद्य सुरक्षा मानकों की दी गई विस्तृत जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता और उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ज्ञानसिटी एजुकेशनल ट्रस्ट के तत्वावधान में गुरुवार को रामगढ़ स्थित होटल टी एंड ट्रीट में फूड सेफ्टी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में होटल व्यवसायियों, खाद्य प्रतिष्ठान संचालकों एवं दुकानदारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खाद्य सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण शिविर में मुख्य अतिथि खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी एमडी मंजर हुसैन एवं खाद्य सुरक्षा कार्यालय के लुकेश रवानी ने प्रतिभागियों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम से जुड़े महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी दी। इस दौरान खाद्य सामग्री के भंडारण, निर्माण, बिक्री एवं वितरण में स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एमडी मंजर हुसैन ने कहा कि फूड सेफ्टी ट्रेनिंग केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने कहा कि खाद्य व्यवसाय से जुड़े सभी लोगों को प्रशिक्षण प्राप्त कर निर्धारित मानकों का पालन करना चाहिए, ताकि लोगों तक सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री पहुंच सके। एफएसएसएआई के अधिकृत ट्रेनर राकेश सिंह डेकहा ने प्रशिक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा नियमों, स्वच्छता प्रबंधन और गुणवत्ता नियंत्रण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा नियमों का शत-प्रतिशत पालन करना प्रत्येक प्रतिष्ठान की जिम्मेदारी है। वहीं ज्ञानसिटी एजुकेशनल ट्रस्ट के प्रोजेक्ट हेड रवि कुमार ने कहा कि प्रतिष्ठानों में नियमित साफ-सफाई और स्वच्छ वातावरण बनाए रखकर कई गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने तथा अपने प्रतिष्ठानों में स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प लिया।

मुहर्रम को लेकर नवलशाही थाना में शांति समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : नवलशाही थाना परिसर में गुरुवार को आगामी मुहर्रम पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी सुमन कुमार ने किया।वहीं संचालन देवीपुर मुखिया बेदू साव ने किया। बैठक में मुख्य रूप से डोमचांच इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार, एसआई रविप्रकाश पंडित सहित मुहर्रम अखाड़ा कमिटियों के सदस्यगण मौजूद रहे। थाना प्रभारी ने कहा कि सभी अखाड़ा कमिटियों को वॉलंटियर की नियुक्ति करना है, पर्व के दौरान डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, जुलूस और अखाड़ों में किसी भी प्रकार के भड़काऊ या आपत्तिजनक गानों के उपयोग पर प्रतिबंध, अफवाह फैलाने वालों और सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट करने वालों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी, ताजिया जुलूस और अखाड़ों के लिए प्रशासन द्वारा निर्धारित रूट और समय का पालन करना आवश्यक होगा। इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार ने लोगों से आपसी सौहार्द में मिलजुल कर पर्व मनाने की अपील की। मौके पर राजद नेता इकबाल अंसारी, झामुमो नेता असरफ अंसारी, खरखार मुखिया प्रतिनिधि पिंटू यादव, पुरनानगर मुखिया प्रतिनिधि देवनारायण यादव, समाजसेवी कलीमउद्दीन अंसारी, हबीब मियां, सुभाष यादव, सहदेव राम, एसआई नितायचंद्र शाहा, ए एसआई सूर्य प्रकाश पूरी समेत कई लोग मौजूद थे।

छतरबर पंचायत भवन में विधिक जागरूकता शिविर, स्थायी लोक अदालत की दी गई जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में आज गुरुवार को कोडरमा प्रखंड के छतरबर पंचायत भवन में 90 दिवसीय गहन जागरूकता शिविर को लेकर चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगो को स्थाई लोक अदालत के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक करना, उनके अधिकारों के संरक्षण, विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी तथा निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराना है। इस शिविर के माध्यम से आम लोगो को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं, विधिक सहायता सेवाओं तथा विभिन्न कानूनी समस्याओं के समाधान के संबंध में मार्गदर्शन दिया जाएगा। साथ ही जरूरतमंद लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार से जोड़कर निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने कहा कि जनोपयोगी सेवाओ को लेकर स्थाई लोक अदालत का गठन किया गया है जो प्रत्येक कार्य दिवस में जनोपयोगी सेवाओ से सम्बंधित मामलो की सुनवाई करता है। जनोपयोगी सेवाओ के अंतर्गत बैंक, डाकघर, बीमा कंपनी, बिजली, पानी स्वच्छता आदि से सम्बंधित मामले शामिल है जिनकी सुनवाई बिना किसी न्याय शुल्क व अधिवकता के निशुल्क की जाती है। इसके अलावा बैंक ऋण एवं प्री लिटिगेशन से सम्बंधित मामलो की भी सुनवाई स्थाई लोक अदालत में की जाती है। इसके अलावा स्थाई लोक अदालत के विभिन्न क्रिया कलापों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार का प्रयास है कि समाज के आम लोगो को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए तथा उन्हें समय पर आवश्यक कानूनी सहायता उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि कई बार समाज के आम नागरिक जानकारी के अभाव में अपने अधिकारों से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि प्राधिकार द्वारा समाज के कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए लगातार जागरूकता एवं सहायता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित एल ए डी सी एस के अधिवकता नवल किशोर ने भी स्थाई लोक अदालत सहित अन्य कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तार पूर्वक लोगो को विधिक जागरूकता संबंधी जानकारी दी और बताया कि समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों को न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना जिला विधिक सेवा प्राधिकार की प्राथमिकता है।

परिमल नाथवानी की जीत पर कोडरमा विधायक ने बधाई दी

कोडरमा : राज्यसभा चुनाव में एनडीए समर्थित परिमल नाथवानी की जीत पर कोडरमा विधायक और प्रदेश की पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव ने उन्हें बधाई दी है। डॉ नीरा यादव ने अपने बधाई संदेश में कहा कि उनका अनुभव और राज्य से जुड़ाव झारखंड के लिए लाभकारी साबित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि सभी एनडीए विधायक एकजुट रहे और गठबंधन की रणनीति पूरी तरह सफल रही। विधायक ने इसे एनडीए की बड़ी राजनीतिक जीत बताया। उन्होंने अपने बयान में कहा कि झारखंड के जनप्रतिनिधि यह अच्छी तरह जानते हैं कि राज्य के हित में किसे समर्थन देना चाहिए, आज के चुनाव परिणाम ने भी यही बताया है। राज्यसभा सदस्य के रूप में उनके कार्यों और राज्य के विकास में निभाई गई भूमिका को लोग याद करते हैं और निश्चित तौर पर झारखंड से एक बार फिर उनका चुना जाना राज्य के लिए हितकारी होगा।

मोहर्रम को लेकर बरकाकाना ओपी में शांति समिति की हुई बैठक, सौहार्दपूर्ण आयोजन पर जोर

अफवाहों से सतर्क रहें, प्रशासन का करें सहयोग : उमाशंकर वर्मा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरकाकाना : आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को बरकाकाना ओपी परिसर में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पतरातू अंचल अधिकारी मनोज कुमार चौरसिया ने की। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, अखाड़ा समिति के सदस्यों, समाजसेवियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर पर्व के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की। बैठक के दौरान मोहर्रम जुलूस के निर्धारित मार्ग, यातायात संचालन, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई एवं कानून-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन मंथन किया गया। अंचल अधिकारी मनोज कुमार चौरसिया ने सभी समुदायों से आपसी सद्भाव, सामाजिक समरसता एवं भाईचारे की परंपरा को मजबूत करते हुए पर्व मनाने की अपील की।

सौहार्द, अनुशासन और एकता का प्रतीक है मोहर्रम : मनोज कुमार चौरसिया

अंचल अधिकारी ने कहा कि मोहर्रम केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक एकजुटता और पारस्परिक सम्मान का भी संदेश देता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन और जनता के समन्वय से ही किसी भी पर्व का सफल संचालन संभव है। बरकाकाना ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा ने कहा कि मोहर्रम के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से फैलने वाली किसी भी भ्रामक सूचना पर विश्वास नहीं करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस प्रशासन को देने की अपील की। उमाशंकर वर्मा ने कहा कि बरकाकाना क्षेत्र में अमन, शांति और भाईचारे की परंपरा हमेशा मजबूत रही है। इसे बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। पुलिस प्रशासन हर परिस्थिति पर नजर रखे हुए है और पर्व के दौरान व्यापक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा जताया तथा मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने का सामूहिक संकल्प लिया। बैठक के समापन पर शांति समिति के सदस्यों ने उपस्थिति पंजी पर हस्ताक्षर किए। बैठक में ये रहे प्रमुख रूप से उपस्थित अरविंद सिंह, परीक्षित महतो, गीता देवी, संजय लाला, सुदर्शन महतो, हरि रत्न साहू, कुश श्रीवास्तव, अनवर हुसैन, मनोज अगरिया, इकबाल खान, पंचदेव करमाली, प्रदीप शर्मा, मोहम्मद नसीम, शीतल बेदिया, रविंद्र करमाली, मकसूद अंसारी, फातिमा खातून, कयामुद्दीन अंसारी, डॉ. शाहनवाज खान, नागेश्वर मुंडा, अहमद हुसैन, दुर्गी मुखिया, मोकीम आलम, पंचायत समिति सदर फरीद अंसारी सहित पुलिस पदाधिकारी, शांति समिति के सदस्य, अखाड़ा समिति के प्रतिनिधि एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

एक नजर

एनजीटी की रोक के बावजूद अवैध बालू कारोबार जारी सात ट्रैक्टर जब्त

जयनगर : एनजीटी की रोक के बावजूद क्षेत्र में अवैध बालू खनन और परिवहन का खेल लगातार जारी है। इसी कड़ी में प्रशासन ने गुरुवार सुबह कार्रवाई करते हुए बालू माफियाओं पर शिकंजा कसा है। जयनगर प्रखंड के गुड़गुडी-बांसडीह के बीच स्थित बालू घाटों में अंचल अधिकारी सारांश जैन के नेतृत्व में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान अवैध बालू लदे 07 ट्रैक्टरों को जब्त किया गया। इस कार्रवाई से अवैध बालू कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि एनजीटी के प्रतिबंध के बावजूद क्षेत्र के विभिन्न घाटों से रात-दिन अवैध रूप से बालू का खनन और परिवहन किया जा रहा था। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन ने यह कार्रवाई की। अभियान में थाना प्रभारी विकास कुमार सहित पुलिस बल के जवान मौजूद रहे। अंचल अधिकारी सारांश जैन ने बताया कि जब्त किए गए सभी ट्रैक्टरों को थाना परिसर में रखा गया है तथा अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी आदेशों की अवहेलना कर अवैध बालू कारोबार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

राजमहल में सघन वाहन जांच अभियान

साहिबगंज: जिले के परिवहन विभाग ने गुरुवार को राजमहल थाना के समीप पुलिस के सहयोग से सघन वाहन जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए जुमार्ना वसूला गया। जांच के दौरान 25 मोटरसाइकिलों तथा 8 ई-रिक्शा एवं ऑटो समेत अन्य वाहनों के रजिस्ट्रेशन, बीमा, ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट और ओवरलोडिंग सहित आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। जिन वाहनों में नियमों का उल्लंघन पाया गया, उनके मालिकों से निर्धारित जुमार्ना वसूला गया। सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह ने अभियान के दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट पहनने, वैध दस्तावेज साथ रखने तथा सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यातायात नियमों का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है। अभियान में रोड सेफ्टी इंजीनियर अनुज प्रसाद, रोड आईटी सहायक राजहंस, परिवहन विभाग के अन्य कर्मियों के साथ सशस्त्र पुलिस बल के जवान भी मौजूद थे।

अदालत के आदेश पर छह दुकानें ध्वस्त

पूर्वी सिंहभूम : सीतारामडेरा थाना क्षेत्र स्थित भालूबासा चौक पर गुरुवार को जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) और जुस्को की संयुक्त टीम ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाते हुए छह दुकानों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई वर्ष 2024 में दायर एक याचिका पर न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश के अनुपालन में की गई। जानकारी के अनुसार, भालूबासा गोलचक्कर निवासी अजय नाथ ने अपने घर के सामने सरकारी जमीन पर संचालित दुकानों को लेकर अदालत में याचिका दायर की थी। उन्होंने अवैध अतिक्रमण से होने वाली परेशानियों का उल्लेख किया था, जिसके बाद अदालत ने अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया था। कार्रवाई के दौरान आशीष कुमार सोनकर, हरे कृष्णा पुथल, मनोज कुमार, संजय कुमार, शीतल और आरती की दुकानों को जेसीबी से हटाया गया। विरोध के बावजूद प्रशासन ने अभियान जारी रखा और कोर्ट के आदेश का हवाला दिया।

संक्षिप्त खबरें

ग्राम चाहा में चला विधिक जागरूकता अभियान ग्रामीणों को बताए गए कानूनी अधिकार

रामगढ़ : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली के निदेर्शानुसार संचालित डोर-टू-डोर विधिक जागरूकता अभियान के तहत ग्राम चाहा में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रामगढ़ द्वारा व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार मो. तौफीकुल हसन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार अनिल कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों, विभिन्न सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं तथा नि:शुल्क विधिक सहायता संबंधी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराना था। उपस्थित ग्रामीणों को न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध कानूनी व्यवस्थाओं से अवगत कराया गया। एलएडीसी असिस्टेंट अभिनव कुमार ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र व्यक्तियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से नि:शुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांगजन, मानसिक रोगियों तथा अन्य कमजोर वर्गों के अधिकारों एवं उनके संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह निषेध, मानव तस्करी की रोकथाम, घरेलू हिंसा से संरक्षण, नशा मुक्ति अभियान तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। ग्रामीणों को सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध सजग रहने और कानूनी सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या की स्थिति में जिला विधिक सेवा प्राधिकार से संपर्क कर नालसा की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में अधिकार मित्र आशा कुमारी, फुर्तिलाल महतो एवं निरंजन कुमार की सक्रिय सहभागिता रही।

रामगढ़ में श्रद्धा से मनाया गया गुरु अर्जुन देव का शहीदी गुरुपर्व

रामगढ़ : सिख धर्म के पंचम गुरु एवं शहादत, सत्य और मानवता के प्रतीक गुरु अर्जुन देव के पावन शहीदी गुरुपर्व पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, रामगढ़ में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ विशेष धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरु घर पहुंचकर मत्था टेका और गुरु साहिब के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरूआत अमृतवेला में श्री अखंड पाठ साहिब की संपूर्णता के साथ हुई। इसके उपरांत सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक विशेष दीवान सजाया गया, जिसमें प्रसिद्ध रागी जत्था भाई अरदासिया ने गुरबाणी शब्द-कीर्तन प्रस्तुत कर संगत को आध्यात्मिक रस में सराबोर कर दिया। दोपहर 2:15 बजे अरदास, हुकमनामा साहिब एवं कढ़ाह प्रसाद वितरण के बाद गुरु का अटूट लंगर आरंभ हुआ। श्रद्धालुओं ने गुरु के लंगर में शामिल होकर सेवा, समर्पण और समानता की परंपरा को जीवंत किया। गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा ने कहा कि गुरु अर्जुन देव का शहीदी दिवस धर्म, सत्य और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान की प्रेरणादायक गाथा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1606 में मुगल शासक जहांगीर द्वारा अमानवीय यातनाएं दिए जाने के बावजूद गुरु साहिब अडिग रहे और वाहेगुरु के सिमरन में लीन रहे। इसी स्मृति में सिख समाज द्वारा छबील एवं सेवा कार्यों का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम में परमदीप सिंह कालरा, अमरजीत सिंह सैनी, हैप्पी छाबड़ा, हरदीप सिंह, कुलवंत सिंह मारवाह, प्रीतम सिंह कालरा, तेजेन्द्र सिंह सोनी, जोगिंदर सिंह जग्गी, गुरजीत सिंह सलूजा, कुलजीत सिंह कालरा, अनमोल सिंह आनंद, जगजीत सिंह जग्गी, हरप्रीत सिंह खालसा, नरेंद्र सिंह चमन, मनपाल सिंह सोनी, रौनक छाबड़ा, अमन सिंह, विंकल कालरा, परमजीत सिंह सैनी, जसमीत कौर सोनी, परमजीत कौर भुसरी, करमजीत कौर, गगन कौर, रोमी छाबड़ा, सुमी जोली, चरणजीत कौर जॉली, मनप्रीत कौर सैनी, बलविंदर कौर छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

12 साल बेमिसाल कार्यक्रम के तहत भाजपा नेताओं ने किया प्रगति पथ का अवलोकन

कोडरमा : भारतीय जनता पार्टी जिला कोडरमा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में निर्मित प्रगति पथ (एनएच-33) का अवलोकन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोडरमा की सांसद सह केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। सड़कों, राजमार्गों और बेहतर कनेक्टिविटी के माध्यम से विकास को नई गति मिली है तथा लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधाएं प्राप्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि प्रगति पथ का निर्माण क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल में विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित हुए हैं। कोडरमा में सड़क, रेल, शिक्षा समेत विभिन्न विकास कार्यों को गति मिली है। प्रगति पथ परियोजना के पूर्ण होने से लोगों को आवागमन में सुविधा होगी तथा व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। जिला प्रभारी प्रवीण मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। ह्ल12 साल बेमिसालह्व कार्यक्रम के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में जिला महामंत्री नरेंद्र पाल, मंडल अध्यक्ष नंदकिशोर सोनी, मंडल महामंत्री आनंद मोदी, विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मण प्रसाद यादव, सांसद प्रतिनिधि प्रवीण कुमार बंटी मोदी, जिला परिषद सदस्य नीतू यादव, उपाध्यक्ष राजेंद्र सोनी, मुन्ना मोदी, चौधरी महतो, नारायण पांडे, सुरेश यादव, वीरेंद्र यादव, संतोष प्रसाद वर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जुगसलाई थाना पुलिस ने अवैध हथियार के साथ नाबालिग को किया निरुद्ध

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम में जुगसलाई थाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने के आरोप में एक नाबालिग को निरुद्ध किया है। उसके पास से एक देशी पिस्तौल (कट्टा) और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपित हाल ही में बाल सुधार गृह से बाहर आया था और उस पर अपने ही खिलाफ चल रहे मामलों के गवाहों को धमकाने का भी आरोप है। वह पहले से दो आपराधिक मामलों में अभियुक्त रहा है। इससे पूर्व अक्टूबर 2025 में भी उसे आर्म्स एक्ट के एक मामले में बाल सुधार गृह भेजा गया था। जुगसलाई थाना प्रभारी गुलाम रब्बानी खां ने बताया कि बिष्टुपुर स्थित पार्वती घाट के समीप एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस को देखकर संदिग्ध नाबालिग भागने लगा, लेकिन पीछा कर उसे पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए।

भारत समृद्ध और सुरक्षित बनकर दुनिया में उभरा : सांसद

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

पलामू : मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर पलामू भाजपा ने गुरूवार को मेदिनीनगर के गांधी उद्यान में प्रबुद्ध जन सम्मेलन का आयोजन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति पथ पर अग्रसर है। 2014 से 2026 तक इन 12 वर्षों की यात्रा में सशक्त, समृद्ध और सुरक्षित भारत बनकर दुनिया के मानचित्र में परिदृश्य हुआ है। लोक सेवा ही संकल्प, गरीब कल्याण-अंत्योदय ही लक्ष्य को लेकर मोदी सरकार कार्य कर रही है।

राष्ट्र निर्माण के मिशन को लेकर मोदी सरकार नई अर्थव्यवस्था, नया भारत, नया विश्वास सब देश को मजबूत बनाने का प्रयास कर रहा है। राष्ट्र प्रथम मंत्र को लेकर मोदी सरकार विरासत भी, विकास भी के साथ सांस्कृतिक पुनर्जागरण भी कर रही है। तकनीक से जन-जन तक डिजिटल भारत निर्माण का भी भरपूर प्रयास मोदी सरकार की ओर से किया जा रहा है, ताकि 2047 तक देश विकसित भारत बन सके। भाजपा प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्षों की उपलब्धियां ही उनके विकसित भारत का संकल्प को दशार्ता है। अब विकसित भारत के संकल्प के साथ जन-जन के सशक्तिकरण की यह धारा अविरल बह रही है। प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता और केंद्र सरकार के परिश्रम एवं जन सहयोग से भारत प्रगति पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। मेदिनीनगर की महापौर अरुणा शंकर ने कहा कि मोदी सरकार ने इन 12 वर्षों में महिलाओं की भागीदारी और उनके सशक्तिकरण का भरपूर प्रयास कर रही है। शौचालय, आवास, उज्ज्वला, आयुष्मान के साथ-साथ महिलाओं को मातृत्व शिक्षा और रोजगार पर विशेष ध्यान दिया जाना मोदी सरकार की प्राथमिकता है, जिससे उनका जीवन स्वावलंबी हो और वह समृद्ध एवं सशक्त बन सके। जिला अध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि विकसित भारत का संकल्प को लेकर चलने वाली मोदी सरकार के इन 12 वर्षों में कई बड़ी-बड़ी उपलब्धियां हैं जिससे गरीब युवा किसान महिला सभी शामिल है। कार्यक्रम में रवि शंकर पांडे, हरिवंश प्रभात, संतोष शुक्ला, अनुग्रह शर्मा, आनंद शंकर, आभा मुखर्जी, रमेश शुक्ला, रजनीकांत पांडे सहित ने भी विचार व्यक्त किए।

संक्षिप्त खबरें

सरिया में मुहर्रम को लेकर शांति समिति की हुई बैठक डीजे पर प्रतिबंध और रूट चार्ट पालन के निर्देश

सरिया : आगामी मुहर्रम पर्व को क्षेत्र में शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुदृढ़ विधि-व्यवस्था के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को सरिया थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की संयुक्त रूप से अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) ललित नारायण तिवारी एवं अंचल पदाधिकारी (सीओ) संतोष कुमार ने की। बैठक में इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह और थाना प्रभारी पिंकू कुमारी सिंह समेत कई प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए बीडीओ ललित नारायण तिवारी ने स्पष्ट किया कि मुहर्रम के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी अखाड़ा कमेटियों और जुलूस आयोजकों के लिए सख्त गाइडलाइंस जारी कीं। मुहर्रम पर्व के दौरान किसी भी परिस्थिति में डीजे बजाने की अनुमति नहीं होगी। सभी जुलूसों को प्रशासन द्वारा तय किए गए रूट चार्ट और समय-सारिणी का कड़ाई से पालन करना होगा। बिना प्रशासनिक लाइसेंस के किसी भी प्रकार का जुलूस निकालने पर पूरी तरह रोक रहेगी। निदेर्शों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों या कमेटियों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी पर्व के दौरान संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह सतर्क है। सभी समुदाय आपसी भाईचारे और सहयोग के साथ त्योहार मनाएं। बैठक में उपस्थित स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अखाड़ा कमेटियों के सदस्यों और प्रबुद्ध नागरिकों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी मुहर्रम का पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और आपसी भाईचारे के माहौल में संपन्न कराया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य रूप से बिजय सिंह, रफीक अंसारी, भोला मंडल, अलीमुद्दीन अंसारी, आशीष तरवे, मनोहर यादव, अनवर अंसारी, केदार मोदी, मोहम्मद नसीम, मोहम्मद सफीक, शब्बीर अंसारी सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और ग्रामीण उपस्थित थे।

बालिग से दुष्कर्म का मामला, आरोपी हिरासत में लेकर पुलिस कर रही पूछताछ

बरही : बरही थाना क्षेत्र में एक 14 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता के पिता द्वारा थाना में आवेदन दिए जाने के बाद पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना दो दिन पूर्व की बताई जा रही है। आरोप है कि बरही के एक नाबालिग युवक ने क्षेत्र की 14 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ने पर उसे उपचार के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज किया गया। पीड़िता के पिता ने थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। गुरुवार को पीड़ित के पिता बरही थाना पहुंचकर लिखित आवेदन सौंपा और कार्रवाई की मांग की। आवेदन मिलने के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपित नाबालिग युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। हालांकि समाचार लिखे जाने तक मामले में औपचारिक प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई थी। पुलिस मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। बरही थाना प्रभारी बिनोद कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

राज्यसभा चुनाव परिमल नाथवानी की जीत पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने दी बधाई

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड से राज्यसभा चुनाव में एनडीए समर्थित उम्मीदवार परिमल नाथवानी की जीत पर हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि नाथवानी का संसदीय अनुभव, प्रशासनिक समझ और विकास के प्रति उनकी सकारात्मक सोच झारखंड के लिए मील का पत्थर साबित होगी। विधायक प्रदीप प्रसाद ने शुभकामना देते हुए कहा कि परिमल नाथवानी लंबे समय से औद्योगिक विकास, सामाजिक सरोकार और जनहित के विषयों पर सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। राज्यसभा में उनके अनुभव का लाभ झारखंड को मिलेगा और राज्य के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती के साथ उठाया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके प्रयासों से झारखंड में निवेश, रोजगार, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों को नई गति मिलेगी। साथ ही श्री प्रसाद ने कहा कि झारखंड प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है और यहां विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। ऐसे में अनुभवी नेतृत्व के साथ केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा, जिससे विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी और आम जनता को उसका सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि परिमल नाथवानी की जीत केवल एक राजनीतिक सफलता नहीं, बल्कि झारखंड के उज्ज्वल भविष्य की उम्मीदों को और मजबूत करने वाली है। उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य नई ऊंचाइयों को छुएगा तथा विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करेगा।

मोहर्रम को लेकर कर्रा थाना में शांति समिति की हुई बैठक

खूंटी : मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को कर्रा थाना परिसर स्थित स्वागत कक्ष में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अंचल अधिकारी (सीओ) अन्वेषा ओना ने की। बैठक में उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों और गणमान्य लोगों ने मोहर्रम के दौरान सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की। साथ ही अफवाहों पर ध्यान न देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को देने का आग्रह किया गया। मुहर्रम कमेटी कर्रा के सदस्यों से जुलूस के रूट मैप और कार्यक्रम की समय-सारिणी की जानकारी ली गई। तोरपा इंस्पेक्टर मोहन कुमार ने कहा कि मोहर्रम जुलूस एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहेगा। उन्होंने सभी आयोजकों से निर्धारित दिशा-निदेर्शों का पालन करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता अभियान ग्रामीणों ने ली नशामुक्त समाज की शपथ

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : नशा मुक्ति अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से गुरुवार को पटमदा प्रखंड सभागार में जागरूकता सह शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमार दास के मार्गदर्शन में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस), मुखिया, ग्राम प्रधान एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की दीदियां, ग्राम संगठन के प्रतिनिधि, जेंडर सीआरपी, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य तथा विभिन्न सामुदायिक कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान उपस्थित लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए बताया गया कि मादक पदार्थों का सेवन व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ परिवार और समाज की प्रगति में भी बड़ी बाधा उत्पन्न करता है। अभियान के तहत विभिन्न गांवों और पंचायतों में नुक्कड़ नाटकों का आयोजन कर नशे के सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है। इसके अलावा जागरूकता वाहन के माध्यम से भी नशामुक्ति का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ा जा सके। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने, अपने गांव और समुदाय को नशामुक्त बनाने तथा युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन से बचाने की शपथ दिलाई गई। प्रशासन की ओर से आमजनों से अपील की गई कि वे अवैध मादक पदार्थों के कारोबार एवं उससे जुड़ी गतिविधियों की सूचना संबंधित विभागों को दें तथा एक स्वस्थ, सुरक्षित और जागरूक समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। डॉ० राजेंद्र कुमार दास ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान तभी सफल होगा, जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति इसकी जिम्मेदारी को समझते हुए सक्रिय भूमिका निभाएगा।

एनडीपीएस एक्ट के आरोपी खड़िया मुंडा उर्फ सुकड़ा मुंडा को भेजा गया न्यायिक हिरासत में

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कटकमसांडी : जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कटकमसांडी थाना पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में नशे के अवैध धंधे के खिलाफ चल रही सतत मुहिम का हिस्सा माना जा रहा है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कटकमसांडी थाना कांड संख्या 30/25 में एनडीपीएस एक्ट की धारा 17(सी), 18(बी) एवं 29 के तहत मामला दर्ज किया गया था। उक्त मामले के नामजद आरोपी खड़िया मुंडा उर्फ सुकड़ा मुंडा, पिता माड़ी मुंडा उर्फ मोरी मुंडा, निवासी ग्राम गुरुडीह, थाना कटकमसांडी, जिला हजारीबाग, के विरुद्ध पुलिस द्वारा अनुसंधान किया जा रहा था। मामले में आरोपी की संलिप्तता पाए जाने के उपरांत पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे अपने कब्जे में लिया। कटकमसांडी थाना पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की तथा मामले से संबंधित दस्तावेजी औपचारिकताओं को पूरा किया। इसके उपरांत गुरुवार 18 जून 2026 को पूर्वाह्न 11 बजकर 10 मिनट पर आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय द्वारा मामले का अवलोकन करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश पारित किया गया, जिसके बाद पुलिस अभिरक्षा में उसे जेल भेज दिया गया। ज्ञात हो कि एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों को गंभीर श्रेणी में माना जाता है। इस अधिनियम का उद्देश्य नशीले पदार्थों के अवैध उत्पादन, भंडारण, परिवहन, तस्करी एवं वितरण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार ऐसे तत्वों पर नजर रखी जा रही है, जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से मादक पदार्थों के कारोबार में संलिप्त होकर समाज विशेषकर युवाओं को नशे की ओर धकेलने का कार्य कर रहे हैं।

कुकडू के पलाशडीह में अज्ञात ट्रैक्टर की टक्कर से 50 वर्षीय महिला की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुकड़ू : निमडीह थाना क्षेत्र के कुकड़ू प्रखंड अंतर्गत पलाशडीह गांव में बीती रात एक अज्ञात ट्रैक्टर की चपेट में आने से 50 वर्षीय आमोती महतो, पति स्वर्गीय निबारण महतो, की मौत हो गई। घटना रात के समय हुई, जिसके कारण दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों के अनुसार, सुबह करीब 5 बजे मृतका के घर के सामने तीन ट्रैक्टर बालू लेकर पहुंचे थे। इनमें से दो ट्रैक्टरों ने बालू गिराया, जबकि एक ट्रैक्टर बालू सहित वहां से निकल गया। ग्रामीणों को आशंका है कि इन्हीं ट्रैक्टरों में से किसी एक ने यह दुर्घटना की है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि कुकड़ू प्रखंड में बालू ढोने वाले ट्रैक्टरों और हाईवा वाहनों की तेज रफ्तार के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इससे पहले भी ओड़िया और बाकरकुड़ी गांव में ट्रैक्टर दुर्घटना में दो लोगों की जान जा चुकी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध बालू परिवहन और तेज गति से चलने वाले ट्रैक्टर एवं भारी वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। फिलहाल, मामले की सूचना निमडीह थाना को दे दी गई है और पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का ग्रामीणों ने उठाया लाभ

खूंटी : जिले के लान्दुप पंचायत अंतर्गत रुगुदडीह गांव में के एस गंगा हॉस्पिटल ने नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला और पुरुष पहुंचे और विभिन्न बीमारियों की जांच कराकर नि:शुल्क दवाइयां प्राप्त की। ग्रामीणों के अनुसार आजादी के बाद पहली बार गांव में इस प्रकार का स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में त्रिनेत्रा आई केयर की टीम ने भी नि:शुल्क नेत्र जांच कर मरीजों को आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराईं। गांव में पहली बार स्वास्थ्य शिविर के आयोजन से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखा गया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
विशेष कार्य प्रमण्डल भवन निर्माण विभाग, राँची
Mail:-splworksdivbcdrnc@gmail.com

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–20/2026–27

1. विज्ञापनदाता का पदनाम :– कार्यपालक अभियंता, विशेष कार्य प्रमण्डल, भवन निर्माण विभाग, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :– दिनांक–02.07.2026 को अपराह्न 1.00 बजे तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक–03.07.2026 को अपराह्न 3.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक–03.07.2026 को अपराह्न 3.30 बजे।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (क) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, छोटानागपुर भवन अंचल संख्या–1, भवन निर्माण विभाग, राँची। (ख) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, विशेष कार्य प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग राँची।
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान:– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, विशेष कार्य प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, राँची।
7. निविदाधीन कार्य का विवरण :–

क्र. सं	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0)	अग्रधन की राशि (रू0)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Fabrication of Investment Promotion Cell (IPC) in First Floor Lounge (Conference hall) at New Jharkhand Bhawan, Bangla Sahib Road, New Delhi.	24,61,700/-	49,500.00	5000.00	03 Months

8. निविदा की शर्तें WWW.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियंता
विशेष कार्य प्रमण्डल, भ0 नि0 वि0 राँची।

PR.NO.382667 Building(26-27):D

बरही बाजार को मिलेगा नया स्वरूप जाम और अतिक्रमण से मिलेगी राहत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही शहर में वर्षों से चली आ रही जाम और अतिक्रमण की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में प्रशासन ने पहल तेज कर दी है। बाजार क्षेत्र को सुव्यवस्थित और यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से फल एवं सब्जी बाजार को स्थानांतरित करने तथा दुकानदारों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था विकसित करने की योजना पर गंभीरता से काम किया जा रहा है। गुरुवार को जिला अपर समाहर्ता महेंद्र छोटन उरांव के नेतृत्व में प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने बरही चौक, मुख्य बाजार क्षेत्र, सर्विस रोड एवं प्रस्तावित बाजार स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण दल में एमवीआई विजय गौतम, एसडीओ जौहर टुडू, डीटीओ संतोष चौधरी, बीडीओ जयपाल महतो, सीओ चंद्रशेखर कुणाल तथा चौपारण सीओ संजय कुमार यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल थे। निरीक्षण के उपरांत अनुमंडल कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित कर यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने, अतिक्रमण हटाने तथा बाजार के पुनर्व्यवस्थापन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि बरही चौक राष्ट्रीय राजमार्गों का महत्वपूर्ण जंक्शन होने के कारण यहां प्रतिदिन भारी वाहनों और यात्रियों की आवाजाही रहती है। सड़क किनारे संचालित फल एवं सब्जी बाजार के कारण अक्सर जाम की स्थिति उत्पन्न होती है, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। बैठक में हजारीबाग रोड स्थित सर्विस रोड के समीप फल-सब्जी बाजार के लिए प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया गया। साथ ही दुकानदारों के लिए मल्टी स्टोरेज शॉप निर्माण की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। प्रशासन का मानना है कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद बाजार क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और व्यवसायियों व ग्राहकों को अधिक सुविधाजनक वातावरण मिलेगा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने एनएचएआई प्रतिनिधियों के साथ सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। चौक को अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और आकर्षक बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर सहमति बनी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि योजना को अंतिम रूप देने से पूर्व स्थानीय दुकानदारों एवं प्रभावित लोगों से संवाद स्थापित कर उनकी राय ली जाएगी, ताकि विकास कार्यों के साथ किसी की आजीविका प्रभावित न हो और सभी की सहभागिता से बरही को एक व्यवस्थित एवं आधुनिक बाजार का स्वरूप दिया जा सके।

उपायुक्त का कार्यालय, हजारीबाग।
(नजारत शाखा)
–: वाहन नीलामी सूचना :–

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रधान, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, हजारीबाग के निदेश के आलोक में व्यवहार न्यायालय, हजारीबाग परिसर में Condemned अवस्था में पड़े TATA(INDIGO) को नीलाम किया जाना है।

वाहन का प्रकार

Sl.	Type of vehicle/	Vehicle No.	Manufacturing Year	Model
1.	TATA(INDIGO) LMV	JH-02U-6767	2012	Tata (Indigo).

तद्नुसार उपायुक्त, हजारीबाग द्वारा दिए गए निदेश के आलोक में सर्वसाधारण /इच्छुक एजेन्सी को सूचित किया जाता है कि व्यवहार न्यायालय, हजारीबाग परिसर में Condemned अवस्था में पड़े TATA(INDIGO) का निलामी दिनांक.–.02/07/2026 को अपराह्न 03:00 बजे समाहरणालय सभागार में किया जाएगा।

अतः नीलामी में भाग लेने के इच्छुक सर्वसाधारण/एजेन्सी को सूचित किया जाता है कि दिनांक.–.02/07/2026 को अपराह्न 03:00 बजे समाहरणालय सभागार में ससमय उपस्थिति होकर नीलामी में भाग लेना सुनिश्चित करेगें।

शर्तें –

1. नीलामी में भाग लेने हेतु नजारत उपसमाहर्ता, हजारीबाग के पदनाम किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से बने 10,000/– (दस हजार) रूपया का डीमाण्ड ड्राफ्ट सुरक्षित राशि के रूप में जिला नजारत शाखा, हजारीबाग में जमा करना अनिवार्य होगा।
2. नीलामी हेतु वाहन का न्यूनतम दर 54,000/– (चौवन हजार) रूपया निर्धारित किया गया है।
3. वाहन जहाँ एवं जिस अवस्था में है उसी अवस्था में आपको सुपूर्द किया जाएगा। इसके लिए किसी भी प्रकार का अतिरिक्त व्यय/वहन आपको देय नहीं होगी।
4. वाहन का निबंधन, इन्सुरेन्स, वाहन टैक्स एवं अन्य कागजातों की अद्यतन स्थिति एवं बकाया जिस स्थिति में है उसी स्थिति में आपको सुपूर्द किया जाएगा। वाहन के व्यवहार हेतु निबंधन, इंसुरेन्स एवं अन्य कागजातों पर व्यय से संबंधित कोई भी दावा मान्य नहीं होगा एवं उसका वहन आपको स्वयं करना होगा।
5. वाहन नीलामी के पश्चात् आपका कोई भी दावा अथवा अनुरोध स्वीकार नहीं होगा अतः नीलामी पूर्व सभी इच्छुक एजेन्सी एवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन का भौतिक सत्यापन स्वयं कर पूर्ण संतुष्ट होने के उपरान्त नीलामी में भाग लेना सुनिश्चित करेगें।
6. वाहन नीलामी एवं निरस्तीकरण से संबंधित सारे अधिकार उपायुक्त, हजारीबाग के पास सुरक्षित रहेंगे।

उप विकास आयुक्त,
हजारीबाग।

PR 382680 District(26-27)D

स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती : एक संत की हत्या पर न्याय का इंतजार

भारत के लोकतंत्र और न्याय व्यवस्था के सामने कुछ ऐसे प्रश्न खड़े हैं, जिनका उत्तर सिर्फ शासन की नीयत और प्रशासनिक जवाबदेही में छिपा हुआ है। ओडिशा के प्रसिद्ध संत, जनजातीय समाज के हितैषी और सनातन संस्कृति के प्रखर प्रवक्ता श्रद्धेय स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती की हत्या ऐसा ही एक प्रश्न बनकर आज भी देश के सामने खड़ी है। उनकी हत्या को लगभग दो दशक बीतने को हैं, किंतु न्याय की प्रक्रिया आज भी अधूरी दिखाई देती है। अब जब उनकी हत्या और उसके बाद हुई हिंसा की जांच से संबंधित महत्वपूर्ण आयोगों की रिपोर्टों के ही लापता होने की बात सामने आई है, तब यह मामला पूरे प्रशासनिक तंत्र की विश्वसनीयता का विषय बन गया है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या भारत में किसी न्यायिक अथवा अर्ध-न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट भी गायब हो सकती है? यदि हां, तो फिर देश की संस्थाओं पर जनता भरोसा कैसे करे? जिन रिपोर्टों को वर्षों की जांच, साक्ष्यों और गवाहियों के आधार पर तैयार किया गया, वे मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचने के बाद अचानक गायब हो जाती हैं और किसी को उनकी जानकारी नहीं होती। क्या यह प्रशासनिक लापरवाही है या इसके पीछे कोई बड़ा सच छिपा हुआ है? स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती स्मृति न्यास ने जो सवाल उठाए हैं, वे उनके अनुयायियों की भावनाओं से जुड़े होने के साथ आज हर उस नागरिक की चिंता हैं जो कानून के शासन में विश्वास रखता है। यदि किसी सामान्य व्यक्ति की फाइल गायब हो जाए तो उसे अपनी गलती का दंड भुगतना पड़ता है लेकिन जब राज्य के सबसे महत्वपूर्ण कार्यालयों से न्यायिक जांच रिपोर्टें लापता हो जाती हैं, तब सवाल यह है कि आखिर जवाबदेही तय करने में वर्षों क्यों लग रहे हैं? यह भी विचारणीय है कि जिन रिपोर्टों को 2016 और 2018 में मुख्यमंत्री कार्यालय भेजा गया था, वे 2024 तक सुरक्षित क्यों नहीं रखी जा सकीं? उसी अवधि की अन्य फाइलें वापस मिल जाती हैं, किंतु सबसे संवेदनशील जांच रिपोर्टें गायब रहती हैं। क्या यह मात्र संयोग है? क्या सरकार जनता को यह विश्वास दिला सकती है कि इतने महत्वपूर्ण दस्तावेज बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के स्वयं ही लुप्त हो गए? क्या इससे यह संदेह पैदा नहीं होता कि भले ही सरकार उड़ीसा में बदल गई है, किंतु कथित अपराधियों की पकड़ सचिवालय पर अब भी भारी है! निश्चित ही इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासनिक पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। यह सर्वविदित है कि लोकतंत्र में सरकारें बदलती हैं पर संस्थाएं और अभिलेख जनता की संपत्ति होते हैं। यदि सत्ता परिवर्तन के दौर में महत्वपूर्ण दस्तावेजों के गायब होने की आशंका पैदा होती है तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए गंभीर खतरे का संकेत है। सरकार को स्पष्ट रूप से बताना होगा कि रिपोर्टें कहां हैं, उन्हें किसने संभाला और आखिर उनकी वर्तमान स्थिति क्या है। एक और बड़ा प्रश्न न्याय प्रक्रिया को लेकर है। यदि हत्या के इतने वर्षों बाद भी आयोगों की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हो सकीं, तो आखिर किसकी रक्षा की जा रही है? जनता को सत्य जानने का अधिकार है। लोकतंत्र में गोपनीयता का उपयोग सत्य को दबाने के लिए नहीं किया जा सकता। यदि रिपोर्टों में ऐसे तथ्य हैं जो समाज को वास्तविकता से अवगत करा सकते हैं, तो उन्हें सार्वजनिक करने में संकोच क्यों? वस्तुतः यह सभी को स्मरण रखना चाहिए कि संत स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरण और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए लंबा कार्य करनेवाले महान व्यक्तित्व हैं। उन्होंने अवैध धर्मांतरण के खिलाफ मुखर आवाज उठाई थी। ऐसे व्यक्ति की हत्या यदि आज भी विवादों और अनुत्तरित प्रश्नों से घिरी हुई है तो यह किसी एक व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं बल्कि उन हजारों-लाखों लोगों की भावनाओं के साथ भी अन्याय है जो उन्हें अपना मार्गदर्शक मानते हैं।

समाजवादी पार्टी में टूट! असंभव कुछ भी नहीं

संजय सक्सेना

चार मई 2026 को पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजे आने से पहले किसी ने सपने में भी किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि महीने-डेढ़ महीने में तृणमूल कांग्रेस का बुरी तरह से विभाजन हो जायेगा। पश्चिम बंगाल की तेज तर्रार नेत्री और तब की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की छवि उस समय तक एक ऐसी नेत्री की थी जिसे मोदी के विकल्प के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन बंगाल की हार ने सब कुछ बदल दिया। अब वह नेता ही उनको आईना दिखा रहे हैं जो कल तक उनके नेतृत्व में लोकसभा चुनाव लड़ने की बात कर रहे थे। इसी तरह से आम आदमी पार्टी के सात सांसद भी बिना किसी शोरगुल और सुगबुगाहट के बागी हो गये ओर भाजपा में चले गये। महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट की भी कमोवेश यही स्थिति है। उसके छह सांसदों ने अलग राह पकड़ ली है। उद्धव के लिये शिंदे के बाद यह दूसरा बड़ा झटका है। कुछ वर्ष पूर्व महाराष्ट्र ने शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस में भी टूट देखी थी, जब उनके ही भतीजे अजीत पवार ने बगावत करके अलग न केवल अपनी पार्टी बना ली बल्कि महाराष्ट्र में बीजेपी गठबंधन सरकार का हिस्सा भी बन गये। यह और बात है कि अजीत पवार अब इस दुनिया में नहीं है और उनकी पत्नी पार्टी की कमान संभाले हुए हैं। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद वहां की राजनीति में भी बड़ा देखने को मिल रहा है। डीएमके और कांग्रेस का गठबंधन टूट गया है। बीजेपी की कट्टर विरोधी डीएमके अब मोदी के करीब नजर आ रहे हैं। इसी तरह से आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड भी मोदी सरकार का हिस्सा बनी हुई हैं। खास बात यह है कि जो भी पार्टियां टूटी हैं उसका अलग हुआ धड़ा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा बन कर या अलग रहते हुए भी मोदी के करीब आ गया।

अब ताजा चर्चा उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी में टूट को लेकर हो रही है। सपा टूटेगी इसकी उम्मीद न के बराबर है, लेकिन अन्य राजनैतिक दलों में जिस तरह से टूट देखने को मिली है उससे सपा में टूट की कुछ खबरों पर लोग विश्वास भी कर रहे हैं। इसकी सुगबुगाहट तब शुरू हुई जब सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने दावा किया कि सपा में टूट होने वाली है। राजनीति के कुछ जानकारों का कहना है कि पार्टियों में बगावत कोई नई बात नहीं है। जब किसी पार्टी के नेताओं को लगता है कि उनका नेतृत्व जनता की कसौटी पर खरा नहीं उतर पा रहा है, प्रतिद्वंदियों के सामने कमजोर नजर आ रहा है तब अक्सर कई नेता अपनी सियासत बचाने के लिये पाला बदल लेते हैं। टूट की एक और वजह यह भी नजर आती है कि मुलायम कुनबे में आपसी विश्वास काफी कम हो रहा है। वैसे भी अखिलेश यादव के चचा शिवपाल यादव एक बार सपा से बगावत करके किनारा करने का कारनामा कर चुके हैं। वैसे अखिलेश यादव के खिलाफ गोमती रिवर फ्रंट और खनन घोटालों में भी जांच चल रही है।

बात उत्तर प्रदेश की राजनीति और खासकर समाजवादी पार्टी में बंटवारे के संदर्भ में है तो सवाल यह है कि क्या सपा भी इसी नियति से बच पाएगी? फिलहाल सपा टूटने की संभावनाओं पर अनेकों का विश्वास कम है, पर घटनाक्रमों ने यह बता दिया है कि किसी भी दल के भीतर आपसी विश्वास की कमी, परिवारवादी राजनीति और स्थानीय नेताओं की असंतुष्टि किसी भी समय दरारें पैदा कर सकती है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के दावे ने इसी चर्चा को हवा दी कि सपा में भी वह दरार आ सकती है जो अन्य पार्टियों में देखी गई। राजनीति के जानकार कहते हैं कि बगावत नई बात नहीं; जब किसी पार्टी के नेता महसूस करते हैं कि उनका नेतृत्व जनता के कसौटी पर खरा नहीं उतर रहा, या उनको वैकल्पिक रास्ता नजर आता है, तो वे अक्सर अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी बचाने के लिये ही नए गठजोड़ बनाना चुन लेते हैं। यह मनोवृत्ति केवल व्यक्तिगत स्वार्थ नहीं, बल्कि राजनीति की व्यावहारिकता का हिस्सा है।

उधर, मुलायम परिवार के भीतर आपसी भरोसा कम होने की खबरें भी पुराने समय से चली आ रही हैं। परिवारवादी राजनीति में छोटे से विवाद भी बड़े रूप ले सकता है, जैसे पहले शिवपाल यादव ने सपा से किनारा किया था। अखिलेश यादव पर गोमती रिवर फ्रंट माइनिंग घोटाले से जुड़े आरोपों ने भी उनकी छवि को चुनौती दी है। लखनऊ में अखिलेश की लोकप्रियता में पिछले दो वर्षों में गिरावट आई है, विशेषकर शहरी गरीबों और मध्यम वर्ग के बीच जलवायु और शहरी बुनियादी ढांचे की समस्याओं पर उनके नेतृत्व की ज्यादा प्रभावशीलता नहीं रही। स्थानीय नेताओं का मानना है कि जब जनता के मुद्दे जैसे जल निकासी, सड़क की स्थिति और विद्युत वितरण की समस्या सुलझती नहीं, तो नेताओं की नाराजगी बढ़ती है और वे अक्सर पाला बदलने की राह चुनते हैं।

गौरतलब हो, यूपी में सपा का सामाजिक आधार यादव, कुर्मी और कुछ अल्पसंख्यक समूहों पर टिका है, लेकिन पिछले चुनावों में इस आधार में कुछ गिरावट देखी गई है। सपा के वोटर्स का विश्वास कम हुआ है, जो सपा नेताओं के बीच असंतुष्टि को बढ़ावा दे रहा है। ऐसे में स्थानीय और क्षेत्रीय नेताओं की नाराजगी, प्रदेश स्तर पर लोकप्रियता में गिरावट और कानूनी-नैतिक सवाल मिलकर टूट की संभावनाओं को हवा दे सकते हैं। पर सवाल यह भी है कि क्या सपा जैसा संगठन जो व्यापक सामाजिक आधार और मजबूत क्षेत्रीय संगठनात्मक संरचना रखता है, टूट कर छोटे-छोटे धड़ों में बंट पायेगा? इतिहास बताता है कि बड़े संगठन अक्सर पुनर्गठित होकर ही टिकते हैं, पर वक्त-समय पर उनकी दिशा में बड़े बदलाव आ जाते हैं।

इसके साथ ही हकीकत यह भी है कि राजनीति में बगावत और दल परिवर्तन के पीछे आर्थिक और संस्थागत कारण भी काम करते हैं। केंद्र और राज्यों के बीच संसाधन वितरण, योजनाओं की निजी पहुंच और सत्ता में बने रहने के लाभ अनेक नेताओं को नई राह चुनने के लिये प्रेरित करते हैं। स्थानीय नेताओं के लिए व्यक्तिगत वोट बैंक और क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान अक्सर प्राथमिकता बन जाता है, और यदि मौजूदा नेतृत्व उन अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता तो विद्रोह का रास्ता खुल जाता है। यही कारण है कि राजनीतिक स्थिरता अब एक अस्थिर अवधारणा बनती जा रही है। चुनावी हार, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और रणनीतिक समझौते मिलकर नए राजनीतिक नक्शे बनाते हैं। इन परिवर्तनों का सबसे बड़ा असर आम जनता पर पड़ता है। वोटरों के विश्वास को ठेस पहुंचती है जब दल जिन वादों के साथ बनते हैं, वे अचानक ही नजरियों से बदल जाते हैं। क्षेत्रीय मुद्दों और विकास के वादे अगर सत्ता के साथ जुड़कर दब जाते हैं तो स्थानीय जनहित प्रभावित होता है।

अंततः यह राजनीतिक परिदृश्य बताता है कि आज का भारतीय लोकतंत्र अधिक गतिशील और कम पूवार्नुमेय हो चला है। नेताओं की नीतिगत निष्ठा और गठबंधन की राजनीति में लचीलापन, दोनों मिलकर एक ऐसा वातावरण बना देते हैं जहाँ सत्ता और रणनीति का खेल निरंतर चलता रहता है। पश्चिम बंगाल की हार से ममता बनर्जी को जो आईना दिखा है, वह सिर्फ एक नेता की परीक्षा नहीं; वह उस बड़े राजनीतिक बदलाव का प्रतीक है जो देश के कई हिस्सों में धीरे-धीरे आकार ले रहा है। उत्तर प्रदेश और लखनऊ के संदर्भ में, अखिलेश यादव और सपा के परिदृश्य को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि राजनीति में स्थिरता अब पुराना नियम नहीं, बल्कि बदलती परिस्थितियों के अनुरूप नई रणनीतियाँ ही निर्णायक होंगी। सपा में टूट हो या न हो, इस लगातार बदलते चक्र ने एक बात स्पष्ट कर दी है कि राजनीति में नेतृत्व की जनता की कसौटी पर खरा उतरना, स्थानीय मुद्दों पर प्रभावशीलता और आपसी विश्वास की मजबूती ही दल को टिकने और आगे बढ़ने का रास्ता खोल सकती है।

योग से जीवन को दिशा दें

गिरीश्वर मिश्र

आज की डिजिटल और दौड़-धूप वाली ज़िन्दगी में हम खुद को भी वस्तुओं की भीड़ में खड़े पाते हैं। उस भीड़ में हम खोते जा रहे हैं और कभी-कभी खुद को भी पहचानना कठिन हो रहा है। घटनाओं का द्रुतगामी आवेग ऐसा हो रहा है कि हमारे जीवन का क्षण-क्षण कुछ नया पुराना जोड़ता जा रहा है और हम सब परिवर्तन के तनाव से जूझ रहे हैं। ऐसे में जब कभी अपने स्वभाव को समझने चलते हैं तो अपने को बड़ी जटिल संरचना से मुखातिब पाते हैं, जिसमें मन और शरीर दोनों हैं जो सोचने और करने के दायित्व को निभाने का काम करते हैं। यह संरचना जटिल होते हुए भी सहज है क्योंकि उसके सारे अवयव एक संगति और लय में काम करते हैं। और तो और वे परस्पर निर्भर होने के कारण एक-दूसरे के पूरक भी हैं।

बात यहीं नहीं खत्म होती क्योंकि यह संरचना क्रियाशील है। यह एक जैविक उपकरण की तरह कार्य करता है जो सतत रचता रहता है। इसीलिए शरीर को प्रमुख या आद्य साधन माना गया है। कवि कालिदास के शब्दों में "शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम" कहकर स्मरण किया जाता है। गोस्वामी तुलसीदास उसे साधन-धाम कहते हैं जो मोक्ष यानी सारे कष्टों से छुटकारा दिलवाता है। इतिहास साक्षी है कि मनुष्य के कर्तृत्व की कोई सीमा नहीं है पर उसके लिए मन और शरीर की जुगलबंदी अच्छी तरह से होनी चाहिए।

वस्तुतः मन-शरीर मिल कर जो कुछ भी हमें सृजन करने का मौका देते हैं वह अपूर्व यानी नया होता है। मन में उठे विचारों से जो यात्रा शुरू होती है वह शब्दों और कर्मों से होकर विभिन्न उत्पादों के रूप में भौतिक जगत में मूर्त आकार पाती है। इस रची जाती दुनिया के साथ हमारा नित्य साबका पड़ता है और फिर हम भी बदलते हैं और हमारी दुनिया भी बदलती है। यह क्रम सदा चलता रहता है। सच कहें तो इस तरह की गतिशीलता या गतिमय होना जीवन की निशानी होती है। कहने को वह एक स्थिति भी है और प्रगति तथा विकास की यात्रा को दिशा भी देती है। वह पथ भी है और पाथेय भी।

जब कहा गया धर्मार्थकाममोक्षाणामारोग्यं मूलमुत्तमम्‌ यानी धर्म, अर्थ, और मोक्ष इन चारों पुरुषार्थ के लिए आरोग्य उत्तम मूल यानी मुख्य आधार है तो इसी तरफ संकेत किया गया था कि मन और शरीर की जगलबंदी की लय बनी रहे। आरोग्य यानी निरोगी रहना विकारों से मुक्त रहना है। यही हमारा स्वभाव है और उसे बनाए रखना हर प्राणी का कर्तव्य है। प्रकृति ने इसी तरह से प्रोग्राम किया है पर आज इस लय को बनाये रखना मुश्किल हो रहा है क्योंकि स्वाभाविक प्रोग्राम पर चलने के रास्ते में बहुत से विकार आड़े आ रहे हैं। विकार बाधक होते हैं और आगे बढ़ने में रोड़ा तो अटकाते ही हैं, साथ ही हमारी शक्ति और ऊर्जा का अपव्यय भी होते हैं। जब हमारा ध्यान अपने लक्ष्य से भटक जाता है, तो हम काम नहीं कर पाते।

आज के तेजी से डिजिटल हो रहे युग में बच्चे-बूढ़े सभी आमतौर पर ध्यान के भटकाव की शिकायत करते मिलते हैं। उनका चित्त स्थिर नहीं रह पाता है और इसके फलस्वरूप कोई काम ठीक से नहीं हो पाता और स्मृति भी कमजोर पड़ने लगती है। दूसरी ओर यह सबका अनुभव है कि ध्यानावस्थित या दत्तचित्त होकर ही कोई कार्य सिद्ध किया जा सकता है। "ध्यान देना" और कुछ नहीं, अपनी चेतना के सतत प्रवाह को एक दिशा में ले जाना है। हम ध्यान को किसी वस्तु, व्यक्ति या घटना में केंद्रित या फोकस करते है। इसके लिए स्वयं अपने ऊपर काम करना होगा। अपना उद्धार करने के लिए खुद खड़ा होना होगा- उद्धरेदात्मनात्मानम। इसके लिए अपने को वस्तु से हटकर साक्षी की भूमिका अपनानी पड़ती है।

सामान्य अनुभव तो यही है कि बाहर की दुनिया की चकाचौंध हमें खूब आकर्षित करती है पर उस तरफ आगे बढ़ने से किसी एक विचार या वस्तु पर ध्यान केंद्रित करने में बाधा पड़ती है। बाहरी दुनिया जिसे हम ठोस सच्चाई या ऑब्जेक्टिव ट्रुथ मानते हैं उसे परम सत्य समझने से हमारा मन उस सत्य के साथ उलझता चला गया। उसके आकर्षण में बंधकर आदमी खुद को उसी में देखने-तलाशने का अभ्यास करने में जुट जाता है। उसके साथ जुड़ाव से उपजने वाली आसक्ति हमारी अपनी समझ और मौलिक पहचान को आशंकित करने लगती है और हम संशयग्रस्त हो जाते हैं।

बाहरी आकर्षण की पराकाष्ठा तब होती है जब द्रष्टा दृश्य में विलीन होने के लिए छटपटाने लगता है। चाहने वाले की तीव्र चाह चाही गई वस्तु के साथ एकमेक होने को आतुर हो उठती है। व्यापक पहचान घनीभूत होती है और वस्तु में समा जाती है। पर कोई वस्तु अंततः वस्तु ही होती है पर उससे आसक्ति उसे जो प्रबल रूप देती है उसके सामने सब झूठा पड़ जाता है। तीव्र भ्रम सत्य से प्रबल होकर कुछ भी करा सकता है (खबर आई थी कि कुछ दिनों पूर्व जापान में एक महिला ने डिजिटल/एआई/रोबो की आभासी कृति से शादी रचाई थी!)। कुल मिलाकर अन्तर्जगत और बाह्य जगत के साथ तालमेल बैठाना यानी ठीक तरह और ठीक जगह जोड़ना जुड़ना आज की सबसे बड़ी चुनौती हो रही है। आज पूरे विश्व में मनोरोगियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि दर्ज हो रही है। ऐसे में योग-शास्त्र और उसकी साधना बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है।

योग का अर्थ है जुड़ना, पर हर तरह का जुड़ना आकस्मिक या जानबूझकर मिलने का संयोग हो सकता है। योग-शास्त्र के अनुसार योग एक विशेष प्रकार से सायास जुड़ने का नाम है। योग विद्या के आलोक में अन्तर और बाह्य जगत के साथ हमारा रिश्ता नया ओजस्वी अर्थ प्राप्त कर लेता है। यम और नियम नैतिक जीवन जीने की प्रक्रिया बताते हैं तो आसन शरीर का रखरखाव और उसकी क्षमता को संबर्धित करने का काम कराते हैं। प्राणायाम हमारे श्वांस और प्राणिक ऊर्जा को व्यवस्था करते हैं। प्रत्याहार बाह्य दुनिया के साथ विवेकपूर्ण सामन्ध को नियमित करता है। ध्यान, धारणा और समाधि अंतरंग योग हैं जो चेतना के परिष्कार को संभव बनाते हैं। इसीलिए महर्षि अरविंद कहते हैं कि ‖पूरा जीवन ही योग है‖ वह योग को समग्र जीवन-दर्शन के रूप में प्रस्तुत करते हैं। सबसे जुड़कर ही अच्छी तरह से जीना संभव हो पाता है। उसके लिए आवश्यक तैयारी भी अनेक स्तरों पर करनी होती है। योग के जिस स्वरूप को महर्षि पतंजलि ने व्यवस्थित रूप में "योग-सूत्र" प्रस्तुत किया था वह इसी तैयारी का मॉडल या नक्शा है। उसे अष्टांग योग कह कर वह यही कहना चाहते थे कि जैसे सभी अंगों से मिल कर शरीर बनता है उसी तरह योग भी अनेक पक्षों से मिल कर बना है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, ध्यान, धारणा और समाधि सबको मिला कर ही योग की रचना पूर्ण होती है। किसी एक अंग (जैसे-आसन या प्राणायाम) मात्र को ही योग कहना अतिव्याप्त करने वाली बात है। इसलिए वह समझ और तदनुसार आचरण असंगत और दिग्भ्रमित करने वाला होगा। खेद है कि आज इसी तरह का भ्रम फैला हुआ है।

हमें यह याद रखना होगा कि योग स्वयं अपने को नियमित करने की ऐसी पद्धति है जो हमें अपना वास्तविक स्वरूप वापस दिलाती है। योग की यात्रा के साथ हम अपने दृश्य को दृश्य के रूप में और खुद को द्रष्टा के रूप में ग्रहण करना शुरू करते हैं। दृश्य के मजबूत बंधनों से छुटकारा पाना आसान नहीं है। हमारा चंचल मन तो हमेशा दृश्य की ओर ही खिंचा रहता है। उसे दृश्य से वापस लेने या प्रत्याहार के लिए हमारे द्वारा सजग चेष्टा जरूरी होती है। गीता की मानें तो उसके लिए गहन अभ्यास और दृश्य विषय के प्रति आकर्षण कम करना होगा। उसके साथ बर्ताव तो करना होगा, पर आँख मूँदकर नहीं बल्कि विवेक के साथ। उसके साथ हमें अनासक्त भाव से व्यवहार करना होगा। आँख,कान, नाक आदि स्वभाव वश देखने, सुनने और सूंघने का काम तो करेंगे पर क्या और कितना देखें, सुनें और सूंघें यह इन ज्ञानेन्द्रियों पर या बाहर उपस्थित विषयों पर नहीं छोड़ा जा सकता। यह यांत्रिक ढंग से (मैकेनिकली) नहीं चलना चाहिए। आज जिस तरह बाजार हमारी जरूरतों को बता रहा है और हमें निर्देशित कर रहा है, वह सबके अनुभव का विषय है।

भौतिक दुनिया के हमारे ज्ञान और आविष्कार की बदौलत आज हमारा दृश्य जगत तीव्र गति से अत्यंत गतिशील और निरंतर बदलने वाला होता जा रहा है। उसे देख और उससे जुड़ने के बाद जो रोमांच होता है वह हमें अस्थायी दृश्य में सत्य के आभास देने के साथ उसे और दृढ़ता से बाँधने वाला होता जा रहा है। आगे आने बदले दृश्यों की श्रृंखला की कल्पना हमें उसकी अनित्यता, अस्थायित्व या मिथ्यापन को ढँक लेती है।

सूडोकु नवताल- 7830

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7829 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

यूपी की सियासत में तीसरा मोर्चा का 'खेला'

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति का मिजाज इन दिनों फिर से करवट ले रहा है। लखनऊ की गलियों से लेकर दिल्ली के राजनीतिक गलियारों तक, चर्चा इस बात की है कि क्या 2027 के विधानसभा चुनाव में मतदाता केवल दो विकल्पों के बीच सिमट कर रह जाएंगे, या फिर एक तीसरा विकल्प इतिहास लिखने को तैयार है। स्वामी प्रसाद मौर्य, चंद्रशेखर आजाद 'रावण' और असदुद्दीन ओवैसी ये तीन नाम आज प्रदेश की सियासत में 'त्रिकोण' बनाने की संभावनाओं को हवा दे रहे हैं। यह महज कोई सामान्य गठबंधन की कवायद नहीं, बल्कि उन जातीय और सांप्रदायिक समीकरणों को फिर से बुनने की कोशिश है, जिन्होंने दशकों से उत्तर प्रदेश की सत्ता की धुरी तय की है। स्वामी प्रसाद मौर्य, जिन्होंने अपनी पूरी राजनीतिक जीवन यात्रा मायावती से लेकर अखिलेश और योगी के साथ गुजारने के बाद अब 'लोक मोर्चा' के झंडे तले अपना नया घर बनाया है, वे अब एक ऐसे मास्टरस्ट्रोक की तलाश में हैं जो उन्हें सत्ता की दहलीज तक ले जाए। मौर्य का अनुभव प्रदेश के उस 'ओबीसी' वोट बैंक की नस-नस से वाकिफ है, जिसे कभी सपा तो कभी भाजपा अपना गढ़ मानती रही है। उनका यह तर्क कि 'जनसंख्या के अनुपात में हिस्सेदारी' ही राजनीति का असली मंत्र है, उन्हें हाशिए पर खड़े उन छोटे दलों के लिए एक मसीहा के रूप में पेश कर रहा है जो बड़ी पार्टियों में खुद को खोया हुआ महसूस करते थे। लेकिन, राजनीति केवल दावों से नहीं चलती। इस गणित में सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बनकर उभरे हैं चंद्रशेखर आजाद। नगीना लोकसभा सीट पर जो चमत्कार आजाद ने किया, उसने न केवल मायावती की बसपा की नींव हिला दी, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि दलित राजनीति अब एक नए चेहरे की तलाश में है। नगीना में जब आजाद ने 51 फीसदी वोट के साथ भाजपा के किले को ढहाया, तो यह महज एक जीत नहीं थी, यह दलित-मुस्लिम गठजोड़ की वह ताकत थी जिसने यूपी के पुराने सियासी पंडितों को भी सोचने पर मजबूर कर दिया।

अब सवाल यह है कि क्या स्वामी प्रसाद मौर्य का ओबीसी अनुभव, आजाद का दलित जनाधार और ओवैसी की मुस्लिम मुखरता मिलकर एक ऐसा 'डिस्कंपोर्ट' पैदा कर पाएंगे जो सत्ता के इन दो बड़े ध्रुवों को हिला दे? ओवैसी की एंट्री इस समीकरण में एक ऐसा तड़का है जो सीधे तौर पर अखिलेश यादव के परंपरागत मुस्लिम वोट बैंक में सेंध लगाने की क्षमता रखता है। बहराइच की मतेरा सीट से ओवैसी का चुनावी शंखनाद करना महज इत्तेफाक नहीं था। उन्होंने साफ कर दिया है कि मुसलमान अब किसी भी पार्टी का 'वोट बैंक' नहीं, बल्कि 'हिस्सेदार' है। जब ओवैसी कहते हैं कि वे बराबरी की बात करेंगे, तो उनका इशारा स्पष्ट होता है कि वे किसी भी गठबंधन में जूनियर पार्टनर बनकर रहने को तैयार नहीं हैं।राजनीति की बिसात पर यह तीसरा मोर्चा जितना आकर्षक दिखता है, जमीनी हकीकत उतनी ही पेचीदा है। उत्तर प्रदेश की चुनावी फिजा में जब भी विपक्ष बंटा है, भाजपा को उसका सीधा लाभ मिला है। 2024 के लोकसभा परिणामों को देखें तो यह स्पष्ट है कि ध्रुवीकरण की राजनीति ने किस तरह से परिणामों को एकतरफा झुकाया। यदि मौर्य, आजाद और ओवैसी का गठबंधन वाकई जमीन पर उतरता है, तो इसका सबसे बड़ा नुकसान किसे होगा? राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 'पीडीए' का नारा देने वाली समाजवादी पार्टी के लिए यह सबसे बड़ी सिरदर्द बन सकता है। जो वोट बैंक कभी सपा की मजबूती हुआ करता था, वही अब इन तीनों के आने से बिखरता हुआ दिखाई देता है। लेकिन क्या यह बिखराव अंततः भाजपा को एक और बड़ी जीत की राह दिखाएगा, या फिर यह तीसरा मोर्चा वास्तव में एक 'किंगमेकर' की भूमिका निभा पाएगा?

स्वामी प्रसाद मौर्य की राजनीतिक यात्रा किसी रोमांचक फिल्म से कम नहीं रही है। उन्होंने हर उस विचारधारा को जिया है जिसका प्रदेश की सियासत पर गहरा असर रहा है। आज जब वे खुद को मुख्यमंत्री पद का दावेदार पेश कर रहे हैं, तो लोग उनके पुराने फैसलों पर भी सवाल उठा रहे हैं। क्या जनता उनके साथ है, या वे केवल छोटे दलों का एक समूह बनाकर अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बचाए रखने की कोशिश कर रहे हैं? वहीं दूसरी ओर, चंद्रशेखर आजाद की युवा ऊर्जा उन्हें दलितों के बीच एक नया चेहरा बनाती है, लेकिन क्या वे इस ऊर्जा को पूरे यूपी के बड़े दायरे में फैला पाएंगे, यह समय की सबसे बड़ी चुनौती है।इस खेल में सबसे दिलचस्प बात यह है कि ये तीनों नेता अपने-अपने क्षेत्र में प्रभावशाली तो हैं, लेकिन पूरे राज्यव्यापी स्तर पर एक मजबूत संगठन खड़ा करना एक अलग ही चुनौती है। ओवैसी का 'एआईएमआईएम' फैक्टर, जिसे अक्सर भाजपा की 'बी-टीम' होने का आरोप झेलना पड़ता है, इस गठबंधन के लिए एक दोधारी तलवार की तरह है। एक तरफ यह उन्हें मुस्लिम वोटों में पैठ दिलाता है, तो दूसरी तरफ सामान्य मतदाताओं के बीच एक ध्रुवीकरण का डर भी पैदा करता है। अगर यह मोर्चा बनता है, तो 2027 के चुनाव में वोट प्रतिशत का जो गणित होगा, वह यकीनन पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ देगा। भाजपा के लिए यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वह अपने पुराने 'हिंदुत्व' के फॉमूर्ले पर टिकी रहेगी या इन छोटे दलों के उभरते प्रभाव को रोकने के लिए अपनी रणनीति में कोई नया बदलाव करेगी।

अतीत की ओर देखें तो उत्तर प्रदेश ने कई बार तीसरे मोर्चे की कोशिशें देखी हैं, लेकिन अधिकांश समय ये प्रयोग केवल वोट काटने वाली मशीनों तक सीमित रह गए। हालांकि, इस बार का परिदृश्य थोड़ा अलग है।

दैनिक पंचांग

19 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

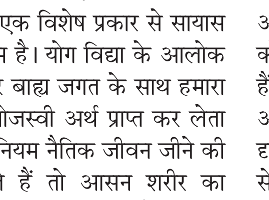

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	कर्क में
मंगल	मेष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	05.00 बजे से
कर्क	07.17 बजे से
सिंह	09.33 बजे से
कन्या	11.45 बजे से
तुला	13.56 बजे से
वृश्चिक	16.10 ब.से
धनु	18.26 बजे से
मकर	20.31 बजे से
कुंभ	22.18 बजे से
मीन	23.51 बजे से
मेष	01.21 बजे से
वृष	03.01 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 170 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पंचमी 17.00 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 10.07 बजे को समाप्त। **योग** हर्षण 14.54 बजे को समाप्त। **करण** बव 05.54 बजे, बालव 17.00 बजे तदनन्तर कौलव 04.18 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 3.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 25' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872745 **जूलियन दिन** 2461210.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 03 **विशेष** स्कन्द षष्ठी।

दिन का चौघड़िया				
चर	05.55	से	07.23	बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51	बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19	बजे तक
काल	10.19	से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15	बजे तक
रोग	01.15	से	02.43	बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10	बजे तक
चर	04.10	से	05.38	बजे तक

रात का चौघड़िया				
रोग	05.38	से	07.1	बजे तक
काल	07.11	से	08.43	बजे तक
लाभ	08.43	से	10.15	बजे तक
उद्वेग	10.15	से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से	01.19	बजे तक
अमृत	01.19	से	02.51	बजे तक
चर	02.51	से	04.23	बजे तक
रोग	04.23	से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

हाईकोर्ट में 500-400 मीटर नियम पर सुनवाई टली, प्रदूषण बोर्ड ने मांगा चार हफ्ते का समय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड में पत्थर कारोबार की किस्मत का फैसला गुरुवार को अपराह्न 2:15 बजे होना था,लेकिन अंतिम आदेश पारित नहीं हो सका। झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जवाब दाखिल करने के लिए 4 सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा,जिसे हाईकोर्ट की मुख्य खंडपीठ ने स्वीकार कर लिया। अब इस मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी। मुख्य न्यायाधीश महेश शरदचंद्र सोनक और न्यायाधीश राजेश शंकर की खंडपीठ ने 16 अप्रैल को दिए अंतरिम आदेश पारित कर कहा था कि वन भूमि की सीमा से पत्थर खन के लिए 500 मीटर और स्टोन क्रशर लगाने के लिए 400 मीटर की न्यूनतम दूरी अनिवार्य होगी। प्रदूषण बोर्ड ने 2015 और 2017 में इस दूरी को घटाकर 250 मीटर कर दिया था,जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। यह नियम राज्य के सभी 24 जिलों पर लागू होगा।अंतरिम आदेश के बाद से पत्थर-क्रशर उद्योग में हड़कंप मचा है। कारोबारियों का कहना है कि यदि फैसला बरकरार रहा तो सैकड़ों खन पट्टे और क्रशर लाइसेंस रद्द हो जाएंगे। अरबों का निवेश डूबने, हजारों मजदूरों के बेरोजगार होने और गिट्टी के दाम बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। इसका सीधा असर निर्माण क्षेत्र पर पड़ेगा। वहीं पर्यावरण प्रेमियों ने हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश का स्वागत किया है। चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण प्रेमी सैयद अरशद नसर ने इसे झारखंडवासियों की ऐतिहासिक जीत बताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला वन संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा और जल,वायु तथा ध्वनि प्रदूषण पर दीर्घकालिक नियंत्रण मिलेगा।

हाईकोर्ट ने 16 अप्रैल के अंतरिम आदेश में सभी पक्षों को 12 जून तक अपना पक्ष रखने की छूट देते हुए अंतिम आदेश के लिए 18 जुन की तारीख निर्धारित की थी। निर्धारित तिथि पूरी होने के बाद गुरुवार को सुनवाई हुई,लेकिन प्रदूषण बोर्ड के द्वारा समय मांगने से आदेश टल गया। सुनवाई की तिथि आगे बढ़ने से सरकार और खदान-क्रशर कारोबारियों ने राहत की सांस ली,जबकि पर्यावरण कार्यकताओं में मायूसी देखी गई। अब सबकी निगाहें 30 जुलाई की सुनवाई पर टिकी हैं। हाईकोर्ट यदि 16 अप्रैल के अंतरिम आदेश को बरकरार रखता है तो राज्य के सैकड़ों स्टोन खदान और क्रशर पर ताला लगना तय माना जा रहा है।

चलती ट्रेन से गिरकर युवक गंभीर रूप से घायल, प्राथमिक उपचार के बाद रेफर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : पाकुड़ से बरहरवा की ओर आ रही ट्रेन से गिरकर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना बुधवार को नील केबिन के समीप हुई, जहां ट्रेन के गेट के पास खड़ा युवक अचानक संतुलन खो बैठा और नीचे गिर गया। मिली जानकारी के अनुसार घायल युवक की पहचान एमडी समीम अंसारी (18 वर्ष) के रूप में हुई है, जो ठाकुरगंगटी थाना क्षेत्र, जिला गोड्डा का निवासी बताया जा रहा है। बताया जाता है कि वह पाकुड़ से बरहरवा की ओर ट्रेन से यात्रा कर रहा था। इसी दौरान नील केबिन के पास ट्रेन से गिरने के कारण उसे गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद उसके साथ मौजूद मित्रों ने तत्काल उसे उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बरहरवा पहुंचाया। घायल को अस्पताल लाने वाले उसके मित्र एमडी इम्तियाज ने चिकित्सकों को घटना की जानकारी दी। सीएचसी बरहरवा में चिकित्सकों ने घायल युवक का प्राथमिक उपचार किया। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उसे उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया।

बिजली की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने किया सड़क जाम, पुलिस की पहल पर हटा जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहरवा प्रखंड के सतगाछी पंचायत अंतर्गत श्यामपुर (कुकुर डुब्बा) गांव में बिजली व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त और चरमराई हुई है। जिससे ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है। परेशान होकर ग्रमीणों ने सड़क जाम कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले 10 से 12 दिनों से गांव में बिजली पूरी तरह बाधित रही,जिससे गाँव में स्थित करीब 70 घर अंधेरे में डूबे रहे। बिजली नहीं रहने की वजह से बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के साथ साथ सुरक्षा भी बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे लोगों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। ग्रमीणों के कोशिशों के बाद बाद 25 केवी का ट्रांसफार्मर लगाया गया, लेकिन ट्रांसफार्मर लगने के बाद भी गांव के सभी घरों तक बिजली सही

तरीके से नहीं पहुंच पा रही है,जबकि बिजली विभाग के कर्मचारियों को उसी वक़्त समाधान करने की आवश्यकता थी परन्तु ऐसा नहीं हुआ।समस्या से नाराज और आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया था, जिसके बाद बरहरवा थाना पुलिस की मौके पर पहुँची पुलिस की पहल पर ग्रामीणों को समझा बुझा कर जाम को हटवाया गया। वहीं बरहरवा बिजली विभाग के एसडीओ सत्यम मरांडी ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि 2 दिनों के अंदर इस समस्या का समाधान कर लिया जाएगा।

तीन दिवसीय विशेष प्रमाण-पत्र शिविर सफलतापूर्वक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिला प्रशासन, पाकुड़ द्वारा आमजन को उनके पंचायत स्तर पर ही आवश्यक प्रमाण- पत्र संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 15 जून से 17 जून 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय विशेष प्रमाण-पत्र शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। जिले के सभी अंचलों में आयोजित इस विशेष अभियान के दौरान ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए बड़ी संख्या में जाति, आवासीय एवं आय प्रमाण- पत्र के लिए आवेदन जमा किए। शिविर के दौरान जिलेभर से कुल 17,401 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 7,792 जाति प्रमाण-पत्र, 9,039 आवासीय प्रमाण-पत्र एवं 570 आय प्रमाण-पत्र के आवेदन शामिल हैं। प्राप्त आवेदनों में से 928 जाति प्रमाण-पत्र, 469 आवासीय प्रमाण-पत्र तथा 82 आय प्रमाण-पत्र आवेदनों का निष्पादन किया गया। इस प्रकार कुल 1,479 आवेदनों का निष्पादन किया गया है। वहीं शेष लंबित आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया संबंधित अंचलों द्वारा प्राथमिकता के आधार पर निरंतर जारी है। विशेष शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों को सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर से राहत दिलाना तथा पंचायत स्तर पर ही महत्वपूर्ण नागरिक सेवाएं सुलभ कराना था। शिविरों में अंचल अधिकारियों, राजस्व कर्मियों, पंचायत सचिवों, जनप्रतिनिधियों एवं स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए ग्रामीणों को आवेदन प्रक्रिया में आवश्यक सहयोग प्रदान किया। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने विशेष अभियान की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का त्वरित एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन आमजन को सरल, सुलभ, पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

योग दिवस को लेकर विद्यार्थियों को कराया जा रहा योग्याभ्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले विश्व योग दिवस को लेकर प्रखंड क्षेत्र के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। शिक्षा विभाग के निर्देश एवं निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार विद्यालयों में शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को नियमित रूप से योगाभ्यास कराया जा रहा है, ताकि योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित किया जा सके। इसी क्रम में गुरुवार को उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय बड़तला नयाटोला, बेलभदरी प्रधान टोला, महादेवरण कोड़ा टोला, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय गांधीनगर, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय बड़तला प्रधान टोला सहित अन्य विद्यालयों में योगाभ्यास सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम की विधियों की जानकारी दी तथा योग के महत्व पर प्रकाश डाला। शिक्षकों ने बताया कि योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का प्रभावी माध्यम है। मौके पर शिक्षिका कुमारी संगीता, स्वर्ण कुमारी, चंद्रकांत ठाकुर, राकेश, रंगीता कुमारी, मनोज पंडित, प्रेमलता कुमारी सहित अन्य शिक्षकों ने योगाभ्यास में भाग लिया।

पाकुड़ में मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित, सभी थाना प्रभारियों को दिए गए आवश्यक निर्देश

मुहर्रम को लेकर पुलिस अलर्ट, अपराध नियंत्रण व सड़क सुरक्षा पर विशेष जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पाकुड़ के सभागार में गुरुवार को पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह की अध्यक्षता में मई माह की मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पाकुड़ एवं महेशपुर, सभी पुलिस निरीक्षक, थाना एवं ओपी प्रभारी तथा शाखा प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने आगामी मुहर्रम पर्व-2026 को शांतिपूर्ण एवं

सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर विशेष दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने सभी थाना एवं ओपी प्रभारियों को शांति समिति की बैठक आयोजित करने, असामाजिक तत्वों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई करने, संवेदनशील एवं धार्मिक स्थलों की नियमित निगरानी करने तथा जुलूस मार्गों का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही सीसीटीवी एवं वीडियोग्राफी के माध्यम से निगरानी रखने तथा पर्याप्त सुरक्षा बलों की तैनाती करने को कहा गया। गोष्ठी में पॉक्सो एक्ट, आईटी एक्ट तथा एनडीपीएस एक्ट से संबंधित लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन, लंबित वारंट एवं कुर्की मामलों को शीघ्र निपटाने पर भी बल दिया गया। समीक्षा के दौरान बताया गया कि मई माह में जिले में कुल 109 मामले दर्ज हुए, जबकि 111 मामलों का निष्पादन किया गया। पुलिस अधीक्षक ने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए सभी थाना प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नियमित वाहन जांच अभियान चलाने, हेलमेट, सीट बेल्ट, वाहन पंजीकरण एवं बीमा दस्तावेजों की जांच करने तथा नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। साथ ही सड़क दुर्घटना से संबंधित मामलों की प्रविष्टि ई-डार पोर्टल पर सुनिश्चित करने को कहा गया।

एक नजर

बच्चों के विवाद में दो पक्ष भिड़े, महिला समेत दो घायल

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बड़ी कोदरजन्ना में गुरुवार को बच्चों के विवाद में दो पक्ष में जमकर मारपीट हो गई। इसमें एक पक्ष के पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। घायल बड़ी कोदरजन्ना निवासी शेख रब्बानी व पत्नी रिजवाना बीबी है। घायल महिला ने दूसरे पक्ष के फुच्चो, गुलशेठ खान, अंधों बीबी, आलम, अरबाज खान, बुद्ध खान, जुली खातून, रुही खातून, मुन्नी खातून पर मारपीट का आरोप लगाते हुए बताया कि बच्चों के बीच में खेलने के दौरान झगड़ा हुआ। इस पर दूसरे पक्ष के लोगों ने उसके बच्चा को मारने लगा। इसका विरोध करने पर उनलोगों ने लाठी डंडा से प्रहार कर उसका पति को गंभीर रूप से घायल कर दिया। बीच बचाव के लिए वे गई तो उसके साथ भी मारपीट की गई है। वही पति के सिर में गंभीर चोट लगी है। इधर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बेहड़ा मोड़ पर 16 चक्का टेलर ट्रक दुर्घटनाग्रस्त, बाल-बाल बचा चालक

साहिबगंज: जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के तीनपहाड़ बोरियो मुख्य सड़क के बेहड़ा मोड़ के समीप गुरुवार को एक हाइवा टेलर ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया जानकारी के अनुसार एक सोलह चकिया टेलर ट्रक बीआर 06 जीएच 5951 माल खाली कर बोरियो की तरफ जा रहा था जैसे ही बेहड़ा मोड़ के नीचे आया तो उक्त चालक का संतुलन बिगड़ने के कारण वाहन का आगे का केबिन मुड़ गया और डाला बॉडी रस्ते के बीचों बीच खड़ा रहा। हालांकि की इस घटना में किसी का हताहत होने की कोई सूचना प्राप्त नही हुई हैं वही इसकी सूचना पर तीनपहाड़ थाना पुलिस ने स्थल पर पहुँच कर मामले की जांच में जुटी थी।

ऑटो के चपेट में आने से बच्ची घायल

साहिबगंज: जिले के बोरियो हरिणचरा मोड़ के समीप ऑटो के चपेट में आने से चार साल की बच्ची घायल हो गयी। मिली जानकारी के अनुसार एक टेम्पू पाकुड़ से तीनपहाड़ की ओर जा रहा था। हरिणचरा मोड़ के पास हरिणचरा गांव की एक बच्ची रूसिका मुर्मू (4) अपने घर से निकल कर दौड़ कर सड़क पार करने के क्रम में ऑटो के चपेट में आ जाने से घायल हो गयी। रूसिका की दादी सड़क पार दुकान से समान खरीदने गयी थी। दादी के पीछे बच्ची रूसिका भी दौड़ गयी। परिजनों ने घायल बच्ची को ईलाज के लिए बोरियो सीएससी में भर्ती कराया। जहां मौके पर उपस्थित डॉ. सुदामा साह एवं डॉ. पंकज कुमार ने बच्ची का ईलाज किया।

भूलवश जहरीला पदार्थ खाने से युवक की हालत बिगड़ी

साहिबगंज: जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के मस्तापुर जोंका गांव में खेती में उपयोग किए जाने वाले जहरीले पदार्थ का सेवन कर लेने से एक युवक की तबीयत बिगड़ गई। वहीं आनन-फानन में परिजनों ने उसे इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल में भर्ती कराया। मिली जानकारी के अनुसार मस्तापुर जोंका निवासी बलराम साहा का पुत्र राहुल साहा (18) ने घर में रखा खेती में इस्तेमाल होने वाला जहरीला पदार्थ भूलवश खा लिया। कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद परिजन उसे लेकर अनुमंडल अस्पताल पहुंचे। ड्यूटी पर मौजूद डॉ. कुमार सौरभ ने युवक को भर्ती कर उसका इलाज शुरू किया। डॉ० की देखरेख में इलाज जारी है। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

संक्षिप्त खबरें

अमड़ापाड़ा में आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा 16 ग्राम सभाओं में वाद्य यंत्रों का हुआ वितरण

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले अंतर्गत अमड़ापाड़ा प्रखंड की 16 ग्राम सभाओं में बुधवार को प्रधान, मुखिया एवं पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आईटीडीए (समेकित जनजाति विकास अभिकरण) द्वारा प्रदत्त पारंपरिक वाद्य यंत्रों का वितरण किया गया। मुख्य बिंदु आयोजक : आईटीडीए पाकुड़ द्वारा संचालित आदिवासी सांस्कृतिक संरक्षण योजना के तहत वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। उपस्थिति : कार्यक्रम में अमड़ापाड़ा की सभी 16 ग्राम सभाओं के प्रधान, मुखिया, वार्ड सदस्य तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण कलाकार शामिल रहे। वितरित सामग्री : मांदर, ढोल, नगाड़ा, बांसुरी, शहनाई सहित अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्र ग्राम सभा समितियों को सौंपे गए। आईटीडीए अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य संथाल, पहाड़िया सहित अन्य जनजातीय समुदायों की विलुप्त हो रही संगीत परंपरा को पुनर्जीवित करना तथा युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ना है। वाद्य यंत्रों से स्थानीय पर्व-त्योहार, सोहराय, बाहा, करम पूजा जैसे अवसरों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को बढ़ावा मिलेगा। मौके पर उपस्थित मुखिया गयालाल देहरी ने कहा, सरकार की यह पहल सराहनीय है। गांव के अखाड़ों में अब फिर से मांदर की थाप गूंजेगी। इससे हमारे बच्चे अपनी जड़ों से जुड़ेंगे। ग्राम प्रधानों ने वाद्य यंत्रों के रख-रखाव तथा नियमित रियाज की जिम्मेदारी ली। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता ने बताया कि पाकुड़ जिला आदिवासी बहुल क्षेत्र है। ऐसे में पारंपरिक कला और संगीत को बचाने के लिए चरणबद्ध तरीके से सभी प्रखंडों में वाद्य यंत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अमरापाड़ा के बाद लिट्टीपाड़ा और महेशपुर प्रखंडों में भी जल्द वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में स्थानीय कलाकारों संग पदाधिकारियों ने मांदर-ढोल की प्रस्तुति देकर समा बांध दिया। ग्रामीणों ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भागीदारी निभाई।

गोचर भूमि को अवैध अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया

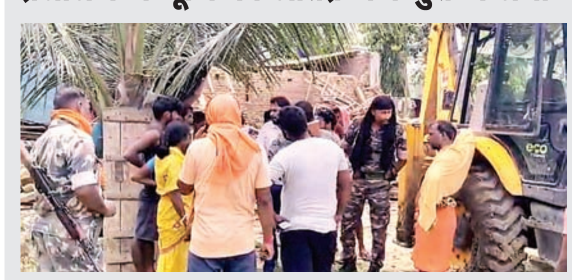

साहिबगंज: जिले के राजमहल अंचल क्षेत्र के खुटहरी मौजा स्थित दाग नंबर 624 की गोचर भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए भूमि को अतिक्रमण मुक्त करा दिया। मिली जानकारी के अनुसार उक्त गोचर भूमि की कुल रकबा 3 बीघा 15 कट्ठा है, जिस पर राजीन साहा द्वारा कथित रूप से अवैध कब्जा कर मकान का निर्माण कर लिया गया था।अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल के निर्देश पर अंचल प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए अंचल निरीक्षक (सीआई) सह दंडाधिकारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में राजमहल थाना पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। इस दौरान जेसीबी मशीन की सहायता से अवैध रूप से निर्मित मकान को ध्वस्त कर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी एवं सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही भविष्य में भी अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान जारी रखने की बात कही गई है।

12 चकिया वाहन असंतुलित होकर पलटा

साहिबगंज: जिले के तालझारी थाना क्षेत्र के बैकचुरी के क्रमश प्लांट के समीप गर्दी लदा एक बारह चक्कियां वाहन पलट गया। वहीं चालक बाल-बाल बच गया व मौके पर से चालक फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की दोपहर एक बारह चक्कियां वाहन डब्लू बी 65 सी 2003 जो किसी क्रशर प्लांट से गर्दी लौड कर क्रशर प्लांट से नीचे उतर रहा था कि इसी दौरान असंतुलित होकर वाहन पलट गया,हालांकि इस घटना से किसी प्रकार का हताहत की सुचना नहीं है। वाहन को जेसीबी के द्वारा उठाया जा रहा था।

बरहरवा हाई स्कूल शुक्रवासनी में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंज: जिले के बरहरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत शुक्रवासनी उच्च विद्यालय में नशा मुक्ति एवं नशा उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान पुलिस पदाधिकारियों एवं विद्यालय के शिक्षकों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि नशे की लत व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी देश का भविष्य है और उन्हें किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद तथा रचनात्मक गतिविधियों में अपना समय लगाना चाहिए। छात्रों को शराब, तंबाकू, गुटखा, सिगरेट एवं अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों और सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज में भी कई तरह की समस्याओं को जन्म देता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नशा मुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की शपथ दिलाई गई। उन्हें अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करने का संदेश दिया गया। विद्यालय प्रबंधन ने इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों को समय-समय पर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है और वे समाज में सकारात्मक बदलाव के वाहक बन सकते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, पुलिस पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

एक नजर

प्रथम प्रयास में सीए फाइनल उत्तीर्ण कर मिहिर ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

कसमार : कसमार प्रखंड के खैराचातर निवासी मिहिर कुमार जायसवाल ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) फाइनल परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस सफलता से परिवार, गांव और पूरे प्रखंड में खुशी का माहौल है। मिहिर, खैराचातर के प्रतिष्ठित व्यवसायी मोतीलाल जायसवाल एवं आशा देवी के पुत्र तथा क्षेत्र के सुप्रसिद्ध व्यवसायी स्वर्गीय कमल प्रसाद भगत के पौत्र हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा बोकारो के जीजीपीएस से प्राप्त की और बाद में कोलकाता में रहकर सीए की तैयारी की। कड़ी मेहनत, अनुशासन और समय प्रबंधन के बल पर मिहिर ने यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। उनकी सफलता न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे खैराचातर और कसमार प्रखंड के लिए गर्व का विषय बन गई है। मिहिर ने साबित किया है कि स्पष्ट लक्ष्य, निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास के दम पर ग्रामीण एवं छोटे शहरों के युवा भी बड़ी सफलताएं प्राप्त कर सकते हैं। उनकी उपलब्धि क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

तेनुघाट जलाशय में छाई डंपिंग पर बढ़ा विवाद कार्रवाई की मांग

तेनुघाट : तेनुघाट बांध प्रमंडल की कड़ी आपत्ति के बावजूद तेनुघाट थर्मल पावर स्टेशन (टीटीपीएस) प्रबंधन द्वारा डेम क्षेत्र में छाई डंपिंग जारी रहने से विवाद गहरा गया है। बांध प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुजूर ने कहा कि छाई पानी के साथ बहकर तेनुघाट जलाशय में पहुंच रही है, जिससे जल प्रदूषण का खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि डेम सेफ्टी एक्ट-2021 के तहत डैम क्षेत्र में छाई डंप करना दंडनीय अपराध है। बांध प्रमंडल ने 15 जून 2026 को पत्र भेजकर टीटीपीएस प्रबंधन को डंप की गई छाई हटाने का निर्देश दिया था तथा इसकी प्रतिलिपि जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को भी भेजी गई है। इसके बावजूद डंपिंग नहीं रुकी है। तेनुघाट विस्थापित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष उमाचरण रजवार और लखीराम मांझी ने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा कि जलाशय का पानी बोकारो स्टील प्लांट सहित कई पेयजल योजनाओं में उपयोग होता है।

वेतन भुगतान में देरी से शिक्षकों में आक्रोश आंदोलन की चेतावनी

कसमार: ट्रेजरी घोटाले की जांच के नाम पर पिछले लगभग तीन माह से लंबित वेतन भुगतान को लेकर शिक्षकों में भारी नाराजगी है। झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ एवं झारखंड +2 शिक्षक संघ, जिला बोकारो ने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन कर वेतन भुगतान की मांग उठाने का निर्णय लिया है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि वेतन नहीं मिलने के कारण हजारों शिक्षक आर्थिक, मानसिक और सामाजिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। दैनिक खर्च, बच्चों की फीस, माता-पिता के इलाज तथा बैंक ईएमआई का भुगतान करना कठिन हो गया है। बार-बार मांग करने के बावजूद केवल आश्वासन मिल रहा है, जबकि वेतन भुगतान अब तक नहीं हुआ है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि दो दिनों के भीतर नियमित रूप से लंबित वेतन का भुगतान नहीं किया गया तो झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ एवं झारखंड +2 शिक्षक संघ के बैनर तले हजारों शिक्षक अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करने को बाध्य होंगे।

एसपी की क्राइम मीटिंग में लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू एसपी कपिल चौधरी ने गुरुवार को जिले के पुलिस अधिकारियों के साथ क्राइम मीटिंग कर अपराध नियंत्रण के लिए ठोस कार्रवाई व लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया। उन्होंने साइबर अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी व कानून-व्यवस्था से जुड़े मुद्दों की गहन समीक्षा की। पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। बैठक में जिले के सभी एसडीपीओ, पुलिस इंस्पेक्टर व थाना प्रभारी मौजूद रहे। बैठक में वर्षों से लंबित कांडों की थाना वार समीक्षा की गई। एसपी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि पुराने मामलों के निष्पादन में तेजी लाएं। किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। साथ ही सक्रिय अपराधियों का 10 वर्षों का आपराधिक रिकॉर्ड अद्यतन रखने को कहा, ताकि उनकी गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके। उन्होंने नशा कारोबार व साइबर अपराध के खिलाफ सभी थानों को विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया।

दफकोड लागू नहीं करने वाले थानों को हिदायत

एसपी ने पुलिस विभाग के दफकोड स्कैनिंग कार्यक्रम की भी समीक्षा की। समीक्षा में पाया गया कि हरिहरगंज, पाटन व तरहसी थाना में अब तक इस व्यवस्था की शुरूआत नहीं हुई है। एसपी ने संबंधित थाना प्रभारियों को हिदायत देते हुए दफकोड प्रणाली जल्द लागू करने का निर्देश दिया।

बॉर्डर सीलिंग व चेकपोस्ट व्यवस्था होगी और मजबूत

सीमावर्ती क्षेत्रों से अपराधियों की आवाजाही रोकने और किसी बड़ी घटना के बाद त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए बॉर्डर सीलिंग व्यवस्था को और सशक्त बनाने पर चर्चा हुई। जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में लगभग 30 चेक प्वाइंट चिह्नित किए गए हैं। इसके अलावा पांच प्रमुख चेकपोस्टों को सक्रिय रखते हुए ऐसी व्यवस्था विकसित की जा रही है कि किसी भी आपराधिक घटना के बाद तत्काल नाकेबंदी कर संदिग्धों को पकड़ा जा सके।

गुंडा पंजी तैयार कर अपराधियों की होगी निगरानी

एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को गुंडा पंजी तैयार करने और उसे अद्यतन रखने का निर्देश दिया। कहा कि आदतन अपराधियों, भूमि विवादों में शामिल तत्वों व असामाजिक गतिविधियों में लिप्त लोगों का पूरा रिकॉर्ड थानों में उपलब्ध रहना चाहिए। इससे अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखने और समय पर कार्रवाई करने में मदद मिलेगी।

स्टील प्लांट द्वारा टाउनशिप में नागरिक सुविधाओं एवं आधारभूत संरचना के विकास कार्य जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : स्टील प्लांट अपने टाउनशिप निवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं एवं गुणवत्तापूर्ण आधारभूत संरचना उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस क्रम में टाउनशिप की अधिकांश मुख्य सड़कों, सेक्टरों की आंतरिक सड़कों तथा परिधीय सड़कों की व्यापक मरम्मत एवं उन्नयन का कार्य किया गया है। यह प्रक्रिया अभी भी जारी है। हाल ही में सेक्टर 2सी, 2बी, 3ए, 3बी, 4जी, 6ए, 9ए एवं 9डी में लगभग 15 किलोमीटर सड़कों की मरम्मत अत्याधुनिक माइक्रो-सर्फेसिंग तकनीक के माध्यम से की गई है। इसके अतिरिक्त सेक्टर 2ए, 2बी, 2सी, 2डी, 3सी, 3डी, 5डी, 8बी, 9बी, 9डी, 11सी तथा 11डी में लगभग 11 किलोमीटर सड़कों का मरम्मत कार्य भी सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। इसके अतिरिक्त चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक लगभग 8 किलोमीटर सड़कों पर माइक्रो-सर्फेसिंग तथा लगभग 10 किलोमीटर सड़कों की बिटुमिनस (डामर) मरम्मत किए जाने की योजना है।

आवासीय परिसरों के रखरखाव एवं सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से सेक्टर 8ए एवं 11ए में आवासीय भवनों की बाहरी मरम्मत का कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। उल्लेखनीय है कि पिछले दो वर्षों में टाउनशिप के विभिन्न सेक्टरों के 800 से अधिक आवासीय ब्लॉकों में बाहरी मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य पूरा किया जा चुका है। साथ ही चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक लगभग 500 अतिरिक्त आवासीय ब्लॉकों में बाहरी मरम्मत कार्य की योजना पर कार्य किया जा रहा है। निवासियों को निर्बाध एवं स्थिर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से टाउनशिप में दो नए विद्युत उपकेंद्र (सब-स्टेशन) स्थापित किए गए हैं, जिनमें एक सेक्टर 4ए तथा दूसरा सेक्टर 9 में स्थित है।

नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत रस्साकसी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिला खेल कार्यालय द्वारा कर्जन मैदान, हजारीबाग में बालक एवं बालिका वर्ग की रस्साकसी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न खेल प्रशिक्षण केंद्रों, आवासीय खेल प्रशिक्षण केंद्रों, खेल अकादमियों तथा सेना, पुलिस एवं होमगार्ड भर्ती की तैयारी करने वाले युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में लगभग 500 से अधिक युवाओं एवं खिलाड़ियों की सहभागिता रही, जबकि 6 से 7 टीमों ने रस्साकशी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी श्री कैलाश राम ने उपस्थित युवाओं को नशा मुक्ति का संदेश देते हुए कहा कि खेल ही युवाओं को नशे जैसी

सामाजिक बुराइयों से दूर रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने युवाओं से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्ति के प्रति जागरूक रहने तथा दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया। जिला खेल कार्यालय द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के तहत युवाओं को खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों से जोड़कर नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि नशा मुक्ति जागरूकता अभियान की शुरूआत 12 जून 2026 से प्रखंड स्तर पर की गई थी और यह अभियान 26 जून 2026 तक जिलेभर में संचालित किया जाएगा। इसके अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों में जागरूकता कार्यक्रम, खेल प्रतियोगिताएं एवं जनसंपर्क गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल में लर्निंग आउटकम और छात्र अनुशासन पर शिक्षक कार्यशाला का किया गया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर चार एफ में शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए लर्निंग आउटकम एवं आज के समय में बच्चों के बीच अनुशासनहीनता एक नई चुनौती विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। सत्र की शुरूआत प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस, रिसोर्स पर्सन अंग्रेजी विषय की शिक्षिका चंदा कुमारी सामाजिक विज्ञान विषय की शिक्षिका कंचन सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि स्कूली बच्चों में अनुशासन संबंधी समस्याओं का प्रबंधन आवश्यक है। यह एक संवेदनशील काम है। इसे धैर्य, स्पष्टता व सकारात्मक दृष्टिकोण से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लर्निंग आउटकम रटने की बजाय वास्तविक ज्ञान पर जोर दिता है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली में लर्निंग आउटकम का विशेष महत्व है। विद्यार्थी स्वयं की क्षमता का आकलन कर सकते हैं। अध्ययन -अध्यापन के प्रत्येक दिन हमारे पढ़ाने का उद्देश्य विद्यार्थियों ने क्या सीखा, इससे जुड़ा होना चाहिए अन्यथा हमारा पढाना निरर्थक होगा। रिसोर्स पर्सन चंदा कुमारी ने पाठ के उद्देश्य एवं बच्चों में लर्निंग आउटकम को विभिन्न उदाहरण के माध्यम से बताया। उन्होंने पाठ के उद्देश्य को बच्चों के बीच समझने के बाद उसे अपने व्यावहारिक जीवन में अपनाने सीखने पर विशेष बल दिया। आईसीटीआरसी के मनोवैज्ञानिक आदित्य नायर ने शिक्षक शिक्षिकाओं के बीच बच्चों के व्यवहार से होने वाली दिक्कतों पर अपने अनुभव साझा किया। साथ ही उसका निदान बताया। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया में क्लासरूम के अंदर बच्चों में बढ़ रही अनुशासनहीनता को शिक्षक अपने व्यवहार में शालीनता लाकर के दूर कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण सत्र में आईसीटीआरसी के प्रो. केशव सिंह ने आभासी माध्यम से जुड़कर शिक्षकों को विषय के अनुभव के साथ-साथ क्लास रूम में व्यावहारिक रूप से अनुभवी होने पर बल दिया। उन्होंने में कहा कि यदि शिक्षक व्यावहारिक रूप से अनुभवी होंगे, तो उनके क्लास में बच्चों में अनुशासनहीनता में बहुत कमी आएगी। बच्चों की बुनियादी आवश्यकताओं को समझते हुए बच्चों के व्यवहार के अनुसार अपनी बातों को रखने एवं बच्चों की बातों को सुनना जरुरी है। मनोवैज्ञानिक तरीके से बच्चों के व्यवहार में बदलाव लाया जा सकता है। रिसोर्स पर्सन कंचन सिंह ने इसे खेल-खेल में शिक्षक व शिक्षिकाओं के बीच प्रशिक्षण सत्र को काफी रुचिकर बना कर प्रस्तुत किया।

थाना प्रभारियों को एससी-एसटी एक्ट पर प्रशिक्षण

बोकारो : पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर जिले के सभी थाना प्रभारियों को एससी/एसटी अधिनियम, 1989 के प्रभावी अनुपालन को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य अनुसंधान प्रक्रिया को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और कानूनी रूप से सुदृढ़ बनाना था। प्रशिक्षण सत्र में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया, अनुसंधान, आरोप पत्र, गिरफ्तारी, जमानत, अपील, मुआवजा तथा पीड़ितों के अधिकारों से संबंधित प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने इस अधिनियम को पूरी संवेदनशीलता के साथ लागू करने पर विशेष बल दिया। इसके साथ ही सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 के अंतर्गत आने वाले अपराधों जैसे अस्पृश्यता, धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों पर जातिगत भेदभाव की स्थिति में त्वरित प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

ग्रामसभा में कोल परियोजना और रेलवे लाइन प्रभावितों की आवाज गूंजी, रोजगार व पुनर्वास की उठी मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : कोल परियोजना, एमडीओ ((Mine Developer & Operator) कार्य एवं रेलवे लाइन निर्माण से प्रभावित रैयतों, किसानों, मजदूरों एवं ग्रामीणों की एक विशाल ग्रामसभा का आयोजन 17 जून 2026 को ग्रामसभा अध्यक्ष डोमन महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुषों ने भाग लिया तथा क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं, स्थानीय अधिकारों, रोजगार, पुनर्वास एवं विकास संबंधी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। ग्रामसभा में वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र में संचालित कोल परियोजना एवं रेलवे लाइन निर्माण के कारण स्थानीय रैयतों की

जमीन, आजीविका एवं सामाजिक व्यवस्था प्रभावित हुई है। इसके बावजूद प्रभावित परिवारों को अपेक्षित रोजगार, पुनर्वास एवं बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। इसलिए स्थानीय जनता के अधिकारों की रक्षा करते हुए ही विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। ग्रामसभा को इन वक्ताओं ने संबोधित किया राजन करमाली, हेमलाल रजवार, नन्कू महतो, आकाश करमाली, शांति देवी, प्रवीण महतो (पचमो), सीताराम महतो, जीतू करमाली, हीरालाल महतो, जालेश्वर महतो (जमनीजारा), सुरेश महतो, रोहन राम, बुधन महतो, राधिका देवी, रुकमणि देवी, प्रवीण कुमार (हुड़दाग), धनेश्वर महतो (जमनीजारा) एवं गणेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि परियोजना प्रभावित ग्रामीणों के हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। वक्ताओं ने स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता, प्रभावित परिवारों को समुचित मुआवजा एवं पुनर्वास, तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के विकास की मांग की।

ग्रामसभा में पारित प्रमुख प्रस्ताव

ग्रामसभा में सर्वसम्मति से निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किए गए।

परियोजना एवं एमडीओ के सभी कार्यों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर स्थायी रोजगार दिया जाए।

प्रभावित रैयतों एवं विस्थापित परिवारों को नियमानुसार मुआवजा, पुनर्वास एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

परियोजना प्रभावित गांवों में सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का विकास किया जाए।

ग्रामसभा की सहमति एवं स्थानीय जनता के अधिकारों का सम्मान सुनिश्चित किया जाए।

प्रभावित परिवारों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए विशेष योजनाएं लागू की जाएं।

स्थानीय लोगों की समस्याओं के समाधान हेतु प्रशासन, कंपनी प्रबंधन एवं जनप्रतिनिधियों के साथ शीघ्र वार्ता की जाए।

संक्षिप्त खबरें

चास रजिस्ट्री ऑफिस में बड़ा खतरा टला शॉर्ट सर्किट से कामकाज ठप

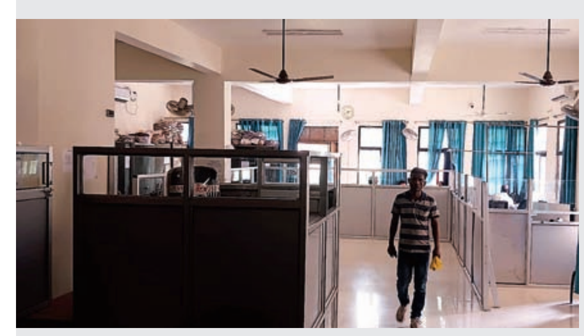

बोकारो : जिले के आईटीआई मोड़ स्थित चास रजिस्ट्री ऑफिस में बुधवार शाम हुए शॉर्ट सर्किट ने बड़ी घटना का खतरा खड़ा कर दिया। इस घटना के बाद से रजिस्ट्री का पूरा कामकाज ठप पड़ गया है। पिछले एक दिन से जमीन की खरीद-बिक्री नहीं हो पा रही है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, राज्य सरकार को भी राजस्व का नुकसान झेलना पड़ रहा है। रजिस्ट्री कराने पहुंचे लोगों ने बताया कि कार्यालय की बिजली व्यवस्था बेहद जर्जर स्थिति में है। उनका आरोप है कि भवन निर्माण के दौरान ठेकेदार द्वारा निम्न गुणवत्ता के तार लगाए गए, जिसके कारण बार-बार शॉर्ट सर्किट की घटनाएं हो रही हैं। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। कार्यालय परिसर में रोजाना बड़ी संख्या में लोग और कर्मचारी मौजूद रहते हैं। इसके अलावा यहां महत्वपूर्ण दस्तावेज भी रखे होते हैं। ऐसे में यह लापरवाही किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकती है। वहीं, चास के एसडीएम ने बताया कि अत्यधिक गर्मी के कारण वायरिंग में शॉर्ट सर्किट हुआ है। हालांकि, किसी प्रकार की बड़ी क्षति नहीं हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही खराबी को दूर कर लिया जाएगा और संभव है कि अगले दिन से रजिस्ट्री कार्य फिर से शुरू कर दिया जाएगा, जिससे लोगों को राहत मिलेगी।

आर्ट ऑफ लिविंग योग सेंटर का उद्घाटन उपायुक्त ने बताया तनावमुक्त जीवन का आधार

बोकारो : आर्ट ऑफ लिविंग बोकारो चैप्टर द्वारा गुरुवार को सेक्टर-4 स्थित आर्ट ऑफ लिविंग योग सेंटर का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा ने दीप प्रज्वलित कर सेंटर का शुभारंभ किया। बेंगलुरु आश्रम से आए ब्रह्मचारी योगीराज ने उपस्थित लोगों को योग एवं ध्यान का अभ्यास कराया तथा इसके लाभों की जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरूआत धन्वी जिंदल द्वारा उपायुक्त का तिलक और आरती कर स्वागत करने से हुई। अपने संबोधन में उपायुक्त ने कहा कि आज के तनावपूर्ण और भागदौड़ भरे जीवन में योग की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि योग अब केवल आसनों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शरीर, मन और भावनाओं के संतुलन की संपूर्ण जीवनशैली बन चुका है। युवाओं में बढ़ते मानसिक दबाव और एकाग्रता की कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने योग, प्राणायाम और ध्यान को प्रभावी समाधान बताया। आर्ट ऑफ लिविंग के प्रवक्ता संजय सोनी ने कहा कि गुरुजी के आशीर्वाद से प्रशिक्षक योग के माध्यम से लोगों को तनावमुक्त और सुखी जीवन जीने की कला सिखा रहे हैं। शिक्षक बिनोद कुमार गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने बताया कि सेंटर में नि:शुल्क काउंसलिंग की भी व्यवस्था रहेगी। इस अवसर पर मुकेश कुमार राय ने उपायुक्त को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। प्रशिक्षु आईएएस अरविंद जी सहित रितु जिंदल, रेखा चौधरी, ऋतिका शुक्ला, वर्षा सिन्हा, डब्बू कुमार, गोदावरी, सिमी मोहंती, निताशी, शिव कुमार जिंदल और दीपमाला समेत आर्ट ऑफ लिविंग परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

बोकारो में बीएसएल का अतिक्रमण पर बड़ा एक्शन, सेक्टर-9ए में अवैध निर्माण हटाया गया

बोकारो : बोकारो में गुरुवार को बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के टाउन एडमिनिस्ट्रेशन (टीए) विभाग ने बुधवार को सेक्टर-9अ स्थित बिहारी होटल के पास अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाया। विभाग की टीम होम गॉर्ड बल की मौजूदगी में मौके पर पहुंची और निर्धारित क्षेत्र में किए गए अवैध निर्माण को तोड़ दिया। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में कुछ देर के लिए लोगों की भीड़ जुट गई, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों ने स्थिति को नियंत्रित रखा। टीए विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बीएसएल की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पूर्व में संबंधित पक्ष को नोटिस भी जारी किया गया था, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि अतिक्रमण की वजह से क्षेत्र में आवाजाही और अन्य सुविधाओं पर असर पड़ रहा था। विभाग की इस कार्रवाई से आसपास के निवासियों ने संतोष व्यक्त किया है। बीएसएल प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि शहर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने लोगों से सरकारी एवं बीएसएल की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण नहीं करने की अपील की है।

पति की मारपीट से त्रस्त महिला ने प्रशासन से लगाई गुहार

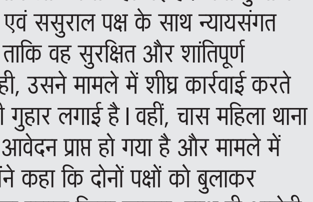

बोकारो : धनबाद जिले के तारगा, पोस्ट खाखी भार (मुहुदा) निवासी रीता कुमारी ने अपने पति उमेश बाउरी (पिताझ मुटुक बाउरी), निवासी चौरा बस्ती, पिंडाजोड़ा थाना क्षेत्र पर शराब के नशे में लगातार मारपीट करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में पीड़िता चास महिला थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराने गई। रीता कुमारी ने बताया कि उनकी शादी कुछ वर्ष पूर्व बोकारो जिले के चौरा बस्ती निवासी उमेश बाउरी के साथ हुई थी। पिछले कुछ समय से उसका पति नशे की हालत में लगातार उसके साथ मारपीट कर रहा है। मामले को लेकर पारिवारिक स्तर पर कई बार समझौते का प्रयास किया गया, लेकिन उसके पति के व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसकी सास उषा देवी एवं ससुर मुरून बाउरी पति का समर्थन करते हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। रीता कुमारी ने प्रशासन से हस्तक्षेप कर पति एवं ससुराल पक्ष के साथ न्यायसंगत समाधान कराने की मांग की है, ताकि वह सुरक्षित और शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन जी सके। साथ ही, उसने मामले में शीघ्र कार्रवाई करते हुए सुरक्षा और न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। वहीं, चास महिला थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता का आवेदन प्राप्त हो गया है और मामले में जल्द कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को बुलाकर परामर्श के माध्यम से समाधान का प्रयास किया जाएगा, साथ ही आरोपी को नशे से दूर रहने की भी सख्त हिदायत दी जाएगी।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में स्कूल एफिलिएशन के नियम बदले, अब इन चीजों के बिना नहीं मिलेगी मान्यता

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार ने स्कूल मान्यता के नियम सख्त कर दिए हैं. अब खेल मैदान, तय भूमि, लैब, लाइब्रेरी और अन्य बुनियादी सुविधाओं के बिना निजी स्कूलों को संबद्धता नहीं मिलेगी. नई नियमावली की अधिसूचना बिहार गजट में जारी कर दी गई है बिहार में निजी और गैर-सरकारी स्कूलों के लिए मान्यता प्राप्त करना अब पहले की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण होगा. राज्य सरकार और बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने तथा छात्रों को बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ह्यबिहार विद्यालय परीक्षा समिति संबद्धता (संशोधन) नियमावली, 2026ह्न को लागू कर दिया है. 16 जून 2026 को जारी बिहार गजट की अधिसूचना के अनुसार अब माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर के स्कूलों को संबद्धता के लिए खेल मैदान, भूमि, भवन और सुरक्षा से जुड़े कई अनिवार्य मानकों को पूरा करना होगा. नए नियम लागू होने के बाद बिना बुनियादी सुविधाओं के संचालित स्कूलों पर सबसे ज्यादा असर पड़ने की संभावना है. नई नियमावली के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च माध्यमिक विद्यालय के लिए कम से कम 6000 वर्ग मीटर भूमि होना जरूरी होगा. इसमें न्यूनतम 2000 वर्ग मीटर क्षेत्र खेल मैदान के लिए आरक्षित रखना अनिवार्य किया गया है. साथ ही पूरे परिसर की चहारदीवारी भी होनी चाहिए. पटना नगर क्षेत्र के स्कूलों के लिए न्यूनतम 3200 वर्ग मीटर और अन्य शहरी क्षेत्रों के लिए 4000 वर्ग मीटर भूमि निर्धारित की गई है. यदि शहरी क्षेत्र में खेल मैदान मुख्य परिसर से अलग है तो उसकी दूरी 200 मीटर से अधिक नहीं हो सकती. इसके अलावा छात्रों को मैदान तक पहुंचने के लिए किसी व्यस्त सड़क या हाईवे को पार नहीं करना चाहिए. विद्यालय की भूमि रजिस्ट्री वाली या कम से कम 30 वर्षों की वैध लीज पर होना भी अनिवार्य किया गया है. इसके तहत 35-35 वर्ग मीटर के छह क्लासरूम, तीन विज्ञान प्रयोगशालाएं (भौतिकी, रसायन और जीव विज्ञान), 50 वर्ग मीटर का कंप्यूटर कक्ष और 50 वर्ग मीटर की लाइब्रेरी अनिवार्य होगी. उच्च माध्यमिक विद्यालय के लिए न्यूनतम 880 वर्ग मीटर तथा संयुक्त विद्यालय के लिए 1110 वर्ग मीटर क्षेत्रफल निर्धारित किया गया है. एफिलिएशन के लिए कितनी लगेगी फीस? नए नियमों के तहत संबद्धता के लिए आवेदन करने वाले संस्थानों को 15 हजार रुपये का निरीक्षण शुल्क ऑनलाइन जमा करना होगा. यह शुल्क वापस नहीं किया जाएगा. सभी मानकों को पूरा करने वाले स्कूलों को शुरूआत में केवल पांच वर्षों के लिए अस्थायी संबद्धता मिलेगी. इसके बाद विभागीय समीक्षा के आधार पर नवीनीकरण किया जाएगा.

मोतिहारी: वाटर पार्क बना मौत का कुआं, नहाते-नहाते नाबालिग ने तोड़ा दम

पटना (एजेंसी) मोतिहारी के रतनपुर वाटर पार्क में नहाने के दौरान 12 वर्षीय राजू की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई. अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है. पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में स्थित वाटर पार्क में मंगलवार को एक दर्दनाक घटना हो गई. नहाने और मस्ती करने पहुंचे 12 वर्षीय बच्चे की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उसे आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया. हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. मृतक की पहचान अगरवा मस्जिद टोला निवासी 12 वर्षीय राजू के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि वह अन्य लोगों के साथ रतनपुर वाटर पार्क घूमने गया था. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाटर पार्क में अन्य बच्चों के साथ नहा रहा था और मौज-मस्ती कर रहा था. इसी दौरान उसकी अचानक तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़ा. घटना के बाद वहां मौजूद लोगों ने तत्काल उसे बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया. लेकिन अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना मिलने के बाद मोतिहारी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई. पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा. फिलहाल किसी भी कारण को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है. प्रारंभिक जानकारी में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बच्चे की मौत किस वजह से हुई. ऐसे मामलों में डूबने, अचानक स्वास्थ्य संबंधी समस्या, सांस रुकने, फिसलने या अन्य चिकित्सीय कारणों की जांच की जाती है. पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम सभी पहलुओं की जांच कर रही है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि बच्चे की मौत किन परिस्थितियों में हुई. राजू की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. घटना की खबर मिलते ही परिवार और मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई. स्थानीय लोग भी इस घटना से स्तब्ध हैं. पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और जांच पूरी होने तक इंतजार करने की अपील की है.

गया जी दौरे पर पत्नी के साथ पहुंचे मंत्री दीपक प्रकाश, जदयू छोड़कर रालोमो में आए नेता को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

पटना (एजेंसी) गया जी में पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश के दौरे के दौरान जदयू नेता सुजीत वर्मा रालोमो में शामिल हुए. उन्हें डुमरिया प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया. गया जी से रोशन कुमार की रिपोर्ट गया जी शहर में आयोजित एक निजी कार्यक्रम के दौरान बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश की मौजूदगी में राजनीतिक हलकों में महत्वपूर्ण घटनाक्रम देखने को मिला. जदयू के डुमरिया प्रखंड अध्यक्ष सुजीत वर्मा ने पार्टी छोड़कर राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) का दामन थाम लिया. इस मौके पर उन्हें डुमरिया प्रखंड अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी सौंपी गई. अचानक गया जी क्यों पहुंचे थे मंत्री दीपक प्रकाश? बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश बुधवार देर रात अपनी पत्नी साक्षी मिश्रा के साथ गया शहर पहुंचे. वह अतरी विधायक रोमित कुमार द्वारा आयोजित एक निजी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे. मंत्री के आगमन पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेताओं और कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया. पत्नी के साथ गयाजी पहुंचे दीपक प्रकाश इनको मिली डुमरिया प्रखंड अध्यक्ष की जिम्मेदारी कार्यक्रम के दौरान जदयू के डुमरिया प्रखंड अध्यक्ष सुजीत वर्मा ने जनता दल यूनाइटेड छोड़कर राष्ट्रीय लोक मोर्चा की सदस्यता ग्रहण की. इस अवसर पर मंत्री दीपक प्रकाश ने उन्हें पार्टी का प्रमाणपत्र सौंपते हुए डुमरिया प्रखंड अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी. रालोमो नेताओं ने क्या कहा? रालोमो के कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र पासवान ने कहा कि मंत्री दीपक प्रकाश के आगमन से कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है. उन्होंने कहा कि पार्टी लगातार संगठन विस्तार की दिशा में काम कर रही है और नए कार्यकताओं के जुड़ने से संगठन को मजबूती मिलेगी. सुजीत वर्मा ने नई जिम्मेदारी पर क्या प्रतिक्रिया दी? रालोमो में शामिल होने के बाद सुजीत वर्मा ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार जताया. उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन पर जो भरोसा जताया है, उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने का प्रयास करेंगे. उन्होंने कहा कि डुमरिया प्रखंड में संगठन को मजबूत करना और आम लोगों की समस्याओं को उठाना उनकी प्राथमिकता होगी. कार्यक्रम में कौन-कौन नेता रहे मौजूद? कार्यक्रम में रालोमो के प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल प्रसाद, जिलाध्यक्ष राजीव प्रकाश उर्फ बंटी कुशवाहा, युवा प्रदेश अध्यक्ष चंदन यादव, युवा जिलाध्यक्ष आकाश दयाल, मानपुर प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद, बोधगया प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार वर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे. आगे क्या होगा? रालोमो की ओर से डुमरिया प्रखंड में संगठन विस्तार को लेकर गतिविधियां तेज होने की संभावना है.

बिहार में राजस्व महाअभियान की बढ़ी तारीख, इस दिन तक होगा जमीन की शिकायतों का निपटारा

पटना (एजेंसी) बिहार में राजस्व महाअभियान की तारीख बढ़ा दी गई है. अब यह महाअभियान 21 जून तक चलेगा. ऐसे में अब रविवार तक लोग जमीन से जुड़ी समस्याओं की शिकायत कर सकते हैं. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने निर्देश जारी दिया है. बिहार में राजस्व महाअभियान की तारीख बढ़ा दी गई है. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के राजस्व महाअभियान के तहत मिले 46 लाख से अधिक लंबित आवेदनों के समाधान के लिए महाअभियान अब 21 जून 2026 तक जारी रहेगा. राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने निर्देश दिया है कि इस अवधि में सभी लंबित आवेदनों की शत-प्रतिशत स्कैनिंग और संबंधित पोर्टलों पर अपलोडिंग सुनिश्चित की जाए. इससे भूमि अभिलेख सुधार, उत्तराधिकार नामांतरण और बंटवारा आधारित नामांतरण से जुड़े मामलों का तेजी से समाधान किया जा सकेगा. अभियान की सफलता के लिए अंचल अधिकारियों, राजस्व अधिकारियों और अन्य संबंधित कर्मियों की व्यक्तिगत जवाबदेही तय की गई है. विभागीय स्तर पर हर रोज प्रगति की निगरानी की जा रही है. अब तक कितने आवेदनों की हुई स्कैनिंग? मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि 11 जून से 17 जून तक चलाए गए विशेष अभियान के दौरान टोटल 46,25,957 आवेदनों में से 95.73 प्रतिशत आवेदनों की स्कैनिंग पूरी कर ली गई है. 60.27 प्रतिशत आवेदन संबंधित ऑनलाइन पोर्टलों पर अपलोड किए जा चुके हैं. अभियान शुरू होने से पहले यह आंकड़ा 81.91 प्रतिशत और 26.43 प्रतिशत था. इस प्रकार एक सप्ताह के भीतर स्कैनिंग और अपलोडिंग दोनों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है. कई जिलों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है. खगड़िया में 99.92 प्रतिशत, दरभंगा में 99.72 प्रतिशत, पूर्णिया और वैशाली में 99.67 प्रतिशत, रोहतास में 99.53 प्रतिशत और समस्तीपुर और सुपौल में 99 प्रतिशत से अधिक स्कैनिंग का काम हो चुका है. पोर्टल पर अपलोडिंग मामले में यह जिला आगे जानकारी के मुताबिक, पोर्टल अपलोडिंग के मामले में शिवहर 89.92 प्रतिशत के साथ सबसे ऊपर पर है. जबकि किशनगंज (86.47 प्रतिशत), खगड़िया (84.83 प्रतिशत), दरभंगा (80.61 प्रतिशत), पूर्णिया (77.82 प्रतिशत) और वैशाली (75.17 प्रतिशत) भी अग्रणी जिलों में शामिल है. विभाग के सचिव जय सिंह ने सभी जिलाधिकारियों, अपर समाहताओं, भूमि सुधार उप समाहताओं, बंदोबस्त पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों और राजस्व अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया है.

बिहार के इन 3 जिलों में बनेंगे नए औद्योगिक क्षेत्र, हजारों युवाओं के लिए खुलेंगे नौकरी के नए अवसर

पटना (एजेंसी) सम्राट चौधरी कैबिनेट ने बिहार में उद्योग, रोजगार, पर्यटन और खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर कई बड़े फैसलों पर मुहर लगाई है. सहरसा, पूर्णिया और कैमूर में नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाएंगे, जबकि खिलाड़ियों को बेहतर वेतनमान वाली सरकारी नौकरी देने का रास्ता भी साफ हो गया है. बिहार में उद्योग, रोजगार और पर्यटन को नई रफ्तार देने के लिए सम्राट चौधरी कैबिनेट ने कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी है. कैबिनेट की बैठक में सहरसा, पूर्णिया और कैमूर में नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने का फैसला लिया गया. इसके साथ ही खिलाड़ियों के लिए सरकारी नौकरी और पर्यटन सुविधाओं को लेकर भी बड़े निर्णय हुए हैं. सहरसा और पूर्णिया में बनेगा नया औद्योगिक हब कैबिनेट ने सहरसा औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार के लिए वनगांव और देवनागोपाल मौजा में करीब 420.63 एकड़ भूमि अधिग्रहण की मंजूरी दी है. इसके लिए 88.01 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे. वहीं, पूर्णिया में भी औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए करीब 1.25 अरब रुपये की लागत से जमीन अधिग्रहण का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है. सरकार का मानना है कि इससे स्थानीय स्तर पर निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे. एक्सप्रेसवे के किनारे कैमूर में विकसित होगा औद्योगिक क्षेत्र केंद्र सरकार की प्रस्तावित वाराणसी-रांची-कोलकाता एक्सप्रेसवे परियोजना के पास कैमूर जिले के चांद और चैनपुर अंचल में बड़ा औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा. इसके लिए 781.18 एकड़ जमीन का अधिग्रहण होगा. इस परियोजना पर करीब 230.64 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे. सरकार को उम्मीद है कि इससे क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां तेज होंगी. अब सभी विभागों के लिपिक होंगे एक संवर्ग में कैबिनेट ने एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय भी लिया है. राज्य के विभिन्न कार्य विभागों में कार्यरत लिपिकों को अब एक ही संवर्ग में शामिल किया जाएगा. इसमें पथ निर्माण, पीएचईडी, भवन निर्माण, ग्रामीण कार्य, योजना एवं विकास तथा नगर विकास एवं आवास विभाग के लिपिक शामिल होंगे. 217 निरीक्षण भवन बनेंगे आधुनिक गेस्ट हाउस जल संसाधन विभाग के 217 निरीक्षण भवनों को आधुनिक गेस्ट हाउस और ईको-टूरिज्म केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा. बांधों, बराजों और जलाशयों के आसपास स्थित इन भवनों में पर्यटकों के लिए बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी. इससे बिहार में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा. खिलाड़ियों को मिलेगी बेहतर वेतनमान वाली नौकरी राज्य सरकार ने खिलाड़ियों के लिए भी बड़ा फैसला लिया है. बिहार के उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सीधी नियुक्ति (संशोधन) नियमावली 2026 को मंजूरी दे दी गई है.

बिहार के सरकारी अस्पताल में अल्ट्रासाउंड-एक्सरे मशीन खराब अब मरीजों को नहीं होगी परेशानी

पटना (एजेंसी) बिहार के सरकारी अस्पतालों में अब एक्सरे, अल्ट्रासाउंड या अन्य जांच मशीन खराब होने पर मरीजों की जांच नहीं रुकेगी. स्वास्थ्य विभाग ने निर्देश दिया है कि ऐसी स्थिति में मरीजों की जांच नजदीकी सरकारी अस्पताल में कराई जाएगी, ताकि इलाज में कोई बाधा न आए. बिहार के सरकारी अस्पतालों में इलाज कराने वाले मरीजों के लिए राहत भरी खबर है. अब अगर किसी अस्पताल में एक्सरे, अल्ट्रासाउंड या अन्य जांच मशीन तकनीकी कारणों से खराब हो जाती है, तो मरीजों को जांच के लिए भटकना नहीं पड़ेगा. ऐसे मरीजों की जांच नजदीकी सरकारी अस्पताल में कराई जाएगी. स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में सभी जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं. मशीन खराब होने पर मिलेगी वैकल्पिक व्यवस्था स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में सामने आया कि कई बार अस्पतालों में एक्सरे या अन्य जांच मशीनें एक-दो दिनों के लिए बंद हो जाती हैं. इससे मरीजों को काफी परेशानी होती है और जांच के लिए इंतजार करना पड़ता है. इसी समस्या को देखते हुए विभाग ने निर्णय लिया है कि मशीन खराब होने की स्थिति में मरीजों को पास के सरकारी अस्पताल में भेजकर उनकी जांच कराई जाएगी, ताकि इलाज प्रभावित न हो. अस्पतालों में लगेंगे सूचना बोर्ड मरीजों को अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी आसानी से मिल सके, इसके लिए सभी सदर अस्पतालों और अन्य सरकारी अस्पतालों में साइनेज (सूचना बोर्ड) लगाने का निर्देश दिया गया है. इन बोर्डों पर अस्पताल में उपलब्ध जांच, इलाज और अन्य सेवाओं की जानकारी दी जाएगी. साइनेज ऐसे स्थानों पर लगाए जाएंगे

बिहार पुलिस परीक्षा में इतने लाख रुपए में हुई थी सेटिंग, ब्लूटूथ के साथ पकड़े गए कैंडिडेट ने खोले कई राज

पटना (एजेंसी) गया जी में केंद्रीय चयन परिषद सिपाही भर्ती परीक्षा के दौरान ब्लूटूथ डिवाइस के साथ पकड़े गए एक अभ्यर्थी से पूछताछ के बाद पुलिस ने कथित परीक्षा गिरोह के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है. अभ्यर्थी के बयान के आधार पर नालंदा जिले में छापेमारी की गई. हालांकि, पुलिस ने अभी पूरे मामले की जांच जारी होने की बात कही है और सभी तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है. ब्लूटूथ डिवाइस के साथ अभ्यर्थी कैसे पकड़ा गया? जानकारी के अनुसार, गया जी शहर स्थित रामरूचि बालिका स्कूल परीक्षा केंद्र पर केंद्रीय चयन परिषद सिपाही भर्ती परीक्षा के दौरान एक अभ्यर्थी को ब्लूटूथ डिवाइस के साथ पकड़ा गया. पकड़े गए अभ्यर्थी की पहचान नालंदा जिले के दीपनगर थाना क्षेत्र के कोरई गांव निवासी प्रिंस कुमार के रूप में हुई है. पूछताछ में अभ्यर्थी ने क्या दावा किया? पुलिस सूत्रों के अनुसार पूछताछ के दौरान अभ्यर्थी ने दावा किया कि परीक्षा में कथित रूप से सेटिंग कराने के लिए उससे छह लाख रुपये लिए गए थे. उसने एक अन्य युवक का नाम भी बताया, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाया है. हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी जांच के स्तर पर की जा रही है. खुलासे के बाद नालंदा में छापेमारी जारी अभ्यर्थी के बयान को गंभीरता से लेते हुए गया पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने विशेष टीम गठित की. इसके बाद टीम ने नालंदा जिले के एक गांव में छापेमारी की. पुलिस संबंधित व्यक्ति की तलाश में पहुंची थी, लेकिन वह मौके पर नहीं मिला. पुलिस ने घर में मौजूद परिजनों और स्थानीय लोगों से पूछताछ की. पूछताछ के दौरान पुलिस को संबंधित युवक के बारे में कुछ अतिरिक्त जानकारियां मिलीं. अधिकारियों ने संभावित नेटवर्क और संपर्कों के बारे में भी जानकारी जुटाई. हालांकि, जांच से जुड़े कई बिंदुओं पर पुलिस ने अभी आधिकारिक रूप से कुछ साझा नहीं किया है. गिरफ्तार अभ्यर्थी के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई? रामरूचि बालिका स्कूल की केंद्राधीक्षक अंजना कुमारी के बयान पर कोतवाली थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है. पुलिस ने गिरफ्तार अभ्यर्थी को न्यायालय में प्रस्तुत कर आगे की कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है. पुलिस अब किन पहलुओं की जांच कर रही है? पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि क्या यह किसी संगठित परीक्षा गिरोह का मामला है या फिर कुछ व्यक्तियों तक सीमित घटना है. साथ ही ब्लूटूथ डिवाइस की सप्लाई, कथित लेन-देन और अन्य संभावित आरोपितों की भूमिका की भी जांच की जा रही है. आगे इस मामले में क्या हो सकता है

बिहार के अस्पतालों में अब नहीं चलेगी लापरवाही, स्वास्थ्य मंत्री बोले- खुद करूंगा औचक निरीक्षण, बढ़ेंगे ट्रामा सेंटर

पटना (एजेंसी) बिहार के सरकारी अस्पतालों में मरीजों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतों पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने सख्ती दिखाई है. उन्होंने कहा कि मरीजों के हितों से कोई समझौता नहीं होगा और जरूरत पड़ी तो खुद अस्पतालों का निरीक्षण करेंगे. बिहार के सरकारी अस्पतालों में मरीजों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार और लापरवाही की शिकायतों पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने सख्त रुख अपनाया है. उन्होंने साफ कहा कि मरीजों के हितों से किसी भी हाल में समझौता नहीं किया जाएगा. जरूरत पड़ी तो वे खुद अस्पतालों का औचक निरीक्षण करने पहुंचेंगे. अस्पतालों में मरीजों को मिले बेहतर व्यवहार स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में आने वाले मरीजों को बेहतर इलाज के साथ सम्मानजनक व्यवहार मिलना जरूरी है. डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी मरीजों की समस्याओं को गंभीरता से लें. किसी भी तरह की शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी. बढ़ेगी ट्रामा सेंटर की संख्या मंत्री ने राज्य में ट्रामा सेंटर की सुविधाओं को बढ़ाने की बात कही. उन्होंने बताया कि दुर्घटना संभावित इलाकों में नए ट्रामा सेंटर बनाए जाएंगे. फिलहाल नौ ट्रामा सेंटर की परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है. उन्होंने कहा कि सड़क हादसों में घायल लोगों को समय पर इलाज मिल सके, इसके लिए हर संभव व्यवस्था की जा रही है. इसके तहत सभी टोल प्लाजा पर एंबुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी. इससे दुर्घटना के बाद घायलों को जल्द से जल्द नजदीकी ट्रामा सेंटर पहुंचाया जा सकेगा. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें पीएमसीएच में 24 घंटे मिलेगी इमरजेंसी सुविधा स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने बुधवार को प्रदेश जदयू कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में ये बातें कहीं. कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सदा भी मौजूद रहे. उन्होंने बताया कि पीएमसीएच में सांस से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए अब 24 घंटे इमरजेंसी सेवा उपलब्ध रहेगी. सरकार का लक्ष्य है कि बिहार के लोगों को हर समय बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें.

जेठ की तपती दुपहरी में सुकून के मसीहा बने बरगद और पीपल, बांका के ग्रामीण जीवन को दे रहे राहत

पटना (एजेंसी) जब सूरज आग उगल रहा हो और सड़कें सन्नाटे में डूब जाएं, तब बरगद और पीपल की छांव ही वह ठिकाना बन जाती है जहां थकी हुई जिंदगी को सुकून मिलता है. पंजवारा बांका से गौरव कश्यप की रिपोर्ट बांका जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भीषण गर्मी और बढ़ती उमस के बीच बरगद, पीपल और नीम जैसे विशाल वृक्ष लोगों के लिए राहत का बड़ा सहारा बन गए हैं. तपती दोपहर में जहां सामान्य जनजीवन प्रभावित हो जाता है, वहीं ये पेड़ राहगीरों, किसानों और बुजुर्गों को शीतल छांव देकर जीवन में राहत का अहसास करा रहे हैं. इनकी छांव न केवल गर्मी से बचाव करती है, बल्कि ग्रामीण संस्कृति की जीवंत पहचान को भी संजोए हुए है. गर्मी में प्राकृतिक शीतलता का सहारा तेज धूप और बढ़ते तापमान के बीच दोपहर के समय गांवों में सड़कों और बाजारों में सन्नाटा छा जाता है. ऐसे समय में बरगद और पीपल के नीचे लोगों का जमावड़ा देखने को मिलता है. किसान अपने खेतों की ओर जाने से पहले या काम से लौटकर इन वृक्षों की छांव में कुछ देर विश्राम करते हैं. राहगीर भी यहां रुककर ठंडी हवा और सुकून का अनुभव करते हैं. चौपाल संस्कृति की जीवंत पहचान ये वृक्ष केवल छांव ही नहीं देते, बल्कि गांवों की पुरानी चौपाल संस्कृति को भी जीवित रखे हुए हैं. एक समय था जब गांव की सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक चचाएं इन्हीं पेड़ों के नीचे हुआ करती थीं. बुजुर्गों की सीख, युवाओं की बातें और सामूहिक निर्णय लेने की परंपरा इन स्थानों को सामाजिक केंद्र बनाती थी. आधुनिकता के बावजूद यह परंपरा आज भी किसी न किसी रूप में कायम है. पर्यावरण संतुलन के मजबूत आधार पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि बरगद और पीपल जैसे वृक्ष न केवल छांव प्रदान करते हैं, बल्कि वातावरण को ठंडा रखने और ऑक्सीजन देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. ये पेड़ आसपास की गर्मी को कम कर पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक होते हैं. इनके नीचे पक्षियों और छोटे जीव-जंतुओं का बसेरा जैव विविधता को भी मजबूत करता है. प्रकृति से जुड़ाव का अनुभव ग्रामीणों का कहना है

अपराधी नहीं समाजसेवी था रिटायर्ड जवान का बेटा भरत, बाढ़ पीड़ितों की मदद की, परिजनों ने क्या-क्या बताया

पटना (एजेंसी) भोजपुर में भरत तिवारी के एनकाउंटर पर अब सवाल खड़े किए जा रहे हैं. भरत के परिजनों का कहना है कि वह अपराधी नहीं था. उसने बाढ़ पीड़ितों की मदद की. लेकिन पुलिस ने उसका एनकाउंटर कर दिया. इस मामले में एक थानाध्यक्ष राजेश मालाकार को सस्पेंड कर दिया गया. भोजपुर में भरत तिवारी के एनकाउंटर का मामला अब गहराता जा रहा है. शाहपुर थाना इलाके के बेलौटी गांव के पास एसटीएफ और भोजपुर पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में गोली लगने से भरत तिवारी ने पटना पीएमसीएच में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. इसके बाद भरत के परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा. लोगों ने बीच रोड पर भरत के शव को रखकर जमकर हंगामा किया. भरत के बारे में परिजनों ने क्या बताया? भरत तिवारी के बारे में उसके परिजनों ने साफ कहा कि वह अपराधी नहीं था. बल्कि समाजसेवक था. वह एक रिटायर्ड जवान का बेटा था. भरत ने कई लोगों की मदद की थी. खासकर बाढ़ पीड़ितों की उसने मदद की थी. भोजपुर के जवइनियां में हर साल बाढ़ से तबाही का मंजर देखा जाता है. कई लोगों के घर गंगा में समा जाते हैं. बाढ़ के दौरान गांव के लोगों की उसने मदद की. भरत के परिजन ने एक मीडिया चैनल से बात करते हुए बताया कि वह बीएससी की परीक्षा पास कर चुका था. इसके बाद वह जॉब ढूंढ रहा था. लेकिन जॉब नहीं मिलने की वजह से उसने समाज सेवा करनी शुरू कर दी. इतना ही नहीं, लोगों की सेवा के लिए वह प्रसासनिक अधिकारियों से भी मिलता था. लोग खुद भरत के पास मदद के लिए आते थे. मां बोली- खून के बदले खून चाहिए, रउट पर आरोप भरत की मां ने बताया कि भरत को धोखे से बुलाकर मारा गया है. उसे जहर दिया गया था. भरत पर फायरिंग के बाद उसे बंदूक से मारा भी गया. उन्होंने यह भी कहा कि खून के बदले खून चाहिए. साथ ही एसडीएम पर भी आरोप लगाया. भरत की मां ने बताया कि भरत की जान एसडीएम की वजह से गई. एसडीएम ने जान से मरवाने की धमकी दी थी. ग्रामीणों ने पुलिस पर लगाया आरोप कुछ ग्रामीणों का आरोप है कि सरेंडर करने के बाद पुलिस की ओर से उसे गोली मारी गई है. ग्रामीणों का कहना था कि वह कोई अपराधी नहीं था, जो इतनी जल्दी उसकी गिरफ्तारी जरूरी थी. परिवार के सहयोग से भी उसे एक दो दिनों बाद पकड़ा जा सकता था, या उसे घर में बंद कर भी रखा जा सकता था, लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार न कर एनकाउंटर ही कर दिया. इस तरह किया गया भरत का एनकाउंटर जानकारी के मुताबिक, मुठभेड़ के दौरान भरत फेसबुक पर लाइव था. ऐसे में मुठभेड़ का सोशल मीडिया पर लाइव प्रसारण हो रहा था, लाइव वीडियो में भरत को फायरिंग करते देखा जा रहा है. उसे कहते सुना जा रहा है कि लाइव एनकाउंटर हो रहा है. उसे यह भी कहते सुना जा रहा था कि देखिए इतने सारे बुलेट प्रूफ जैकेट पहने पुलिस वाले एक देशभक्त को मारने पहुंचे हैं. भरत की हरकत देख उसे घर में बंद कर दिया गया था, लेकिन वह छत पर चढ़कर पुलिस को टारगेट कर फायरिंग करने लगा था. वह पुलिस कर्मियों को लगातार गाली और धमकी भी दे रहा था. उसका भी वीडियो वायरल हुआ था. उसके बाद उसे गिरफ्तार करने की योजना तैयार की गई. उसके लिए एसटीएफ को साथ शाहपुर थाने की पुलिस बुधवार की सुबह बिलौटी पहुंची, लेकिन भरत पुलिस को देख फायरिंग करते भागने लगा. जवाबी कार्रवाई के तहत पुलिस की ओर से भी फायरिंग की गई. उसमें उसे दो गोलियां लगी और वह जख्मी हो गया. बाद में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. एक थानाध्यक्ष को किया गया निलंबित बताया जा रहा है कि भरत भूषण तिवारी को काबू करने में जुटी पुलिस की ओर से पहले तो काफी संयम बरती गई, लेकिन बाद में युवक की हरकत और लगातार फायरिंग करने के कारण पुलिस को गोली चलाने के लिए बाध्य होना पड़ा. लेकिन अब पुलिस एनकाउंटर पर सवाल उठने लगे हैं.

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।
शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।
अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाइड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है।
शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।
डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शयिम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में –

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

पीएफ खाता खोलना हुआ आसान, ईपीएफओ ने शुरू की चेहरा पहचान तकनीक

तकनीकी अड़चनें खत्म, बुजुर्ग कर्मचारियों को भी सुविधा

नई दिल्ली ।

देश के करोड़ों नौकरीपेशा कर्मचारियों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने एक बेहद महत्वपूर्ण और राहत भरी घोषणा की है। अब पीएफ खाते से जुड़े यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) को एक्टिवेट करने के लिए न तो आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर आने वाले ओटीपी का इंतजार करना होगा और न ही बायोमेट्रिक मशीन पर उंगलियों के निशान देने होंगे। ईपीएफओ ने यूएमएएनजी ऐप पर फेस ऑथेंटिकेशन (चेहरा पहचानने वाली हाई-टेक तकनीक) की नई सुविधा शुरू की है, जिससे यह प्रक्रिया अब काफी आसान और तेज हो जाएगी। अब तक यूएएन एक्टिवेट करने में आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर ओटीपी न आने या पुराना नंबर बंद होने जैसी तकनीकी दिक्कतें आती थीं, जिससे कर्मचारियों का काम हफ्तों अटका रहता था। साथ ही, उम्र बढ़ने या कठिन शारीरिक श्रम के कारण जिन बुजुर्ग या कामकाजी कर्मचारियों के उंगलियों के निशान मशीन पर मैच नहीं हो पाते थे, उनके लिए भी अब केवल चेहरा स्कैन करना ही काफी होगा। यह नई सुविधा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की लाइव फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक के साथ जोड़ी गई है। इसका लाभ लेने के लिए फोन में आधार फेसआरडी ऐप डाउनलोड होना जरूरी है। यह ऐप केवल लाइव चेहरे को पहचानता है, जिससे पुरानी फोटो या वीडियो के जरिए किसी भी तरह की धोखाधड़ी की आशंका पूरी तरह खत्म हो जाती है। यह आधुनिक सुरक्षा प्रणाली पीएफ फंड को बेहद सुरक्षित और फुलप्रूफ बनाती है।

नवी मुंबई से हर माह 10 लाख यात्री भरेंगे उड़ान

अदाणी समूह अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की भी कर रहा तैयारी

मुंबई ।

अदाणी समूह द्वारा संचालित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईए) ने आगामी नवंबर तक हर महीने 10 लाख से अधिक यात्रियों की आवाजाही का लक्ष्य रखा है। यदि यह लक्ष्य हासिल होता है, तो यह देश का आठवां हवाई अड्डा बन जाएगा जो मासिक आधार पर इतनी बड़ी संख्या में यात्रियों को संभालेगा। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ बातचीत के बाद, समूह ने विमानों की दैनिक आवाजाही 150 से बढ़ाकर 250 करने की योजना बनाई है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की 10-15 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। एनएमआईए ने दिसंबर 2025 के अंत में वाणिज्यिक उड़ानें शुरू की थीं और तब से यात्रियों की संख्या में तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च में 2.21 लाख यात्रियों से बढ़कर मई में यह आंकड़ा 6.42 लाख तक पहुंच गया है। परिचालन शुरू होने के बाद शुरुआती पांच महीनों में ही हवाई अड्डे ने 17.7 लाख से अधिक घरेलू यात्रियों की आवाजाही संभाली है और मार्च में ही यह शीर्ष 10 घरेलू हवाई अड्डों में जगह बना चुका है। सूत्रों के अनुसार सीमा शुल्क और आव्रजन विभागों से मंजूरी मिलने के बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शीघ्र शुरू होंगी, जिसकी उम्मीद जून के अंत तक है। एनएमआईए ने वित्त वर्ष 2028 तक 2 करोड़ यात्रियों का आंकड़ा छूने का बड़ा लक्ष्य रखा है, जिसके हासिल होने पर यह भारत का सबसे तेजी से बढ़ने वाला हवाई अड्डा बन सकता है। वित्त वर्ष 2027 के लिए 1.1 करोड़ यात्रियों का लक्ष्य निर्धारित है। हालांकि, दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे बड़े हवाई अड्डों की तुलना में एनएमआईए को अभी लंबा सफर तय करना है। एनएमआईए हब-ऐंड-स्पोक मॉडल की योजना बना रहा है, जिससे यह अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए एक प्रमुख केंद्र बन सकेगा, जहां से यात्री देश के अन्य शहरों के लिए आसानी से जा सकेंगे।

डॉलर के मुकाबले 13 पैसे गिरकर 94.66 पर खुला

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया भी गुरुवार को 13 पैसे कमजोर होकर 94.66 पर खुला। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और भू-राजनीतिक तनाव कम होने से रुपये को कुछ राहत मिली है, लेकिन अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आक्रामक रुख और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से डॉलर मजबूत बना हुआ है। बुधवार को भारतीय रुपया मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.56 रुपए पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतियों के सकारात्मक संकेतों ने घरेलू मुद्रा को सहारा दिया, जिससे रुपये ने लगातार तीसरे दिन अपनी बढ़त बनाए रखी।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार पांचवे दिन तेजी जारी, सेंसेक्स 254 अंक उछलकर बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के सत्र में लगातार पांचवे दिन तेजी के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 254.36 अंक या 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,409.98 और निफ्टी 82.30 अंक या 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,168.00 पर था। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 255.90 अंक या 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,379.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 82.40 अंक या 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,705.60 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी का नेतृत्व हेल्थकेयर और रियल्टी ने किया। सूचकांकों में निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी रियल्टी टॉप गेनर थे। निफ्टी पीएसई, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सर्विसेज गेनर्स थे। वहीं, निफ्टी आईटी, निफ्टी मेटल और निफ्टी ऑयलएंडगैस लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स पैक में इंडिगो, ट्रेंट, बीईएल, एनटीपीसी, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, एचयूएल, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, एमएंडएम और आईटीसी गेनर्स थे। इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, टीसीएस, एलएंडटी, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन और भारती एयरटेल लूजर्स थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार ने सत्र में एक सीमित दायरे में सकारात्मक रुख के कारोबार किया, क्योंकि अमेरिका-ईरान शांति समझौते को लेकर शुरुआती उत्साह यूएस फेड के सख्त बयानों से कुछ कम हो गया है। ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई का दबाव बढ़ सकता है, जिससे केंद्रीय बैंक साल के आखिरी हिस्से में ब्याज दरें बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं।

शेयर बाजार में 26 अरब डॉलर के लॉक-इन खुलने की तैयारी

71 कंपनियों के प्री-आईपीओ व शुरुआती निवेशकों के शेयर होंगे लॉक-इन से मुक्त

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में अगले कुछ महीने निवेशकों के लिए काफी अहम रहने वाले हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 17 जून से सितंबर 2026 के बीच 71 कंपनियों के लगभग 26 अरब डॉलर मूल्य के शेयर लॉक-इन अवधि से बाहर आ जाएंगे। इससे बाजार में शेयरों की आपूर्ति बढ़ सकती है, जिससे कुछ स्टॉक्स में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी शेयर तुरंत बिक्री के लिए आ जाएंगे, क्योंकि इसमें प्रमोटरों और समूह कंपनियों की बड़ी हिस्सेदारी होती है, जो अमूमन तुरंत बिक्री नहीं करते। फिर भी, लॉक-इन खत्म होने की तारीखें निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट बताती है कि 19 जून को आईसीआईसीआई प्रू एएमसी के 34.4 करोड़ शेयर (कंपनी की कुल इक्विटी का लगभग 70 फीसदी) लॉक-इन से मुक्त होंगे, जिस पर बाजार की पैनी नजर रहेगी।

घरेलू एयरलाइंस के मुनाफे में 10-15 फीसदी गिरावट का अनुमान

मुंबई ।

चालू वित्त वर्ष घरेलू एयरलाइन कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। एक रेटिंग एजेंसी के अनुमान के मुताबिक इस वित्त वर्ष में घरेलू एयरलाइंस के परिचालन मुनाफे में 10-15 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। इसकी मुख्य वजह हवाई ईंधन (एटीएफ) की ऊंची कीमतें, हवाई क्षेत्र पर लगी पाबंदियां और पश्चिम एशिया में जारी टकराव के चलते रुपये की कमजोरी है। रेटिंग एजेंसी के अनुसार पिछले वित्त वर्ष में लगभग 19,000 करोड़ रुपये रहा यह मुनाफा चालू वित्त वर्ष में घटकर 16,000-17,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। एजेंसी ने बताया कि किसी एयरलाइन की परिचालन लागत में जेट ईंधन का हिस्सा सामान्यतः 40 प्रतिशत होता है, लेकिन कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के कारण यह 60 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यह स्थिति एयरलाइंस के कामकाज, मार्ग योजना और किराये की स्थिरता को सीधे प्रभावित करती है। हालांकि, अगर पश्चिम एशिया में चल रहे टकराव का समाधान निकलता है और जेट ईंधन की कीमतें घटती हैं, तो एयरलाइंस को ईंधन लागत में और बढ़ोतरी से बचाया जा सकेगा।

श्रम संहिताओं के लिए एकीकृत डिजिटल प्रणाली राज्यों से पोर्टल जोड़ने का आग्रह

देश में श्रम प्रशासन के लिए एक सुसंगत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने राज्यों से अपने-अपने श्रम पोर्टलों को केंद्र के श्रम सुविधा और समाधान पोर्टलों के साथ जोड़ने का आग्रह किया है। यह कदम देश में चार श्रम संहिताओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और श्रम प्रशासन के लिए एक एकीकृत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। इस पहल का उद्देश्य अनुपालन, पंजीकरण, निरीक्षण, शिकायत निवारण और विवाद समाधान पर केंद्र और राज्यों के बीच सूचनाओं का निर्बाध आदान-प्रदान सुनिश्चित करना है। जिन राज्यों के पास पहले से अपने श्रम पोर्टल हैं, उन्हें अपने एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) को केंद्रीय प्लेटफार्मों से जोड़ने को कहा गया है। वहीं, जिन राज्यों के पास समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म नहीं हैं, उन्हें केंद्र द्वारा आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण और एकीकरण में तकनीकी सहायता की पेशकश की गई है। मौजूदा स्थिति में, श्रम सुविधा पोर्टल पर राज्यों द्वारा एकीकृत सेवाओं में काफी भिन्नता है। उदाहरण के लिए, कर्नाटक ने 15 स्वीकृतियों को जोड़ा है, वहीं गुजरात और केरल में केवल दो-दो, जबकि कुछ राज्यों में कोई एकीकरण नहीं हुआ है।

श्रम सुविधा पोर्टल कानून अनुपालन के लिए और समाधान पोर्टल विवादों के निवारण के लिए है।

ये दोनों पोर्टल श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन में अहम होंगे। अधिकांश राज्यों ने मसौदा नियम तैयार किए हैं, लेकिन कई ने अभी तक अंतिम नियम अधिसूचित नहीं किए हैं।

अवतार इंडस्ट्रीज एसएमई से मेन बोर्ड पर माइग्रेट करने की तैयारी में

-कंपनी ने यह फैसला वित्त वर्ष 2025-26 में शानदार प्रदर्शन के बाद लिया

नई दिल्ली।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की उभरती हुई कंपनी अवतार इंडस्ट्रीज लिमिटेड जिसे पहले एएसएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, उसने अपने कॉरपोरेट डेवलपमेंट की दिशा में कई बड़े फैसलों का एलान किया है। कंपनी की तरफ से जारी प्रेस रिलीज के मुताबिक कंपनी अब नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के एसएमई प्लेटफॉर्म से निकलकर मेन बोर्ड पर माइग्रेट करने की तैयारी कर रही है, जो इसके कॉरपोरेट डेवलपमेंट में बड़ा कदम है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अवतार इंडस्ट्रीज की आधिकारिक शुरुआत 1992 में हुई थी, मगर इसने कारोबार 1983 में ही शुरू कर दिया था। आज ये कंपनी ऑटोमोबाइल पार्ट्स, रेलवे या ट्रामवे के पार्ट्स और जॉबवर्क समेत अन्य संबंधित सेवाओं का निर्माण और ट्रेड करती है। कंपनी आयरन और स्टील, शीट मेटल पार्ट्स, फोर्ज्ड पार्ट्स और असेंबली का कारोबार करती है और टीएमएल की अधिकृत सेल्स और सर्विस डीलर है। यह रेलवे, डिफेंस और ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए शीट मेटल प्रेसिंग और डीप ड्राइंग, मशीन्ड असेंबली, फैब्रिकेटेड ऑटो पार्ट्स और फोर्ज्ड प्रोडक्ट्स की ओईएम है।

इस समय अवतार इंडस्ट्रीज के क्लाइंट्स में टीआरएफ, यॉर्क ट्रांसपोर्ट इक्विपमेंट, टाटा स्टील और इंडियन रेलवे के अलावा जेओएसटी और डीजीओएस शामिल हैं। 17 जून को हुई बोर्ड बैठक में कंपनी ने शासन और नेतृत्व को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। बोर्ड ने रिचा राठौड़ को कंपनी का नया एमडी नियुक्त करने का प्रस्ताव दिया। कंपनी का यह फैसला वित्त वर्ष 2025-26 में इसके शानदार प्रदर्शन के बाद आया है। अवतार इंडस्ट्रीज ने इस अवधि में 10,287.38 लाख रुपए का रेवेन्यू और 137.32 लाख का प्रॉफिट दर्ज किया है। कंपनी का ध्यान अब तेजी से बढ़ते एआई,

सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन और एडवांस्ड एनालिटिक्स के अवसरों पर है। इसका शेयर आज 150.30 रुपए पर है और इसकी मार्केट कैपिटल 157 करोड़ रुपए है। इन रणनीतिक फैसलों पर सदस्यों की अनुमति लेने के लिए बोर्ड ने पोस्टल बैलेट नोटिस को मंजूरी दी है।

वित्तीय धोखाधड़ी रोकने में सीएफओ की महत्वपूर्ण भूमिका एनएफआरए

राजेश एक्सपोर्ट्स समेत कई मामलों में सीएफओ की लापरवाही से छिपी रही वित्तीय अनियमितताएं

नई दिल्ली ।

नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी (एनएफआरए) के एक प्रमुख अधिकारी ने कंपनियों की वित्तीय पारदर्शिता बनाए रखने के लिए मुख्य वित्तीय अधिकारियों (सीएफओ) को सीधा जिम्मेदार ठहराया है। एसोचैम के एक कार्यक्रम में उन्होंने राजेश एक्सपोर्ट्स जैसे ऐतिहासिक वित्तीय घोटालों का जिक्र करते हुए सीएफओ की जवाबदेही पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन कंपनियों में कॉरपोरेट फर्जीवाड़ा हुआ, राजेश एक्सपोर्ट्स भी उनमें से एक है, उनकी बैलेंसशीट बाहर से साफ-सुथरी दिखती थी। लेकिन बाद में कमियां सामने आईं क्योंकि सीएफओ ने खातों को पारदर्शी तरीके से पेश नहीं किया। उन्होंने रचनात्मक लेखांकन (क्रिएटिव अकाउंटिंग) को एक बड़ी समस्या बताया, जहां कई जानकारियों का खुलासा नहीं होता। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीएफओ में वित्तीय जानकारी को पारदर्शिता के साथ पेश करने का साहस और क्षमता होनी चाहिए। हाल ही में सेबी ने राजेश एक्सपोर्ट्स पर वित्त वर्ष 2021 से 2025 के बीच अपनी कुल आय को लगभग 15.15 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का आरोप लगाया है, जिसमें लगभग 99 फीसदी आय विदेशी सहायक कंपनियों से दर्शाई गई थी।

वैश्विक गिरावट के बावजूद तत्काल सस्ता नहीं होगा ईंधन केंद्रीय मंत्री

पश्चिमी एशिया संकट से केंद्र को 12,000 करोड़ का हुआ नुकसान

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद भारत में ईंधन की दरें तत्काल कम नहीं की जा सकतीं। पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और पर्यटन राज्य मंत्री ने इस स्थिति के लिए कई जटिल कारकों को जिम्मेदार ठहराया, जिसमें सस्ते तेल के भारत पहुंचने में लगने वाला समय भी शामिल है। मंत्री गोपी ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि वैश्विक कच्चे तेल की दरें घटने पर भी ईंधन की कीमतों में तुरंत कमी करना संभव नहीं है। इसका मुख्य कारण सस्ते कच्चे तेल को होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारत पहुंचने में लगने वाला समय है, जिससे जहाजों की आवाजाही बढ़ती है और स्थिति सामान्य होने में देरी होती है। उन्होंने कहा कि ईंधन की कीमतों में हालिया वृद्धि से लगभग 3.94 रुपये प्रति लीटर का ही प्रभाव पड़ा है, लेकिन इसे तुरंत वापस नहीं लिया जा सकता। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस साल फरवरी से पश्चिम एशिया में छिड़े युद्ध ने तेल कंपनियों पर गहरा असर डाला है, जिसका

अधिकांश बोझ केंद्र सरकार ने उठाया है। इस प्रभाव को झेलने के चक्कर में केंद्र सरकार को 12,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य ने ईंधन की बढ़ी कीमतों पर उत्पाद शुल्क घटाकर अपने राजस्व का त्याग नहीं किया, जबकि केंद्र सरकार को अपना कामकाज चलाना है और तेल कंपनियों को भी अपना अस्तित्व बनाए रखना अनिवार्य है।

सोने पर सीमा शुल्क बढ़ाना सफल आयात में 70 फीसदी की भारी गिरावट

नई दिल्ली ।

देश में सोने के आयात में भारी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार द्वारा सोने पर सीमा शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किए जाने के बाद सोने का मासिक आयात करीब 70 प्रतिशत घटकर महज 25-30 टन रह गया है। यह जानकारी गुरुवार को एक अधिकारी ने दी, जो सरकार के गैर-जरूरी आयात पर अंकुश लगाने और बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने के प्रयासों की सफलता को दर्शाती है। केंद्र सरकार ने देश की विदेशी मुद्रा को बचाने के लिए सोना और चांदी दोनों पर आयात शुल्क को 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया था। इस फैसले का सीधा असर सोने के आयात की मात्रा पर दिखा है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, मासिक सोने का आयात करीब 70 प्रतिशत कम होकर 25-30 टन पर आ गया है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की ऊंची कीमतों के कारण मई में मूल्य के लिहाज से आयात सालाना आधार पर 34 प्रतिशत बढ़कर 3.41 अरब डॉलर हो गया। भारत जो चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता है, में आयात मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग से प्रेरित रहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अनावश्यक विदेशी मुद्रा खर्च कम करने के लिए सोने की खरीद पर नियंत्रण और सादगी अपनाने की अपील की है।

एनएसई का 30,000 करोड़ का मेगा आईपीओ जल्द

सेबी के पास डीआरएचपी फाइल, हुंडई का रिकॉर्ड तोड़ने को तैयार

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने बहुप्रतीक्षित इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फाइल कर दिया है। अनुमानित 30,000 करोड़ रुपये का यह मेगा इश्यू पूरी तरह मौजूदा शेयरधारकों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा, और यह अक्टूबर 2024 में आए हुंडै मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड को तोड़कर देश का सबसे बड़ा आईपीओ बन सकता है। डीआरएचपी के अनुसार इस आईपीओ में कुल 14.89 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी, जिसके जरिए मौजूदा शेयरधारक सामूहिक रूप से एनएसई में अपनी करीब 6 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे। प्रमुख हिस्सेदारी विक्रेताओं में भारतीय स्टेट बैंक 2.48 करोड़ शेयर बेचेगा, जबकि एमएस स्ट्रैटेजिक (मॉरीशस) लिमिटेड 1.60 करोड़ शेयर, कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड 1.19 करोड़ शेयर, अरांडा इन्वेस्टमेंट्स 1.12

करोड़ शेयर, बैंक ऑफ बड़ौदा 1.10 करोड़ शेयर और स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया 1.09 करोड़ शेयर बेचेंगे। हालांकि एनएसई में सबसे बड़ी 10.72 फीसद हिस्सेदारी रखने वाली भारतीय जीवन बीमा निगम इस इश्यू में कोई भी शेयर नहीं बेचेगी। यह इश्यू बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से आएगा, जिसमें खुदरा (रिटेल) निवेशकों के लिए 35 फीसदी शेयर आरक्षित रखे जाएंगे, जो उन्हें इस बहुप्रतीक्षित लिस्टिंग में शामिल होने का एक बड़ा मौका देगा। योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए अधिकतम 50 फीसदी और गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए कम से कम 15 फीसदी हिस्सा आरक्षित होगा। एनएसई के निदेशक मंडल ने छह फरवरी को इस प्रस्तावित आईपीओ को सेबी से अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलने के बाद मंजूरी दी थी।

भारतीय क्रिप्टो निवेशकों का एसआईपी और दीर्घकालिक निवेश पर बढ़ा भरोसा

सर्वे में खुलासा म्यूचुअल फंड की तर्ज पर हर महीने निवेश कर रहे भारतीय, महिलाएं पुरुषों से आगे

नई दिल्ली ।

भारत में क्रिप्टोकरेंसी को लेकर निवेशकों की सोच तेजी से बदल रही है। जल्द पैसा कमाने की बजाय अब भारतीय लंबी अवधि के निवेश और क्रिप्टो एसआईपी को प्राथमिकता दे रहे हैं। एक सर्वे ने इस परिपक्वता को उजागर किया है। सर्वे के अनुसार 41.2 फीसदी भारतीय निवेशक अब लंबी अवधि के लिए क्रिप्टो होल्ड करना पसंद करते हैं, जबकि शॉर्ट-टर्म ट्रेडिंग में केवल 25.8 फीसदी ही बचे हैं।

म्यूचुअल फंड की तर्ज पर क्रिप्टो एसआईपी की लोकप्रियता में 220 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

निवेशक अब औसतन 4,000 से 6,000 रुपये मासिक एसआईपी बिटकॉइन और एथेरियम जैसी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में कर रहे हैं, जो उनकी सुनियोजित रणनीति का संकेत है।

खास बात है कि 46.4 फीसदी महिलाओं में क्रिप्टो को लंबे समय तक होल्ड करने का जज्बा पुरुषों से अधिक है।

वहीं 35 से 44 वर्ष के आयु वर्ग के निवेशक भी दीर्घकालिक रणनीति पर सर्वाधिक भरोसा दिखा रहे हैं।

बाजार में अचानक गिरावट आने पर भी 91 फीसदी भारतीय निवेशक डरकर अपनी क्रिप्टो नहीं बेचते, बल्कि शांत रहते हैं या अतिरिक्त निवेश का अवसर देखते हैं।

केवल 9 फीसदी लोग ही घबराकर बिकवाली करते हैं। महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु जैसे राज्य के निवेशक इस मामले में सबसे समझदार साबित हुए हैं।

तकनीक का फायदा सभी को मिलना चाहिए : नरेन्द्र मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत का मानना है कि बदलाव के इस दौर में टेक्नोलॉजी का फायदा सभी को मिलना चाहिए। उन्होंने एआई का उदाहरण देते हुए कहा कि इससे लोगों की जिंदगी बेहतर होनी चाहिए, पहुँच बढ़नी चाहिए, विकास को बढ़ावा मिलना चाहिए और हमें एक स्वस्थ ग्रह बनाए रखने में भी मदद मिलनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने आज पेरिस में 'वीवाटेक-2026' में हिस्सा लिया और कहा कि भारत के लिए एआई का मतलब सबका साथ (ऑल इनक्लूसिव) है। एआई कंट्री पार्टनर के तौर पर हमारी भागीदारी इसी सोच को दिखाती है। टेक सम्मेलन में पिछली और मौजूदा भागीदारी के हालात की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय दुनिया कोविड-19 के संकट का सामना कर रही थी। आज दुनिया अलग तरह के बदलावों का अनुभव कर रही है। उन्होंने वीवा टेक-2021 के संदेश को दोहराया कि जहाँ पारंपरिक तरीके काम नहीं आते, वहाँ इनोवेशन मदद कर सकता है। प्रधानमंत्री ने 2026 को भारत और यूरोप के लिए एक खास साल बताया। उन्होंने कहा कि साल की शुरूआत ऐतिहासिक भारत-ईयू (यूरोपीय संघ) मुक्त व्यापार समझौते के साथ हुई। यह समझौता हमारे व्यापार और निवेश को बढ़ाएगा और टैलेंट, टेक्नोलॉजी और टूरिज्म के आदान-प्रदान के लिए कई रास्ते खोलेगा। उन्होंने कहा कि इस साल ह्यभारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर की शुरूआत के साथ फ्रांस एक अहम पुल का काम कर रहा है। यह भारत और यूरोप के टेक इकोसिस्टम को करीब ला रहा है। प्रधानमंत्री ने पिछले दशक में भारत की तकनीकी यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत बड़े पैमाने पर वित्तीय समावेशन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन, खेती और अन्य क्षेत्रों में तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब आप फ्रांस में भी एफिल टॉवर या पेरिस एयरपोर्ट पर यूपीआई का इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने कहा, दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पहचान सिस्टम को बनाने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म तक। हमारे यूपीआई की वजह से डिजिटल पेमेंट को देखें; आज दुनिया के आधे रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन भारत में होते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष तकनीक से लेकर नाभिकीय ऊर्जा तक, हम इंसानी क्षमता की सीमाओं का विस्तार कर रहे हैं। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बना और हाल ही में भारत के प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने क्रिटिकैलिटी हासिल की। इसने हमें हमारे तीन-चरण वाले न्यूक्लियर विजन को साकार करने के करीब पहुँचाया है, जिसमें हमारे विशाल थोरियम भंडार का इस्तेमाल भी शामिल है।

नेपाल राष्ट्र बैंक के निदेशक, सीईओ और वरिष्ठ प्रबंधन को देना होगा संपत्ति का विवरण

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल राष्ट्र बैंक ने देश के सभी निजी बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों के लिए नया निर्देश जारी किया है। अब बैंक के मालिकों, निदेशकों, सीईओ और उच्च पदों पर तैनात अधिकारियों के लिए न सिर्फ व्यक्तिगत, बल्कि पूरे परिवार का संपत्ति विवरण जमा करना अनिवार्य कर दिया गया है। नेपाल राष्ट्र बैंक ने गुरुवार को बैंक तथा वित्तीय संस्थानों को सर्कुलर भेजकर यह व्यवस्था लागू की है। बैंक ने १ महीने के भीतर इन सभी को परिवार सहित का संपत्ति विवरण जमा करने को कहा गया है। अब निदेशक, सीईओ और उच्च व्यवस्थापकीय पदों पर नियुक्त या मनोनीत होने वाले व्यक्तियों को संबंधित व्यवसाय से जुड़े प्रचलित कानूनों के अनुसार निर्धारित मापदंडों का पालन करने संबंधी स्वघोषणा देना होगा। इसके साथ ही संबंधित व्यक्ति को अपने पारिवारिक विवरण तथा नेपाल या विदेश में किसी अपराध में संलग्न रहे या नहीं, इसकी स्वघोषणा भी देनी होगी। यदि किसी मामले में संलग्न रहे हों, तो उसका विस्तृत विवरण और वर्तमान स्थिति भी बतानी होगी। इसी प्रकार किसी भी प्रकार के मुकदमे, जांच, वैकल्पिक विवाद समाधान प्रक्रिया या न्यायिक अथवा प्रशासनिक कार्रवाई में शामिल रहे या नहीं, इसकी जानकारी भी अनिवार्य रूप से देनी होगी। यदि ऐसी कोई स्थिति हो, तो उसका पूरा विवरण राष्ट्र बैंक को उपलब्ध कराना होगा। साथ ही अदालत या अधिकारप्राप्त निकाय के आदेश के अनुसार भुगतान योग्य टैक्स, सरकारी बकाया या अन्य देनदारियां हैं या नहीं, इसकी भी स्वघोषणा देनी होगी। राष्ट्र बैंक ने यह भी अनिवार्य किया है कि संबंधित व्यक्ति को नेपाल या विदेश में कर्ज संबंधी ब्लैकलिस्ट या इसी प्रकार की किसी सूची में शामिल होने की जानकारी देनी होगी। साथ ही संभावित हितों के टकराव की स्थिति का भी खुलासा करना होगा। नेपाली नागरिक को नेपाल के बाहर किसी संपत्ति के स्वामित्व अथवा किसी संपत्ति में वास्तविक मालिक या लाभार्थी की जानकारी भी देनी होगी। राष्ट्र बैंक ने वित्तीय आचरण से संबंधित विवरण प्रस्तुत करना भी अनिवार्य किया है। यदि इन विवरणों में भविष्य में कोई परिवर्तन होता है, तो अद्यावधिक जानकारी भी राष्ट्र बैंक में जमा करनी होगी। इसके अतिरिक्त अब एक बार में या कई चरणों में मिलाकर चुकता पूंजी के कुल 5 प्रतिशत या 25 लाख रुपये से अधिक के संस्थापक शेयर खरीदने या बेचने पर वास्तविक मालिक या लाभार्थी व्यक्ति का विवरण भी राष्ट्र बैंक को देना अनिवार्य होगा।

संक्षिप्त खबरें

दक्षिणी लेबनान में इजराइली हमले तेज ड्रोन स्ट्राइक में तीन लोगों की मौत

बेरूत : दक्षिणी लेबनान में गुरुवार को हुए इजराइली हमलों में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, अलग-अलग स्थानों पर किए गए हमलों में यह जनहानि हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कफर तेबनित कस्बे में एक कार को निशाना बनाकर किए गए इजराइली ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई। इससे पहले प्रारंभिक रिपोर्टों में एक व्यक्ति के मारे जाने की जानकारी दी गई थी, जिसे बाद में संशोधित किया गया। इसके अलावा, जेबदीन कस्बे पर हुए एक अन्य हमले में एक व्यक्ति की जान चली गई। हमलों के बाद स्थानीय प्रशासन और राहत एजेंसियां प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति का आकलन कर रही हैं। लेबनानी अधिकारियों के अनुसार, हाल के महीनों में सीमा क्षेत्र में हिंसा और सैन्य गतिविधियों में लगातार वृद्धि हुई है। सरकारी समाचार एजेंसी का दावा है कि 02 मार्च से अब तक हुए इजराइली हमलों में 3,900 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। मृतकों में बच्चे, महिलाएं, स्वास्थ्यकर्मी और राहत कार्यों से जुड़े लोग भी शामिल बताए गए हैं। इसके अलावा हजारों लोग घायल हुए हैं तथा बड़ी संख्या में नागरिकों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित क्षेत्रों में शरण लेनी पड़ी है।

पंजाब में सीमा पार से हथियार तस्करी का भंडाफोड़ 11 आधुनिक पिस्तौलों के साथ आठ गिरफ्तार

चंडीगढ़ : अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से हथियार तस्करी के मॉड्यूल का भंडाफोड़ करके आठ तस्करों को 11 आधुनिक पिस्तौलों के साथ गिरफ्तार किया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि अमृतसर के गांव अटारी निवासी गुलाबजीत सिंह उर्फ प्रिंस (21) और हरप्रीत सिंह उर्फ प्रीत (23), गुरदासपुर के गांव हरदोवाल, कलानौर निवासी गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी (24), अमृतसर के गांव रणियां निवासी कुलजीत सिंह (39) और शमशेर सिंह उर्फ शेरा (40), अमृतसर के गांव छेहरटा निवासी अमन राणा उर्फ चीनी (20), अमृतसर के गांव किरलगढ़ निवासी शरणजीत सिंह उर्फ सनी (29) और तरनतारन के गांव मालिया के रहने वाले अजय सिंह (23) को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से बरामद हथियारों में चार .30 बोर (चीनी निर्मित), चार .30 बोर पीएक्स5 स्टॉर्म, एक .30 बोर ज़िगाना, एक 9 एमएम ग्लॉक (ऑस्ट्रियाई निर्मित) और एक 9 एमएम (ऑस्ट्रियाई निर्मित) तथा आठ जिंदा कारतूस शामिल हैं। इसके अलावा पुलिस टीमों ने इनकी मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार गिरफ्तार हथियार तस्कर कथित तौर पर अवैध हथियारों की सप्लाई में शामिल विदेशी कारिंदों के संपर्क में थे। उन्होंने कहा कि बरामद किए गए ये हथियार आगे अपराधिक तत्वों को सप्लाई किए जाने थे, जिनका इस्तेमाल जबरन वसूली, हिंसक अपराधों और अन्य अवैध गतिविधियों में होना था। डीजीपी ने कहा कि नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान करने और हथियारों का पता लगाने के लिए इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों की जांच की जा रही है। पुलिस आयुक्त (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि प्राप्त गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने गुलाबजीत उर्फ प्रिंस और हरप्रीत उर्फ प्रीत को दो पिस्तौलों सहित गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि आगे की जांच के दौरान पुलिस टीमों ने गुरप्रीत उर्फ गोपी को चार पिस्तौलों सहित गिरफ्तार कर लिया और उसके खुलासों के आधार पर पुलिस टीमों ने आगे उसके दो साथियों कुलजीत सिंह और शमशेर उर्फ शेरा को दो पिस्तौलों सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आयुक्त ने बताया कि पूछताछ के दौरान गुरप्रीत उर्फ गोपी ने खुलासा किया कि वह सोशल मीडिया एप्लिकेशनों के माध्यम से एक विदेशी गैंगस्टर के संपर्क में था, जो उनके लिए अटारी सेक्टर में विभिन्न स्थानों पर ड्रोन के माध्यम से भेजी जाने वाली हथियारों की खेप का प्रबंध कर रहा था।

राहुल गांधी को मप्र हाई कोर्ट से राहत नहीं एमपी-एमएलए कोर्ट की ऑर्डर शीट तलब की

जबलपुर : मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने भोपाल एमपी-एमएलए की आर्डर शीट तलब की है, इसके साथ ही राहुल गांधी की ओर से वकीलों ने रिकार्ड पेश करने के लिए समय मांगा, जिसे उच्च न्यायालय ने स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई की तारीख 23 जून को तय की है। यह मामला केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के पुत्र कार्तिकेय की ओर से मानहानि प्रकरण से जुड़ा है। राहुल गांधी पर आरोप है कि उन्होंने सार्वजनिक मंच से कार्तिकेय चौहान का नाम कथित तौर पर पनामा पेपर्स लीक मामले से जोड़कर टिप्पणी की थी। इसी बयान को आधार बनाकर कार्तिकेय चौहान ने उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। इसी मामले में भोपाल की विशेष अदालत ने राहुल गांधी को समन जारी किया था, जिसे चुनौती देते हुए राहुल गांधी ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। उनका कहना है कि समन जारी किए जाने की प्रक्रिया और आधारों की न्यायिक समीक्षा आवश्यक है। दरअसल राहुल गांधी ने अपने बयान में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पर हुई कार्रवाई का उदाहरण देते हुए कहा था कि मध्य प्रदेश में ऐसी कार्रवाई नहीं हुई। कार्तिकेय सिंह चौहान ने दावा किया कि इस बयान से उनकी छवि धूमिल हुई और उन्होंने एमपीएमएलए कोर्ट में मानहानि का केस दायर किया। 2016 में जब इसके डेटा लीक का दावा किया गया था उस समय अमिताभ बच्चन, अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन, अजय, विजय माल्या समेत कई बड़ी हस्तियों के नाम इसमें शामिल थे। पनामा की तरह ही पैंडोरा पेपर्स लीक का मामला भी सामने आया था।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**